



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-20092021-229793
CG-DL-E-20092021-229793

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 276]

नई दिल्ली, सोमवार, सितम्बर 20, 2021/भाद्र 29, 1943

No. 276]

NEW DELHI, MONDAY, SEPTEMBER 20, 2021/BHADRA 29, 1943

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(व्यापार उपचार महानिदेशालय)

अधिसूचना

अंतिम जांच परिणाम

नई दिल्ली, 20 सितम्बर, 2021

मामला सं. एडी(ओआई)-35/2020

विषय: चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित “अनट्रीटिड फ्यूम्ड सिलिका” के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच।

क. मामले की पृष्ठभूमि

फा. सं. 6/40/2020- डीजीटीआर.—समय-समय पर यथा-संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 और उसके समय समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति के निर्धारित हेतु) नियमावली, 1995 के संबंध में,

- निर्दिष्ट प्राधिकारी(जिसे यहां “प्राधिकारी” भी कहा गया है) ने समय समय पर यथा-संशोधित सीमा शुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे यहां अधिनियम कहा गया है) और उसके समय समय पर यथा-संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, आकलन और संग्रहण तथा क्षति के निर्धारित हेतु) नियमावली, 1995 (जिसे यहां “नियमावली” या “एडी नियमावली” कहा गया है) के अनुसरण में मै. काबोट सनमार लिमिटेड (जिसे यहां “आवेदक” या “याचिकाकर्ता” अथवा “घरेलू उद्योग” भी कहा गया है) की ओर से

चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य (जिन्हें यहां “संबद्ध देश” भी कहा गया है) से “अनट्रीटिड फ्यूम्ड सिलिका” (जिसे यहां “विचाराधीन उत्पाद” या “पीयूसी” अथवा “संबद्ध वस्तु” भी कहा गया है) के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क को लागू करने के लिए एक आवेदन प्राप्त हुआ है।

2. और यह कि प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत विधिवत रूप से दस्तावेज सहित, आवेदन और पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन की विद्यमानता, मात्रा और प्रभाव को निर्धारित करने तथा पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करने, जो यदि लगाया जाता तो घरेलू उद्योग को कथित क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होता, एडी नियमावली के नियम 5 के अनुसरण में संबद्ध जांच की शुरुआत करते हुए भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित अधिसूचना संख्या 6/40/2020-डीजीटीआर दिनांक 22 सितंबर, 2020 के अनुसार एक पब्लिक नोटिस जारी किया।

ख. प्रक्रिया

3. इस जांच के संबंध में नीचे वर्णित प्रक्रिया का अनुसरण किया गया है:

- क. प्राधिकारी ने ऊपर नियम 5 के उपनियम (5) के अनुसरण में जांच की शुरुआत करने की कार्यवाही से पूर्व आवेदन की प्राप्ति के बारे में भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया।
- ख. प्राधिकारी ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत करते हुए, भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित दिनांक 22 सितंबर, 2020 की अधिसूचना के अनुसार पब्लिक नोटिस जारी किया।
- ग. भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों को नियमावली के नियम 6(2) के अनुसरण में जांच की शुरुआत के बारे में सूचित किया गया।
- घ. प्राधिकारी ने आवेदक के द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुसार भारत में उनके दूतावासों के जरिए संबद्ध देशों की सरकार को, संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग को जांच शुरुआत अधिसूचना की एक प्रति प्रेषित की और उनसे निर्धारित समय सीमा के भीतर लिखित में उनके विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया।
- ड. प्राधिकारी ने ऊपर नियमावली के नियम 6(3) के अनुसरण में, ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और भारत में उनके दूतावासों के जरिए, संबद्ध देशों की सरकारों को आवेदकों के अगोपनीय पाठ की एक प्रति उपलब्ध कराई।
- च. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया। डीजीटीआर की वेबसाइट पर सभी हितबद्ध पक्षकारों की एक सूची अपलोड की गई थी। कोविड-19 की वैश्विक महामारी के कारण सार्वजनिक फाइल की अनुपलब्धता के कारण, सभी हितबद्ध पक्षकारों के साथ उनके सभी अनुरोधों के अगोपनीय पाठ को साझा करने के लिए कहा गया।
- छ. प्राधिकारी ने, अनुरोध किए जाने पर, प्रश्नावली के उत्तर, साथ ही अनुरोध दायर करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को समय सीमा में विस्तार प्रदान किया।
- ज. प्राधिकारी ने एडी नियमावली के नियम नियम 6(4) के अनुसरण में संबद्ध देशों में निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को निर्यातक की प्रश्नावली भेजी:-
 - i. मै. हनान शुन्यू केमिकल कं., लि., चीन जन.गण.
 - ii. मै. शानडांग झोंघाई न्यू मैटिरियल ग्रुप कं., लि., चीन जन.गण.
 - iii. मै. गुआनझोऊ जीबीएस हाई टेक ऐंड इंडस्ट्री कं. लिमिटेड, चीन जन.गण
 - iv. मै. केयसु इंडस्ट्रियल कं. लि., कोरिया गणराज्य
- झ. संबद्ध जांच की शुरुआत के उत्तर में, निम्नलिखित निर्यातकों/उत्पादकों ने निर्यात की प्रश्नावली दाखिल की, और जांच की अवधि के दौरान अपने अनुरोधों को उपलब्ध कराया:
 - i. मै. शानडोंग डोंगयू सिलिकॉन मैटिरियल कं. लि., चीन जन.गण.

- ii. मै. वाकर केमिकल्स फ्यूम्ड सिलिका (झांगजियगांग) कं. लि., चीन जन.गण.
 - iii. मै. वाकर केमिकल्स (चीन) कं. लि., चीन जन.गण.
 - iv. मै. ओसीआई कंपनी लि., कोरिया गणराज्य
 - v. मै. यूएनआईडी ग्लोबल कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य
- ज. भारत में संबद्ध देशों के दूतावासों से भी उन संबंधित देशों से निर्यातकों/आयातों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह देने का भी अनुरोध किया गया। ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की एक प्रति भी संबद्ध देशों से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नाम और पतों सहित उन्हें भेजी गई।
- ट. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसरण में आवश्यक सूचना की मांग करते हुए, भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों या प्रयोक्ताओं को प्रश्नावली भेजी:-
- i. मै. ए. सी. एंटरप्राइजिज
 - ii. मै. आदिनाथ हेल्थकेयर
 - iii. मै. अमित ट्रेडिंग कंपनी
 - iv. मै. बी.पी. केमिकल्स
 - v. मै. एच.आर. ओर्गेनो केम प्रा. लि.
 - vi. मै. जयकेम मार्केटिंग
 - vii. मै. के.पी. मनीष ग्लोबल इंग्रेडियंट्स प्राइवेट लि.
 - viii. मै. केंडा फारबेन इंडिया प्रा. लि.
 - ix. मै. केशव हाइकेम प्राइवेट लि.
 - x. मै. निकेओन कारपोरेशन
 - xi. मै. निशा केमिकल्स
 - xii. मै. प्रकाश केमिकल्स प्रा. लि.
 - xiii. मै. उषा केमिकल्स
 - xiv. मै. जाइडेक्स इंडस्ट्रीज
- ठ. संबद्ध जांच की शुरुआत के प्रत्युत्तर में, निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ताओं ने प्रश्नावली प्रश्नावली उत्तर दायर करने के द्वारा प्रतिक्रिया दिखाई और जांच की अवधि के दौरान के दौरान अनुरोध किए हैं:-
- i. मै. जय केम मार्केटिंग, मुंबई
 - ii. मै. सीजेएस स्पेशलिटी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
 - iii. मै. वाकर मैट्रोआर्क केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड
- ड. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पीओआई) 1 अप्रैल, 2019 से 31 मार्च, 2020 (12 महीने) है। क्षति विश्लेषण अवधि में 1 अप्रैल, 2016 – 31 मार्च, 2017, 1 अप्रैल, 2017 – मार्च, 2018, 1 अप्रैल, 2018 -31 मार्च 2019 और पीओआई शामिल है।
- ढ. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों और जांच की अवधि के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के सौदावार आयातों के विवरण उपलब्ध कराने के लिए कहा गया था, जिसे प्राधिकारी द्वारा प्राप्त किया गया था। प्राधिकारी ने आयातों की मात्रा और कीमत की संगणना के लिए डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों पर भरोसा किया है।

- ण. क्षति रहित कीमत (एनआईपी) को घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध सूचना और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तुओं को बनाने और बिक्री की लागत और उत्पादन की इष्टतम लागत का आधार निर्धारित किया गया था। यह सुनिश्चित करने के लिए कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होंगे, ऐसी क्षति रहित कीमत पर विचार किया गया है।
- त. कोविड-19 महामारी के वैश्विक रूप से फैलने के कारण, और भारत सहित, विभिन्न देशों द्वारा लागू गतिविधियों पर प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप, सूचना के स्थल पर सत्यापन के जरिए प्रत्यक्ष जांच नहीं की गई। अनिवार्य समझी गई सीमा तक आवेदक/उत्पादक/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना का डेस्क सत्यापन किया गया। इस अंतिम जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ, अनिवार्य समझी गई सीमा तक अनिवार्य प्रतिबंधों के साथ केवल ऐसी सत्यापित की गई सूचना पर भरोसा किया गया है।
- थ. एडी नियमावली के नियम 6(6) और दिनांक 10 अप्रैल, 2020 के व्यापार नोटिस सं. 01/2020 के अनुसरण में, प्राधिकारी ने उनके समक्ष मौखिक रूप से संगत सूचना प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को अवसर प्रदान करने के लिए 27 मई, 2021 को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मौखिक सुनवाई आयोजित की। मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले सभी पक्षकारों को प्रत्युत्तर के द्वारा अनुसरित, मौखिक रूप से व्यक्त किए गए विचारों के लिखित अनुरोध को प्रस्तुत करने की सलाह दी गई। उन्हें ई-मेल द्वारा अन्य पक्षकारों के साथ उनके अनुरोधों के अगोपनीय पाठ को साझा करने की भी सलाह दी गई। इस जांच के प्रयोजनार्थ, आवश्यक समझी गई सीमा तक, हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त ऐसे लिखित अनुरोधों और प्रत्युत्तरों में किए गए तर्कों पर विचार किया गया है।
- द. गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता की जांच के संबंध में गोपनीयता के आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना की जांच की गई थी। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने, जहां भी जरूरी था, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना पर गोपनीय के रूप में विचार किया गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया गया है। जहां भी जरूरी था, गोपनीय आधार पर सूचना उपलब्ध कराने वाले पक्षकारों को गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया।
- ध. नियमावली के अनुसरण में, प्राधिकारी ने मामले के अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया जो 1.09.2021 को प्रकटन विवरण के रूप में अंतिम जांच परिणामों के आधार का निर्माण करेंगे और हितबद्ध पक्षकारों को इस पर टिप्पणी करने के लिए 7.09.2021 तक के समय की अनुमति प्रदान की गई। हितबद्ध पक्षकारों की टिप्पणियों पर संगत समझे जाने की सीमा तक, प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया है और इस अंतिम जांच परिणाम में उनका समाधान किया गया है।
- न. जहां कहीं भी किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस वर्तमान जांच की अवधि के दौरान अनिवार्य सूचना जुटाने से मना किया है या सूचना प्रदान करने से मना किया या जांच में अत्यधिक हस्तक्षेप किया है, वहां प्राधिकारी ने ऐसे पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अंतिम जांच परिणाम दर्ज किए हैं।
- प. इस अंतिम जांच परिणाम में *** किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई और नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा गोपनीय मानी गई सूचना को दर्शाता है।
- फ. प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच के लिए पीओआई की विनिमय दर 1 अमरीकी डॉलर= 71.65 रुपए स्वीकार की गई है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. जांच शुरुआत के स्तर पर, विचाराधीन उत्पाद को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

“ 3. आवेदन में विचाराधीन उत्पाद “अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका” है। सिलिका कम्पाउंड के वेपर फेज फ्लेम हाइड्रोलाइसिस से निर्मित सिंथेटिक सिलिका को सामान्यतः फ्यूमड सिलिका के रूप में जाना जाता है। सिंथेटिक

सिलिका का यह प्रकार अपनी अभिलाक्षणिकता और विनिर्माण प्रक्रिया के कारण अन्य सिलिका से भिन्न है और इसके लिए कच्चे माल की जरूरत पड़ती है। जहां अन्य सिंथेटिक सिलिका तरल रूप में सिलिकॉन सोल्यूशन से बनाए जाते हैं, फ्यूमड सिलिका को बहुत उच्च तापमान पर गैस रूप में निर्मित किया जाता है।

“4. फ्यूमड सिलिका को अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका और ट्रीटिड फ्यूमड सिलिका के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका को 1800 डिग्री से. के तापमान पर ऑक्सीजन हाइड्रोजन फ्लेम में क्लोरोस्लेन फीडस्टॉक के फ्लेम हाइड्रोलिसिस द्वारा बनाया जाता है। यह प्रक्रिया एग्रिगेट्स और एग्लोमेरेट्स जैसी श्रृंखला के अद्वितीय ढांचों सहित सिलिका के उत्पादन की अनुमति देती है।

5. अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका का एक वृहत विशिष्ट सरफेस क्षेत्र है। इसके सरफेस वैल्यूज जैसे 150 या 200 या 300 अथवा 380 एम²/जीएम के आधार पर, अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका को विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त विभिन्न ग्रेडों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। सर्वाधिक प्रसिद्ध ग्रेड विभिन्न अनुप्रयोगों में प्रयुक्त होने वाला 200 एम²/जीएम है।

6. यह वृहत अनुप्रयोगों के लिए प्रयुक्त किया जाने वाला फ्री फ्लोइंग पाउडर के रूप में स्थित एक उत्पाद है। अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका सॉलिड सिस्टम में फ्री फ्लो प्रोपर्टीज में सुधार करता है और फार्मास्यूटिकल्स में फ्री फ्लो और टेबलिंग एजेंट के रूप में, और खाद्य पदार्थों तथा कृषि रसायनों में एंटी एजिंग एजेंट के रूप में प्रयुक्त किया जाता है। यह तरल स्वाद और सुगंधों के लिए कैरियर के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। संबद्ध उत्पाद कि.ग्रा. और मी.टन. के संदर्भ में व्यक्त निवल भार की शर्तों में ठोस पदार्थ है।

7. फ्यूमड सिलिका का सिलिकॉन डायक्साइड को अध्याय 28, उप शीर्ष 28112200 के तहत वर्गीकृत किया गया है। अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 अध्याय 28 के उप शीर्ष 28112190, 2839100 और अध्याय 34 के 34049090 के तहत भी विभिन्न एचएस कोडों के तहत भारत में आयात किया जा रहा है। सीमा शुल्क वर्गीकरण स्वरूप में केवल सांकेतिक है और जांच के क्षेत्र पर किसी भी तरह से बाध्यकारी नहीं है।

ग.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

5. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:

- क. पीयूसी को फिल्टर के रूप में और एंटी केकिंग एजेंट के रूप में खाद्य उद्योग में सिलिका, स्टीरेट्स, ट्राई केल्शियम फास्फेट्स को प्रिसिपिटेटिड करने के द्वारा और फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्रीज में सिलिका को प्रिसिपिटेटिड करने के द्वारा आसानी से प्रतिस्थापित किया जा सकता है।
- ख. उत्तर देने वाले निर्यातकों ने फार्मा ग्रेड पीयूसी का उत्पादन या इसे भारत को निर्यात नहीं किया है।
- ग. घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री किए गए पीयूसी की किस्में न तो प्रत्यक्ष रूप में तुलनीय हैं न ही उत्तर देने वाले निर्यातकों द्वारा बेचे गए पीयूसी के साथ पूरी तरह से विनिमय योग्य हैं।
- घ. सुनवाई में घरेलू उद्योग के दावे के विपरीत, ग्रेड एन20 पी फार्मा गुणवत्ता वाला नहीं है। प्रत्यय ‘पी’ दर्शाता है कि सामग्री पैक की गई है और यह नहीं कि सामग्री फार्मास्यूटिकल गुणवत्ता वाली है।
- ङ. फार्मा और गैर-फार्मा/तकनीकी गुणवत्ता के बीच अंतर करने के लिए वर्तमान मामले में एक एकल अंक पीसीएन/खंड आरंभ किया जाना चाहिए।
- च. घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध करायी गई आयात अलगाव पद्धति दर्शाती है कि इस में हाइड्रोफोबिक फ्यूमड सिलिका (ट्रीटिड फ्यूमड सिलिका) के ग्रेड शामिल हैं जो कि पीएम-09 एल और पीएम -20 एल हैं।
- छ. आयातों को अलग करने में, घरेलू उद्योग ने आईआरओडीआईएसपी डब्ल्यू 7520 एसआईपीईआरएनएटी 310, एमएसपी-005 को विचाराधीन उत्पाद के आयातों के रूप में माना है, जबकि ये संबद्ध वस्तुओं से संबंधित नहीं हैं।
- ज. घरेलू उद्योग ने शब्द एसआई 02 पर विचार किया है और अचिन्हित किया है क्योंकि वे विचाराधीन उत्पाद से संबंधित, जबकि ये शब्द फ्यूमड सिलिका की ट्रीटिड या अनट्रीटिड हो सकते हैं।

- झ. वर्तमान मामले में किसी पीसीएन कार्य पद्धति पर विचार किए जाने की आवश्यकता नहीं है।
- ज. घरेलू उद्योग की स्वयं की स्वीकृति के अनुसार, फार्मास्युटिकल गुणवत्ता वाला जो पीयूसी कड़े परीक्षण से गुजरता है, एक उच्च विनिर्देशनों वाला है और उच्च स्तर का माना जाता है।
- ट. पीयूसी गुणवत्ता वाले फार्मास्युटिकल का विनिर्माण करने वाले संयंत्र के संचालन या चलाने की लागत तकनीकी ग्रेड की तुलना में महत्वपूर्ण रूप से अधिक है।
- ठ. फार्मा ग्रेड पीयूसी को ऐसे संयंत्र पर उत्पादित नहीं किया जा सकता जो केवल तकनीकी ग्रेडों का उत्पाद करने के लिए प्राधिकृत है।

ग.2. घरेलू उद्योग के विचार

6. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद “अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका” है। अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका और ट्रीटिड फ्यूमड सिलिका, फ्यूमड सिलिका के दो प्रकार हैं और इन्हें “कोलायडल सिलिकॉन डायऑक्साइड”/“फ्यूमड सिलिकॉन डायऑक्साइड” के रूप में भी जाना जाता है।
- ख. उत्पाद का प्रयोग मुख्य रूप से फार्मा और नॉन फार्मा अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है। हालांकि कच्चे माल या विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन/विनिर्माण प्रक्रिया में कोई अंतर नहीं है चाहे वह फार्मा ग्रेड में प्रयोग किया गया हो या नॉन-फार्मा ग्रेड में। दोनों के बीच मुख्य अंतर केवल यह है कि फार्मा ग्रेड के लिए अधिक कड़े परीक्षण और उच्च विनिर्देशनों की जरूरत है। तथापि, यह उत्पादन प्रक्रिया में किसी अंतर का परिणाम नहीं है। यह केवल गुणवत्ता परीक्षण का परिणाम है। फार्मा या नॉन-फार्मा ग्रेड के उत्पादन की लागत में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं है।
- ग. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने फार्मा और गैर-फार्मा ग्रेड के भेद को छोड़कर पीसीएन का सुझाव दिया है।
- घ. उत्पाद का कोई प्रतिस्थापन नहीं है। बहुत से अनुप्रयोगों में प्रिसिपिटेड सिलिका “फ्यूमड सिलिका” का स्थान नहीं ले सकता। प्रिसिपिटेड सिलिका की शुद्धता कम है और फ्यूमड सिलिका की तुलना में कम कार्य-कुशल है। दोनों के बीच भारी अंतर है।
- ड. आवेदक द्वारा उत्पादित वस्तुएं आयातित वस्तुओं के समान वस्तु हैं क्योंकि ये रासायनिक और तकनीकी विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन व वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण के संदर्भ में तुलनीय हैं तथा तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं।

ग.3. प्राधिकारी द्वारा जांच

7. जैसाकि जांच शुरुआत के नोटिस में बताया गया है, विचाराधीन उत्पाद “अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका” है। अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका एक सिंथेटिक, मॉर्फेस, कोलाइडल सिलिकॉन डायऑक्साइड है जिसे आम तौर पर अपनी असामान्य कण विशेषताओं के कारण उद्योग में अद्वितीय माना जाता है। सिंथेटिक सिलिका सिलेन यौगिक के वैपर फेज हाइड्रोलिसिस से निर्मित, सामान्यतः फ्यूमड सिलिका के रूप में ज्ञात है। हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि अनट्रीटिड सिलिका, सिलिका के अन्य प्रकारों अर्थात् “प्रिसिपिटेड सिलिका” के समान है। हालांकि इन हितबद्ध पक्षकारों ने यह स्थापित नहीं किया है कि ये दोनों प्रकार के उत्पाद अपनी कार्यात्मकता, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्चे माल, कार्यों और प्रयोगों, उत्पादन प्रौद्योगिकी, संयंत्र और उपस्कर लागतों और कीमतों के संदर्भ में समान उत्पाद हैं। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि जहां अन्य सिंथेटिक सिलिका तरल रूप में सिलीकेट सोल्यूशन से निर्मित है, फ्यूमड सिलिका को बहुत अधिक तापमान पर गैस रूप में विनिर्मित किया जाता है। आयात आंकड़ों से यह भी देखा गया है कि इन दो प्रकार के उत्पादों की कीमतों में महत्वपूर्ण अंतर है।
8. फ्यूमड सिलिका दो प्रकार की हो सकती है –ट्रीटिड और अनट्रीटिड सिलिका के विपरीत, जो कि हाइड्रोफिलिक है, ट्रीटिड सिलिका को हाइड्रोफोबिक बनाने के लिए इसे विभिन्न रसायनों के साथ ट्रीटमेंट से गुजरना पड़ता है। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि ट्रीटिड फ्यूमड सिलिका को या तो अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका को और अधिक

संसाधित करके या उसी समय संपूर्ण उत्पादन गतिविधियों को अपनाने के द्वारा उत्पादित किया जा सकता है। आयात आंकड़ों से यह देखा जा सकता है कि अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका और ट्रीटिड फ्यूमड सिलिका की कीमत के बीच महत्वपूर्ण अंतर है। विचाराधीन उत्पाद का दायरा केवल अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका है।

9. विचाराधीन उत्पाद 1800 डिग्री सेल्सियस के तापमान पर ऑक्सीजन हाइड्रोजन फ्लेम में कोरोसिलेन फीडस्टॉक के फ्लेम हाइड्रोलिसिस द्वारा बनाया जाता है। यह प्रक्रिया सिलिका के उत्पादन की अनुमति देती है जिस में अद्वितीय संरचना होती है, जिसमें समुच्चय और एग्लोमेरेट्स जैसी श्रृंखला होती है।
10. अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका का एक वृहत विशिष्ट क्षेत्र है। इसके सरफेस एरिया वैल्यूज जैसे 150 या 200 या 300 या 300 एम²/जी के आधार पर, अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका को भिन्न प्रकार के अनुप्रयोगों के लिए उपयुक्त विभिन्न ग्रेडों में वर्गीकृत किया गया है। अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका ठोस सिस्टम में फ्री-फ्लो प्रोपर्टीज में सुधार करता है और फार्मास्युटिकल्स में फ्री फ्लो और टेबलेटिंग एजेंट और खाद्य व एग्नोकेमिकल्स में एंटी कोकिंग एजेंट के रूप में प्रयोग किया जाता है। इस स्वाद और सुगंधों के लिए केरियर के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।
11. विचाराधीन उत्पाद को टैरिफ कोड 28112200 के तहत, अध्याय 28 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है। हालांकि, अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका को अन्य एचएस कोड, जैसे 28112190, 28391900 और 340419090 के तहत भी आयातित किया जाता है। सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है। इसके अलावा, उत्पाद का एक समर्पित सीमा शुल्क वर्गीकरण नहीं है और बड़ी संख्या में अन्य उत्पाद, जो वर्तमान जांच के क्षेत्र से परे हैं, भी इन वर्गीकरण के तहत आयातित किए जाते हैं।
12. यह दावा किया गया है कि उत्पादक/निर्यातक ने फार्मा ग्रेड अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका का उत्पादन/निर्यात नहीं किया है जबकि घरेलू उद्योग ने फार्मा और नॉन-फार्मा अनुप्रयोगों दोनों के लिए उत्पाद का उत्पादन और आपूर्ति की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयात डाटा संबद्ध देशों से फार्मा ग्रेड अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका के आयातों को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। यह उल्लेखनीय नहीं है कि उत्तर देने वाले निर्यातकों द्वारा विचाराधीन उत्पाद के सभी ग्रेडों का निर्यात किया जाना चाहिए। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि फार्मा ग्रेड और नॉन-फार्मा या तकनीकी ग्रेड अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका के उत्पादन की लागत में कोई उल्लेखनीय अंतर नहीं है। कच्ची सामग्री, उत्पादित अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका के उत्पादन/विनिर्माण की प्रक्रिया, चाहे वह फार्मा या नॉन-फार्मा ग्रेड में प्रयुक्त हुआ है या नहीं, समान है। इन दोनों के बीच एकमात्र मुख्य अंतर यह है कि फार्मा ग्रेड के लिए अधिक कड़े परीक्षण की और उच्च विशेषताओं की जरूरत है। अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने दावा किया है कि चूंकि, फार्मा एप्लीकेशन उत्पाद के लिए अधिक कड़े परीक्षण की जरूरत है, इसे एक भिन्न उत्पाद प्रकार के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग का दावा है कि दोनों ग्रेडों की उत्पादन प्रक्रिया और उत्पादन की लागत में कोई अंतर नहीं है और परीक्षण और अधिक सख्त विनिर्देशनों में एकमात्र अंतर के बारे में प्राधिकारी विचार करते हैं कि, दोनों पर पृथक पीसीएन के रूप में विचार किए जाने की जरूरत नहीं है। प्राधिकारी का विचार है कि दोनों ग्रेडों के लिए पृथक पीसीएन केवल तभी उचित है जबकि उत्पादन की उत्पादन लागत उल्लेखनीय रूप से भिन्न हो। इनके अलावा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि फार्मा और नॉन-फार्मा उत्पाद की कीमत में कोई सुसंगत अंतर नहीं है।
13. आपात पृथक्करण के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद का कोई समर्पित सीमाशुल्क वर्गीकरण नहीं है। इसके अलावा, बड़ी संख्या में भिन्न विवरणों और आपूर्तिकर्ताओं के ग्रेड नामों का भी प्रयोग करते हुए आयात किए जा रहे हैं। इसके बावजूद, हितबद्ध पक्षकारों ने वर्ष 2017-18 में एन 20 पी के नाम में केवल एक प्रविष्टि की और इंगित किया है, क्योंकि यह विचाराधीन उत्पाद से संबंधित नहीं है। पीएम-09एल, और पीएम-20एल, आईआरओडीआईएसपी डब्ल्यू 7520, और एसआईपीआईआरएनएटी 310, और एमएसपी-005 को संबद्ध अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका के रूप में नहीं माना गया है। जैसाकि अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इंगित किया गया है, एसआई 02 और अचिन्हित निश्चय ही सामान्य शब्द हैं जो ट्रीटिड और अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका, दोनों से संबंधित हो सकते हैं। तथापि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि ट्रीटिड फ्यूमड सिलिका की कीमत अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका की तुलना में अधिक हो सकती है।
14. पूर्वोक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी निष्कर्ष देते हैं कि विचाराधीन उत्पाद वही है जैसाकि जांच शुरुआत अधिसूचना में परिभाषित किया गया था।

घ. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और उसकी स्थिति**घ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार**

15. घरेलू उद्योग का क्षेत्र और उसकी स्थिति के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:
- क. याचिकाकर्ता काबोट सनमार लिमिटेड और काबोट हेंग येचेंग परफार्मेंस मैटेरियल (इनर मंगोलिया) कं. लि. प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से काबोट कारपोरेशन, यूएसए द्वारा नियंत्रित है और इस प्रकार एक दूसरे से संबंधित हैं।
- ख. घरेलू उद्योग ने अपने संबंधित पक्षकारों और अन्य गैर संबद्ध देशों को अपने संबंधित पक्षकारों द्वारा भारत को किए गए निर्यातों के संबंध में पूरी सूचना उपलब्ध नहीं करायी है।
- ग. काबोट सनमार लि. काबोट कारपोरेशन ऑफ यूएसए और सनमार ग्रुप इंडिया के बीच एक संयुक्त उद्यम है। अन्य देशों के मध्य काबोट कारपोरेशन के जर्मनी में फ्यूम्ड मेटल ऑक्साइड का उत्पादन करने वाले विनिर्माण संयंत्र विद्यमान हैं।
- घ. काबोट कारपोरेशन ने वुहाई, चीन जन.गण. में एक नए फ्यूम्ड सिलिका विनिर्माण स्थल के जरिए 80,00,000 केजी की क्षमता जोड़ी है। यह इनर मंगोलिया हेंगयेचेंग सिलिकॉन कं. लि. के साथ काबोट कारपोरेशन का एक संयुक्त उद्यम है जिसका घरेलू उद्योग द्वारा प्रकटन नहीं किया गया है।

घ.2 घरेलू उद्योग के विचार

16. यहां नीचे घरेलू उद्योग के क्षेत्र और इसकी स्थिति के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध दिए गए हैं:-
- क. आवेदन मै. काबोट सनमार लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। आवेदक भारत में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है।
- ख. आवेदक ने संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का आयात नहीं किया है। आवेदक ने इसके संयुक्त उद्यम भागीदार काबोट कारपोरेशन, यूएसए से नॉन पीयूसी श्रेणी के फ्यूम्ड सिलिका का आयात किया है जो कुछ विशिष्ट ग्राहकों के लिए विशेष फार्मा ग्रेड का है।
- ग. आवेदक नियम 2(ख) के अर्थों के भीतर विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक या निर्यातक से संबंधित नहीं है।
- घ. मंगोलिया हेंगयेचेंग काबोट चाइना लिमिटेड और मंगोलिया हेंगयेचेंग सिलिकॉन कंपनी लिमिटेड (एचवाईसी) के बीच एक संयुक्त उद्यम है। एचवाईसी काबोट सनमार लिमिटेड, एक भारतीय हस्ती, से संबंधित नहीं है।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

17. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग निम्नलिखित रूप में परिभाषित है:
- “घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।”*
18. आवेदन मै. काबोट सनमार लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। आवेदक भारत में संबद्ध वस्तुओं का एकमात्र उत्पादक है। आवेदक सनमार ग्रुप, इंडिया और काबोट कारपोरेशन यूएसए के बीच 50:50 संयुक्त उद्यम है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 2(ख) के तहत, केवल निम्नलिखित संगत हैं:-
- क. विचाराधीन उत्पाद के निर्यातक या आयातक के साथ आवेदक का संबंध
- ख. संबंधित सत्ता द्वारा किए गए निर्यात

- ग. जांच अवधि के दौरान किए गए निर्यात
- घ. केवल संबद्ध देशों से किए गए निर्यात
19. अन्य सभी संबद्ध, जैसे संबद्ध देशों या अन्य देशों में विचाराधीन उत्पाद के उत्पादकों के साथ, संबंध या जांच अवधि से पूर्व किए गए निर्यात नियम 2(ख) के तहत पात्रता को निर्धारित करने के लिए पूरी तरह से अप्रासंगिक हैं। किसी भी स्थिति में, पीओआई में सहबद्धों द्वारा किए गए उत्पादों के केवल निर्यातों का अर्थ यह नहीं है कि घरेलू उत्पादक को अयोग्य माना जाए और अपात्र घरेलू उद्योग के रूप में व्यवहार किया जाए।
20. इस दावे के संबंध में कि मंगोलिया हेंगयेचेंग परफार्मेंस मैटिरियल्स (इनर मंगोलिया) कं. लिमिटेड काबोट सनमार लिमिटेड से संबंधित है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि काबोट सनमार लि. का सनमार ग्रुप, इंडिया और काबोट कारपोरेशन, यूएसए के बीच 50:50 संयुक्त उद्यम है। मंगोलिया हेंगयेचेंग परफार्मेंस मैटिरियल (इनर मंगोलिया) का काबोट कारपोरेशन, यूएसए और इनर मंगोलिया हेंगयेचेंग चीन के बीच 20:80 संयुक्त उद्यम है। इस प्रकार, जहां काबोट कारपोरेशन, यूएसए आवेदक कंपनी में 50 प्रतिशत शेयरधारिता धारित करता है, यह इनर मंगोलिया हेंग ये चेंग सिलिकॉन में केवल 20 प्रतिशत धारिता धारित करता है। जांच की अवधि के दौरान भारत को इनर मंगोलिया हेंग ये चेंग सिलिकॉन द्वारा विचाराधीन उत्पाद का कोई निर्यात नहीं किया गया है। इसके अलावा, चाहे दोनों पक्षकार संबंधित पक्षकार हैं, केवल संबंध का तथ्य ही घरेलू उत्पादक को अयोग्य समझे जाने के लिए अपर्याप्त है।
21. पूर्वोक्त को देखते हुए, प्राधिकारी ने यह पाया कि आवेदक ने न तो संबद्ध देशों से विचाराधीन उत्पाद का आयात किया है न ही यह उन निर्यातकों से जिन्होंने पीओआई में संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है या आयातकों से संबंधित है, जिन्होंने पीओआई में संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है। तदनुसार, प्राधिकारी निर्णय देते हैं कि नियमावली के नियम 2(घ) के अर्थों के भीतर आवेदक एक पात्र घरेलू उद्योग है। आवेदन नियमावली के नियम 5(3) के संदर्भ में स्थिति संबंधी मानदंड को पूरा करता है और आवेदक नियमावली के तहत घरेलू उद्योग है।

ड. गोपनीयता

ड.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

22. गोपनीयता के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-
- क. दायर आवेदन पूरी तरह से अपूर्ण और अपर्याप्त है। अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया गया है। फार्मेट क से ठ के तहत लागत और विभिन्न नीतियों जैसे क्रय, बिक्री, लेखाकरण संबंधित सूचना को गोपनीय रखा गया है।
- ख. लागत संबंधी सूचना का पर्याप्त अगोपनीय सारांश उपलब्ध कराने में भी घरेलू उद्योग विफल रहा है।
- ग. घरेलू उद्योग ने संबंधित पक्षकारों से आयातों के संबंध में पूर्ण सूचना का प्रकटन नहीं किया है।
- घ. आवेदक ने गलत रूप से दावा किया है कि विरोधी पक्षकारों द्वारा सूचना का प्रकटन नहीं किया है।

ड.2 घरेलू उद्योग का विचार

23. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-
- क. आवेदक ने नियमावली के नियम 7 और दिनांक 7 सितंबर, 2018 की व्यापार नोटिस सं. 10/2018 के अनुसरण में आवेदन के अगोपनीय पाठ में सारी अनिवार्य सूचना का प्रकटन किया है। जहां भी संभव था, सूचीबद्ध सूचना भी उपलब्ध करायी गई है जो क्षति पैरामीटर के विश्लेषण की अनुमति देगी।
- ख. आवेदक ने प्राधिकारी को संपूर्ण वास्तविक सूचना उपलब्ध करायी है। आंकड़े की गोपनीयता पर विचार करते हुए, आवेदक ने ऐसे वास्तविक गोपनीय डाटा को अन्य हितबद्ध पक्षकारों के साथ साझा नहीं किया है क्योंकि यह व्यापार संबंधी संवेदनशील सूचना है और घरेलू उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव का कारण बन सकती है।

- ग. उत्तरों का अगोपनीय पाठ दर्शाता है कि हितबद्ध पक्षकारों ने पर्याप्त और पूर्ण सूचना को दायर करने के लिए विस्तार समय प्रदान किए जाने के बाद भी पूरी तरह से त्रुटिपूर्ण उत्तर दायर किए हैं।
- घ. विदेशी उत्पादक और आयातक ने शेयरधारिता ढांचे, उत्पादन प्रक्रिया, मूल्य शृंखला, उत्पादन सुविधाओं, संबंधित पक्षकारों, कच्ची सामग्रियों के नाम, कच्चे माल की अधिप्राप्ति, उत्पादकता और/या बेचे गए उत्पादों की सूची, धारक कंपनी का नाम, शेयरधारिता के विवरण, घरेलू बाजार में विपणन और भारत को निर्यातों के लिए चैनल्स के संबंध में अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- ड. निर्यातकों ने सूचीबद्ध आधार पर भी सूचना उपलब्ध नहीं करायी है।
- च. प्राधिकारी को उपलब्ध करायी गई जानकारी की उचित समय की अनुमति देने के लिए आवेदकों को पर्याप्त विवरण देने से मना किया गया है। आवेदक यह भी निर्धारित नहीं कर सकते कि कौन सी सूचना उपलब्ध करायी गई है और क्या उस पर कोई भरोसा किया जा सकता है। परिणामस्वरूप, आवेदक अत्यधिक विवश है और निर्यातक द्वारा दायर उत्तर पर टिप्पणी करने में असमर्थ है।

ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

24. जांच की अवधि के दौरान अन्य हितबद्ध पक्षकारों तथा आवेदक द्वारा किए गए गोपनीयता संबंधी विभिन्न अनुरोधों पर प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक जांच की गई है और निम्नानुसार उल्लेख किया गया है:-
25. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना का अन्य सभी हितबद्ध पक्षकारों को अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया है।
26. सूचना की गोपनीयता के संबंध में, पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान है:
- "गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के उपनियमों (2), (3) और (7), नियम 12 के उपनियम (2), नियम 15 के उपनियम (4) और नियम 17 के उपनियम (4) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी जांच की प्रक्रिया में नियम 5 के उपनियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों के प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर निर्दिष्ट प्राधिकारी को प्रस्तुत किसी अन्य सूचना के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट होने पर उस सूचना को गोपनीय मानेंगे और ऐसी सूचना देने वाले पक्षकार से स्पष्ट प्राधिकार के बिना किसी अन्य पक्षकार को ऐसी किसी सूचना का प्रकटन नहीं करेंगे।*
- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय अधिकारी पर सूचना प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों से उसका अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करने के लिए कह सकते हैं और यदि ऐसी सूचना प्रस्तुत करने वाले किसी पक्षकार की राय में उस सूचना का सारांश नहीं हो सकता है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को इस बात के कारण संबंधी विवरण प्रस्तुत करेगा कि सारांश करना संभव क्यों नहीं है।*
- (3) उप नियम (2) में निहित किसी बात के होते हुए भी यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो कि गोपनीयता के लिए अनुरोध न्यायसंगत नहीं अथवा सूचना प्रदाता सूचना को सार्वजनिक करने अथवा इसको सामान्य तौर पर अथवा संक्षिप्त रूप में उसे प्रकट करने के लिए अनिच्छुक हो, तो ऐसी सूचना की उपेक्षा की जा सकती है।*
27. गोपनीय आधार पर हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जांच की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने, जहां भी जरूरत थी, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है, और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा गया है और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया है। जहां भी संभव था, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले पक्षकारों की गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्य का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया। सभी हितबद्ध पक्षकारों को घरेलू उद्योग के आयातों, निष्पादन पैरामीटरों और क्षति पैरामीटरों से संबंधित सूचना का अगोपनीय पाठ उपलब्ध कराया गया है। अभ्यास के अनुसार, व्यापार संबंधी संवेदनशील सूचना को गोपनीय रखा गया है। प्राधिकारी यह भी धारित करते हैं कि लागत निर्धारण संबंधी सूचना गोपनीय सूचना के स्वरूप में है और जहां भी जरूरत थी, प्राधिकारी ने लगातार लागत निर्धारण संबंधी सूचना को गोपनीयता की अनुमति दी है। जहां भी सूचना क्षति अवधि के लिए है, आवेदक ने इसे या तो वास्तविक या सूचीबद्ध आधार पर अन्तर्निहित किया है।

च. विविध अनुरोध**च.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार**

28. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क. आवेदन में जांच की शुरुआत का औचित्य सिद्ध करने के लिए पाटन या क्षति के पर्याप्त साक्ष्य शामिल नहीं हैं।
- ख. यदि संबद्ध देशों से आयातों पर पाटनरोधी शुल्क की उच्च दर की सिफारिश की गई है तो संबद्ध देशों से आयातों को बंद कर देना चाहिए।
- ग. 2021 में, पीयूसी की कीमतों में वृद्धि के कारण सिलिकॉन मेटल की वैश्विक रूप से कमी हुई है, जिस कारण बदले में, आयातों की औसत कीमत में वृद्धि हुई। अनवरत अंतिम प्रयोक्ताओं का बहुमत सभी उद्योगों में लागत वृद्धि का सामना कर रहा है।
- घ. आवेदक ने इस पर टिप्पणी नहीं की है कि क्यों यह विकल्पों की उपलब्धता के बावजूद चीन जन.गण. से मुख्य कच्चे माल के आयात पर पूरी तरह से निर्भर है।
- ङ. बहुत से अनुप्रवाह ग्राहकों ने लागत बचत के लिए फ्यूज्ड सिलिका के स्थान पर प्रिंसीपिटेड सिलिका का प्रयोग करना आरंभ कर दिया है।
- च. वर्तमान आवेदन आयातों का रक्षोपाय करते हुए, जो जर्मनी और अन्य देशों में संबंधित हस्ती/संबद्धों से किए गए हैं, कोरिया गणराज्य और चीन जन.गण. में असंबंधित हस्तियों से आयातों को प्रतिबंधित करने के अभिप्राय से पूर्ण हैं।
- छ. कोरिया गणराज्य से आयातों पर अनुचित पाटनरोधी शुल्कों को लगाना जन हित में नहीं होगा और आयात प्रतिस्पर्धा के केवल छोटे और वैध स्रोत को बाहर कर देगा।
- ज. पीयूसी पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण पेरासीटामोल टेबलेट (उदा. डोलो-650 एमजी) के उत्पादन की लागत में वृद्धि करेगा जिनकी इस समय भारी मांग है और इस समय कोविड-19 रोगियों को दी जा रही है।

च.2 घरेलू उद्योग के विचार

29. घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क. आवेदन में अपर्याप्त सूचना और साक्ष्य के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों का दावा किसी कानूनी और तथ्यात्मक आधार के बिना है। वास्तव में, जांच को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना की शुद्धता और पर्याप्तता के संबंध में संतुष्ट होने के पश्चात ही आरंभ किया गया था।

च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

- 30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदक ने एक विधिवत साक्ष्यांकित आवेदन दायर किया था, जिसके आधार पर वर्तमान जांच आरंभ की गई थी। वर्तमान जांच को घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा/सूचना के आधार पर ही और प्रथम दृष्टया संतुष्ट होने के बाद कि पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पर्याप्त साक्ष्य हैं, वर्तमान जांच आरंभ की गई थी। आवेदन में जांच की शुरुआत के प्रयोजनाथ सारी संगत सूचना अन्तर्निहित है।
- 31. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध का संबंध है कि पाटनरोधी शुल्क के कारण संबद्ध देशों से आयात बंद हो जाएंगे, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों का अभिप्रेत उचित व्यापार को सुनिश्चित करना और सभी हितधारकों को समान अवसर प्रदान करना है। यह उपाय आयातों को प्रतिबंधित नहीं करते न ही अंतिम तैयार उत्पादों की लागत में अनुचित वृद्धि करते हैं। पाटनरोधी शुल्क का उद्देश्य घरेलू उत्पादकों को किसी प्रकार का अनुचित लाभ प्रदान करना या उत्पाद के ग्राहकों को किसी प्रकार की अनुचित मुश्किल पैदा करना है। कोई प्रयोक्ता, अधिकार समझ कर, पाटन कीमतों पर उत्पाद तक पहुंच की मांग नहीं कर सकता, विशेषकर जबकि

ऐसा पाटन भारत में किसी स्थापित उद्योग को क्षति पहुंचाता हुआ पाया जाता है। पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाने वाले अनुचित व्यापार को समाप्त करना है। तथापि, भारतीय बाजार में पाटनरोधी उपायों को लागू करने से उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। पाटनरोधी शुल्कों का अधिरोपण उचित कीमतों पर प्रयोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा।

32. प्राधिकारी विचार करते हैं कि वर्तमान जांच एक मूल जांच है और पीओआई पश्चात घटनाक्रमों पर अंतिम निर्धारण के लिए चुनिंदा रूप से विचार नहीं किया जा सकता। पीओआई पश्चात आंकड़ों पर विचार से तात्पर्य उस अवधि के लिए प्रत्येक सूचना की मांग करना है। इसके अलावा, नियमावली में आवधिक समीक्षा के लिए व्यवस्था की गई है। यदि, किसी हितबद्ध पक्षकार का विचार है कि जांच अवधि के पश्चात महत्वपूर्ण परिवर्तन किए गए हैं तो कोई हितबद्ध पक्षकार अंतिम उपायों की समीक्षा की मांग कर सकता है।
33. जहां तक कच्चे माल के संबंध में, आयातों पर घरेलू उद्योग की निर्भरता का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि किसी घरेलू उत्पादक के लिए भारतीय बाजार के भीतर ही सारे कच्चे माल को स्रोत किया जाना अनिवार्य नहीं है। यदि जांच दर्शाती है कि पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है तो नियमावली के तहत न ही घरेलू बाजार में कच्चे माल की अनुपस्थिति से या अंतर्राष्ट्रीय बाजार से उसका स्रोत घरेलू उत्पादक को राहत की मांग करने से वंचित कर सकता है।
34. जहां तक उपभोक्ताओं के कथित लागत बचत के लिए फ्यूड सिलिका से प्रिंसीपीटेड सिलिका पर परिवर्तन करने का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच दर्शाती है कि क्षति अवधि में उत्पाद की मांग बढ़ी है। इसके अलावा, किसी मामले में परिवर्तन की संभावना प्रस्तावित उपायों से किसी उपभोक्ता को पूर्वाग्रह का कारण नहीं बन सकती। उपभोक्ता ऐसे किसी वैकल्पिक इनपुट पर स्थानांतरित कर सकते हैं।
35. प्राधिकारी ने पाया कि घरेलू उद्योग की संबंधित हस्तियों द्वारा निर्यात अत्यधिक नगण्य हैं। इसलिए बिना किसी तथ्यात्मक आधार के आयातों का रक्षोपाय करते हुए, जो जर्मनी और अन्य देशों में संबंधित हस्ती/हस्तियों से किए गए थे, असंबंधित हस्तियों से आयातों को प्रतिबंधित करने के अभिप्राय से प्रस्तावित उपाय की मांग की गई थी।
36. पेरासीटामोल पर प्रस्तावित उपायों के संभावित विपरीत प्रभाव पर अनुरोधों के संबंध में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने स्वयं यह दावा किया है कि घरेलू उद्योग फार्मा ग्रेड की महत्वपूर्ण मात्रा की आपूर्ति करता है और तीसरे देशों से किए गए आयात मुख्य रूप से फार्मा ग्रेड के हैं। यह भी नोट किया गया है कि मांग का महत्वपूर्ण भाग (लगभग 30 प्रतिशत) असंबद्ध आयातों से पूरा किया जाता है। वास्तव में, असंबद्ध देशों से आयात (1198 मी.टन) संबद्ध देशों से आयातों (869 मी.टन) की तुलना में अधिक हैं।

छ. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

बाजार अर्थव्यवस्था उपचार (एमईटी), सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण

छ.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार

37. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए थे:
 - क. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन को उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध करायी गई सूचना के आधार पर निर्धारण किया जाना चाहिए।
 - ख. सामान्य मूल्य और क्षति रहित कीमत के निर्धारण के लिए फार्मा और नॉन-फार्मा उत्पादों को पृथक किया जाना चाहिए, क्योंकि केवल नान-फार्मा ग्रेड को आयात किया जाता है, जबकि घरेलू उद्योग दोनों का उत्पादन करता है।
 - ग. भारत को चीन की पूर्ण बाजार अर्थव्यवस्था पदवी की पहचान करने के लिए संगत करारों के तहत अपनी बाध्यताओं को पूरा करना चाहिए और चीन के विरुद्ध पाटनरोधी जांचों में “सरोगेट देश” विचाराधारा का प्रयोग करना बंद कर देना चाहिए।
 - घ. याचिकाकर्ता और प्राधिकारी को एक कानूनी व्याख्या और साक्ष्य उपलब्ध कराने चाहिए जो चीनी कीमतों और लागतों की निरंतर अवहेलना की अनुमति देगा और इस मामले में स्थापित सामान्य मूल्य के लिए विशेष पद्धति के उपयोग की अनुमति देगा।

- ड. विश्व व्यापार संगठन, जैसाकि इस समय उन का मत है, ने पाटनरोधी जांचों में सामान्य मूल्य स्थापित करने के लिए चीनी उत्पादकों की कीमतों/लागतों की निरंतर अवहेलना के लिए कोई कानूनी आधार उपलब्ध नहीं कराया है। दिनांक 11 दिसंबर, 2016 के बाद, यह स्थापित करने के लिए याचिकाकर्ता और भारत पर प्रमाण का बोझ आ गया है कि चीनी कंपनियों की लागतें और कीमतें अभी भी गैर-बाजार अर्थव्यवस्था स्थितियों से प्रभावित हैं।
- च. चीन जन.गण. में स्थानीय विक्रेताओं के बीच भारी प्रतिस्पर्धा मौजूद है, जब भारतीय बाजार से तुलना की जाती है, जिसमें आवेदक स्वयं 50 प्रतिशत से अधिक बाजार हिस्से को धारित करते हैं।
- छ. प्रतिवादी निर्यातकों ने मालभाड़ा, कमीशन और पत्तन व्ययों के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए वास्तविक दावों के प्रकटन का अनुरोध किया है।
- ज. प्राधिकारी को न्यूनतम स्तर पर उत्पादन के उन कारकों के लिए भारत में इनपुट लागतों को प्रयोग करते हुए, विदेशी उत्पादकों के कारकों को ध्यान में रखते हुए सामान्य मूल्य को परिकलित करना चाहिए।
- झ. सभी विनिर्माण के पश्चात के व्ययों जैसे बिक्री, वितरण, विपणन और सामान्य प्रशासन को भी आयातकों द्वारा वहन किया जाता है और आयातक उचित लाभ प्राप्त कर रहे हैं।
- ञ. जांच में भाग लेने वाले उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण किया जाना चाहिए।
- ट. चूंकि कोरिया, भारत को केवल तकनीकी ग्रेड का निर्यात कर रहा है, सामान्य मूल्य, जैसाकि कोरिया के लिए परिभाषित किया गया है, चीन जन.गण. से आयातों के लिए भी लागू होना चाहिए।
- ठ. सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए ई.यू. अथवा जापान के बारे में विचार करना गलत होगा क्योंकि ई.यू. फार्मा ग्रेड में पीयूसी का लगभग 65 प्रतिशत निर्यात करता है और तकनीकी ग्रेड में केवल 35 प्रतिशत का निर्यात करता है।
- ड. चूंकि, कोरिया गणराज्य एक संबद्ध देश है, प्राधिकारी को कोरियन निर्यातकों के डाटा के आधार पर घरेलू या निर्मित कीमत पर भरोसा करना चाहिए।
- ढ. प्राधिकारी की समायोजन के साथ घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत की उत्पादन लागत पर प्राधिकरण की निर्भरता भी कृत्रिम रूप से सामान्य मूल्य को बढ़ाने के लिए बाध्य है क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग ने पीओआई में उच्च और अनुचित लागतें उठाई हैं, जिस से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

छ.2 घरेलू उद्योग के विचार

38. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के निर्धारण के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-
- क. पिछले मामलों में और अन्य देशों में जांचकर्ता प्राधिकारियों द्वारा ली गई स्थिति के अनुसरण में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में चीन के संबंध में विचार किया जाना चाहिए।
- ख. सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए चीनी उत्पादकों की लागत और कीमत पर भरोसा नहीं किया जा सकता और तदनुसार, सामान्य मूल्य को नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के उपबंधों के अनुसरण में निर्धारित किया जाना चाहिए।
- ग. भारत के अलावा, विचाराधीन उत्पाद को मुख्य रूप से चीन जन.गण., कोरिया गणराज्य, यूरोपियन यूनियन और जापान से उत्पादित और निर्यातित किया जाता है। यूरोपियन यूनियन से भारत को औसत कीमत पर चीन के सामान्य मूल्य के लिए विचारित किया जाना चाहिए।
- घ. आवेदक कोरिया गणराज्य के घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की कीमत प्राप्त नहीं कर सकते क्योंकि उत्पाद का कोई समर्पित कोड नहीं है। कोरिया में सामान्य मूल्य को बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक व्ययों के साथ विधिवत समायोजित, कोरिया में उत्पादन की लागत के अनुमानों के आधार पर निर्धारित किया गया है।

- ड. निर्यात कीमत डीजीसीआईएंडएस द्वारा उपलब्ध कराए गए सौदा-वार आयात आंकड़ों पर आधारित है। समुद्री भाड़ा, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतर्देशीय माल भाड़ा व्यय, पत्तन व्ययों, बैंक प्रभारों और वैट (केवल चीन के लिए) निर्यात कीमत को समायोजित किया गया है।
- च. प्राधिकारी ने निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए केवल उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना पर विचार किया है, यदि वह सभी प्रकार से पूरी हों।
- छ. चूंकि, पीयूसी के फार्मा ग्रेड और नॉन-फार्मा ग्रेड की लागत में कोई अंतर नहीं है, इन दोनों ग्रेडों के लिए पृथक पाटन और क्षति मार्जिन विश्लेषण अनिवार्य नहीं है। इसके अलावा, पीयूसी अर्थात् अनट्रीटिड फ्यूमड सिलिका के लिए सामान्य मूल्य और पाटन मार्जिन निर्धारित किया गया है न कि विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए।

छ.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

39. प्राधिकारी ने यहां नीचे अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए तर्कों पर कार्रवाई की है। अधिनियम की धारा 9क(1)(ग) के अनुसार, किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का तात्पर्य है:
- (i) व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की तुलनीय कीमत जब वह उप नियम (6) के तहत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित निर्यातक देश या क्षेत्र में खपत के लिए नियत हो, अथवा
- (ii) जब निर्यातक देश या क्षेत्र के घरेलू बाजार में व्यापार की सामान्य प्रक्रिया में समान वस्तु की कोई बिक्री न हुई हो अथवा जब निर्यातक देश या क्षेत्र की बाजार विशेष की स्थिति अथवा उसके घरेलू बाजार में कम बिक्री मात्रा के कारण ऐसी बिक्री की उचित तुलना न हो सकती हो तो सामान्य मूल्य निम्नलिखित में से कोई एक होगा:-
- (क) समान वस्तु की तुलनीय प्रतिनिधिक कीमत जब उसका निर्यात उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से किया गया हो; अथवा उपधारा- (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री और सामान्य लागत एवं लाभ हेतु उचित वृद्धि के साथ उद्गम वाले देश में उक्त वस्तु की उत्पादन लागत;
- (ख) बशर्ते यदि उक्त वस्तु का आयात उद्गम वाले देश से भिन्न किसी देश से किया गया है और जहां उक्त वस्तु को निर्यात के देश से होकर केवल यानांतरण किया गया है अथवा ऐसी वस्तु का उत्पादन निर्यात के देश में नहीं होता है, अथवा निर्यात के देश में कोई तुलनीय कीमत नहीं है, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम वाले देश में उसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।
40. प्राधिकारी ने विहित फार्म और तरीके से सूचना उपलब्ध कराने के लिए संबद्ध देश से ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह देते हुए प्राधिकारी ने उन्हें प्रश्नावलियां भेजी थीं। वर्तमान जांच में निम्नलिखित उत्पादक/निर्यातक शामिल हुए हैं:-
- क. मै. शानडोंग डोंगयुई सिलिकॉन मैटिरियल कं. लि., चीन जन.गण.
- ख. मै. वाकेर केमिकल्स फ्यूमड सिलिका (झांगजियागांग) कं. लि., चीन जन.गण.
- ग. मै. वेकर केमिकल्स (चीन) कं. लि., चीन जन.गण.
- घ. मै. ओसीआई कंपनी लि., कोरिया गणराज्य
- ड. मै. यूएनआईडी ग्लोबल कारपोरेशन, कोरिया गणराज्य
41. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों की प्राधिकारी ने जांच की है और निम्नानुसार निर्णय देते हैं:-
- क. हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया था कि फार्मा और नॉन-फार्मा ग्रेडों के बीच कीमत में काफी अन्तर है और संबद्ध देशों से केवल नॉन-फार्मा ग्रेड का आयात किया गया है, जबकि जापान और ई.यू. से फार्मा ग्रेड की आपूर्ति की गई है। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के आयात और बिक्री संबंधी आंकड़ों की जांच की थी। नीचे दी गई सारणी विभिन्न देशों से फार्मा और नॉन फार्मा ग्रेडों के आयातों को दर्शाती है।

		मात्रा कि.ग्रा.			
आवेदन	देश	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
नॉन-फार्मा	चीन	5,51,771	5,00,400	5,46,804	6,42,738
	कोरिया	1,00,480	1,08,985	67,210	1,33,120
	जापान	2,25,360	3,16,460	3,04,920	3,73,320
	ईयू	2,47,793	2,72,461	1,47,215	1,25,107
	अन्य देश	1,061	1,540	1,269	10,794
कुल नॉन-फार्मा		11,26,465	11,99,846	10,67,418	12,85,079
फार्मा	चीन	6,400	19,200	84,400	92,680
	ईयू	5,07,390	5,37,864	6,21,980	6,82,141
	अन्य देश	1,504	6,236	7,855	7,128
कुल फार्मा		5,15,294	5,63,300	7,14,235	7,81,949
कुल जोड़		16,41,759	17,63,146	17,81,653	20,67,028

		दर(रु./किग्रा.)			
आवेदन	देश	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
नॉन-फार्मा	चीन	239	245	300	285
	कोरिया	280	266	326	292
	जापान	338	307	320	332
	ईयू	369	355	366	384
	अन्य देश	954	602	891	477
कुल नॉन-फार्मा		292	289	317	311
फार्मा	चीन	291	284	302	315
	ईयू	378	353	384	393
	अन्य देश	1,841	896	1,020	1,088
कुल फार्मा		381	357	381	390
कुल जोड़		320	310	343	341

ख. फार्मा और नॉन-फार्मा ग्रेड उत्पादों के पृथक्करण का जहां तक संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि केवल नॉन-फार्मा ग्रेड की आयात कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाता है। यह नोट किया है कि जांच अवधि (पीओआई) में चीन जन.गण., कोरिया गणराज्य, यूरोपीय संघ और जापान से उत्पाद का अधिकांशतः उत्पादन एवं निर्यात किया गया है। फार्मा और नॉन-फार्मा उत्पादों का ई.यू. से आयात होता है। फार्मा ग्रेड की कीमतें नॉन-फार्मा ग्रेड की कीमतों से अधिक होती हैं। आवेदक ने यह दावा किया है कि चीन जन.गण. के लिए

सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए ई.यू. से भारत को औसत निर्यात कीमत के बारे में विचार करना चाहिए। तथापि, अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए ईयू के बारे में विचार करना गलत है क्योंकि ईयू ऊंची कीमत पर फार्मा ग्रेड में लगभग 65 प्रतिशत विचाराधीन उत्पाद का निर्यात करता है और केवल 35 प्रतिशत तकनीकी ग्रेड का निर्यात करता है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी दावा किया है कि चूंकि चीन से केवल नॉन-फार्मा ग्रेड का ही आयात किया जाता है तथा फार्मा ग्रेड की कीमतें नॉन-फार्मा ग्रेड की कीमतों से अधिक होती हैं, इसलिए, सामान्य मूल्य एवं क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करने के लिए फार्मा और नॉन-फार्मा उत्पादों को अलग-अलग रखना चाहिए, चाहे घरेलू उद्योग दोनों का उत्पादन कर रहा हो। प्राधिकारी यह मानते हैं कि ईयू में लागत अथवा कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है क्योंकि ईयू में फार्मा ग्रेड की कीमतें अधिक हैं। यह भी नोट किया है कि चीन से अधिक आयात नॉन-फार्मा ग्रेडों के होते हैं। इसलिए केवल नॉन-फार्मा ग्रेड की आयात कीमत के आधार पर ही सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जाता है।

- ग. चीन और कोरिया गणराज्य के उत्पादकों के बीच में पाटन मार्जिन में अंतर का जहां तक संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के बीच अंतर पाटन मार्जिन होता है और इसलिए इसकी मात्रा, सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत दोनों पर निर्भर करती है।
- घ. कीमत के समायोजनों के बारे में घरेलू उद्योग के वास्तविक दावों के प्रकटन के लिए अनुरोध का जहां तक संबंध है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि अन्य प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा सूचित कीमत समायोजनों पर विचार करने के उपरान्त निर्यात कीमत का निर्धारण किया गया है। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए कीमत समायोजन की राशि पर प्राधिकारी ने विचार नहीं किया है।
- ङ. चीन के उत्पादकों के उत्पादन के कारकों के बारे में विचार करने का जहां तक संबंध है, प्राधिकारी यह मानते हैं कि सामान्य मूल्य का निर्धारण भारत में उत्पादन की लागत के आधार पर नहीं किया जाता है अपितु जापान से नॉन-फार्मा ग्रेड की कीमतों के आधार पर किया जाता है।
- च. भारत के लिए जापान से निर्यात कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण क्यों नहीं किया जा सकता है, इस बारे में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई औचित्य नहीं दिया है। इसके अलावा, चूंकि कोरिया गणराज्य संबद्ध देशों में से एक है, इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण कोरिया गणराज्य में लागत अथवा कीमत और कोरिया गणराज्य से निर्यात कीमत के आधार पर नहीं किया जा सकता है।

छ.3.1 सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण

चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य

चीन के उत्पादकों के लिए बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति

42. चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के संबंध में प्राधिकारी निम्नलिखित प्रासंगिक प्रावधानों को नोट करते हैं:-

“ 7. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयवधि प्रदान की जाएगी।”

8 (1) "गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश" वाक्यांश का अर्थ है कि ऐसा देश जिसे निर्दिष्ट प्राधिकारी लागत अथवा कीमत ढांचे के बाजार सिद्धान्तों को लागू नहीं करने वाले देश के रूप में मानते हैं, जिसके कारण ऐसे देश में पण्य वस्तुओं की बिक्रियों उप पैराग्राफ (3) में निर्दिष्ट मानदंडों के अनुसार वस्तुओं के सही मूल्य को नहीं दर्शाती है।"

(2) यह कहना पूर्वनुमान लगाना होगा कि कोई देश जिसे जांच के पूर्ववर्ती तीन वर्षों के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी अथवा डब्लू.टी.ओ. के किसी सदस्य के समक्ष प्राधिकारी द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश निर्धारित अथवा माना गया है, एक गैर- बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। तथापि, गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश या ऐसे देश से संबंधित फर्म निर्दिष्ट-प्राधिकारी को सूचना तथा साक्ष्य उपलब्ध कराकर इस परिकल्पना को समाप्त कर सकते हैं जो यह साबित करता हो कि ऐसा देश उप पैरा (3) में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर एक गैर बाजार अर्थ-व्यवस्था वाला देश नहीं है।

(3) निर्दिष्ट प्राधिकारी प्रत्येक मामले में निम्नलिखित मानदंड पर विचार करेंगे कि क्या: (क) ऐसे देश में कच्ची समग्रियों प्रौद्योगिकी लागत और श्रम, उत्पादन, बिक्रियों तथा निवेश सहित कीमतों, लागतों तथा निवेशों के संबंध में संबंधित फर्म का निर्णय आपूर्ति तथा मांग को दर्शाने वाले बाजार संकेतों तथा इस संबंध में किसी विशिष्ट राज्य हस्तक्षेप के बिना होता है और यह कि क्या मुख्य निवेशों की लागतें वास्तविक रूप से बाजार मूल्यों को दर्शाती हैं; (ख) ऐसी फर्मों की उत्पादन लागतों तथा वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर- बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली से उठाये गये विशिष्ट विरूपणों के अधीन होती है, खासकर ऋणों की प्रतिपूर्ति द्वारा परिसम्पत्तियों के मूल्यहास, अन्य बड़े खाते वस्तु विनियम व्यापार तथा ऋणों की क्षतिपूर्ति के जरिए तथा भुगतान के संबंध में; (ग) ऐसी फर्म दिवालियापन तथा सम्पत्ति कानून के अधीन होती है जो कि फर्मों के प्रचालन की कानूनी निश्चितता तथा स्थायित्व की गारंटी देता है; (घ) विनियम दर के परिवर्तन बाजार दर पर किये जाते हैं; तथापि, जहां इस पैराग्राफ में निर्दिष्ट मानदंड के आधार पर लिखित रूप में पर्याप्त साक्ष्य दर्शाया जाता है कि पाटनरोधी जांच के अधीन एक अथवा ऐसी अधिक फर्मों के लिए बाजार स्थितियां लागू होती हैं, निर्दिष्ट प्राधिकारी पैरा 7 तथा इस पैरा में निर्दिष्ट सिद्धान्तों के पैरा 1 से 6 में निर्दिष्ट सिद्धान्तों को लागू कर सकते हैं।

(4) उप पैराग्राफ (2) में किसी बात के होते हुए भी, निर्दिष्ट प्राधिकारी जो संगत मापदंड के अद्यतन विस्तृत मूल्यांकन के आधार पर ऐसे देश को बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मान सकते हैं जिसमें उप पैराग्राफ (3) में विनिर्दिष्ट मापदंड में किसी सार्वजनिक दस्तावेज में ऐसे मूल्यांकन का प्रकाशन शामिल हो, जिसे विश्व व्यापार संगठन के किसी सदस्य देश द्वारा पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माने जाने के लिए माना या निर्धारित किया हो।"

43. जांच शुरुआत के समय प्राधिकारी ने चीन को एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश मान कर कार्रवाई शुरु की थी। जांच शुरुआत करने पर प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के उत्पादकों/निर्यातकों को जांच शुरुआत के नोटिस का प्रत्युत्तर देने तथा सूचना उपलब्ध कराने की सलाह दी थी कि क्या उनके आंकड़ों/सूचना को सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए सवीकार किया जा सकता है। इस संबंध में प्रासंगिक सूचना उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकारी ने चीन में सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्रश्नावली भेजी थी।

44. डब्ल्यूटीओ में चीन के एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15 में निम्नानुसार प्रावधान है:

"क) जीएटीटी 1994 के अनुच्छेद- VI और पाटनरोधी करार के तहत कीमत तुलनात्मकता का निर्धारण करने में, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य या तो जांचाधीन उद्योग के लिए चीन की कीमतों अथवा लागतों का उपयोग करेंगे अथवा उस पद्धति का उपयोग करेंगे, जो निम्नलिखित नियमों के आधार पर घरेलू कीमतों या चीन में लागतों के साथ सख्ती से तुलना करने पर आधारित नहीं है:

(i) यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह दिखा सकते हैं कि समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग में उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां रहती है तो निर्यात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य मूल्य की तुलनीयता का निर्धारण करने में जांचाधीन उद्योग के लिए चीन के मूल्यों अथवा लागतों का उपयोग करेगा।

- (ii) आयातक डब्ल्यूटीओ सदस्य उस पद्धति का उपयोग कर सकता है जो चीन में घरेलू कीमतों अथवा लागतों के साथ सख्त अनुपालन पर आधारित नहीं है, यदि जांचाधीन उत्पादक साफ-साफ यह नहीं दिखा सकते हैं कि उस उत्पाद के विनिर्माण, उत्पादन और बिक्री के संबंध में बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां समान उत्पाद का उत्पादन करने वाले उद्योग हैं।
- (ख) एससीएम समझौते के पैरा II, III और V के अंतर्गत कार्यवाहियों में अनुच्छेद 14(क), 14(ख), 14(ग) और 14(घ) में निर्धारित राजसहायता को बताते समय एससीएम समझौते के प्रासंगिक प्रावधान लागू होंगे, तथापि, उसके प्रयोग करने में यदि विशेष कठिनाईयां हों, तो आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य राजसहायता लाभ की पहचान करने और उसको मापने के लिए तब पद्धति का उपयोग कर सकते हैं जिसमें उस संभावना को ध्यान में रखती है और चीन में प्रचलित निबंधन और शर्तें उपयुक्त बेंचमार्क के रूप में सदैव उपलब्ध नहीं हो सकती है। ऐसी पद्धतियों को लागू करने में, जहां व्यवहार्य हो, आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य के द्वारा चीन से बाहर प्रचलित निबंधन और शर्तों का उपयोग के बारे में विचार करने से पूर्व ऐसी विद्यमान निबंधन और शर्तों को ठीक करना चाहिए।
- (ग) आयात करने वाला डब्ल्यूटीओ सदस्य उप-पैरा (क) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को पाटनरोधी कार्य समिति के लिए अधिसूचित करेगा तथा उप पैराग्राफ (ख) के अनुसार प्रयुक्त पद्धतियों को कमिटी ऑन सब्सिडीज और काउंटर वेलिंग मैसर्स के लिए अधिसूचित करेगा।
- (घ) आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य को राष्ट्रीय कानून के तहत चीन ने एक बार यह सुनिश्चित कर लिया है कि यह एक बाजार अर्थव्यवस्था है, तो उप पैराग्राफ के प्रावधान (क) समाप्त कर दिए जाएंगे, बशर्ते आयात करने वाले सदस्य के राष्ट्रीय कानून में प्राप्ति की तारीख के अनुरूप बाजार अर्थव्यवस्था संबंधी मानदंड हो। किसी भी स्थिति में उप पैराग्राफ (क) (II) के प्रावधान प्राप्ति की तारीख के बाद 15 वर्षों में समाप्त होंगे। इसके अलावा, आयात करने वाले डब्ल्यूटीओ सदस्य के राष्ट्रीय कानून के अनुसरण में चीन के द्वारा यह सुनिश्चित करना चाहिए कि बाजार अर्थव्यवस्था की स्थितियां एक विशेष उद्योग अथवा क्षेत्र में प्रचलित हैं, उप पैराग्राफ (क) के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के प्रावधान उस उद्योग अथवा क्षेत्र के लिए आगे लागू नहीं होंगे।"
45. यह नोट किया जाता है कि यद्यपि अनुच्छेद 15(क)(ii) में दिए गए प्रावधान 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हो गए तथापि एक्सेसन प्रोटोकॉल के अनुच्छेद 15(क)(i) के अंतर्गत दायित्व के साथ पठित डब्ल्यूटीओ के अनुच्छेद 2.2.1.1 के अधीन प्रावधान में बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने संबंधी पूरक प्रश्नावली के प्रदत्त सूचना/आंकड़ों के ज़रिए नियमावली के अनुबंध I के पैरा 8 में निर्धारित मापदंडों को पूरा किया जाना अपेक्षित है। यह नोट किया जाता है कि वर्तमान निर्णायक समीक्षा जांच में चीन जन.गण. से किसी उत्पादक/निर्यातक ने बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा नहीं किया है। तदनुसार सामान्य मूल्य की गणना नियमावली के अनुबंध I के पैरा 7 के अनुसार निर्धारित करना अपेक्षित है।
46. आवेदक ने यह दावा किया है कि चीन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में मानना चाहिए तथा सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध-I के पैरा 7 के अनुसार किया जाना चाहिए। जांच अवधि (पीओआई) के दौरान चीन जन.गण., कोरिया गणराज्य, यूरोपीय संघ और जापान से उत्पाद का अधिकांशतः उत्पाद और निर्यात किया गया है। ई.यू. से फार्मा और नॉन-फार्मा उत्पादों का आयात होता है। फार्मा ग्रेड की कीमतें नॉन-फार्मा ग्रेड से अधिक होती हैं। आवेदक ने यह दावा किया है कि चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए ई.यू. से भारत को औसत निर्यात कीमत के बारे में विचार करना चाहिए। तथापि, अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने यह दावा किया है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए ईयू के बारे में विचार करना गलत है क्योंकि ईयू ऊंची कीमत पर फार्मा ग्रेड में लगभग 65 प्रतिशत विचाराधीन उत्पाद का निर्यात करता है और केवल 35 प्रतिशत तकनीकी ग्रेड का निर्यात करता है। हितबद्ध पक्षकारों ने यह भी दावा किया है कि चूंकि चीन से केवल नॉन-फार्मा ग्रेड का ही आयात किया जाता है तथा फार्मा ग्रेड की कीमतें नॉन-फार्मा ग्रेड की कीमतों से अधिक होती हैं, इसलिए, सामान्य मूल्य एवं क्षतिरहित कीमत का निर्धारण करने के लिए फार्मा और नॉन-फार्मा उत्पादों को अलग-अलग रखना चाहिए, चाहे घरेलू उद्योग दोनों का उत्पादन कर रहा हो।

47. बिक्री से संबंधित सामान्य और प्रशासनिक (एसजीए) खर्चों एवं उचित लाभ हेतु उचित समायोजन के साथ घरेलू उद्योग की उत्पादन की लागत के आधार पर जांच-शुरुआत के प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य की व्याख्या की गई थी। चीन से किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने स्वयं अपने आंकड़ों/सूचना के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए विहित फार्म और तरीके से सूचना उपलब्ध नहीं करायी है।
48. प्राधिकारी यह मानते हैं कि सामान्य मूल्य निर्धारण नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार किया जाना अपेक्षित होता है जो नीचे दिए अनुसार पढ़ा जाता है:

"गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में, उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तविक रूप से भुगतान किया गया अथवा भुगतान योग्य, आवश्यकतानुसार पूर्णतया समायोजित कीमत रहित, सामान्य मूल्य का निर्धारण तीसरे देश के बाजार अर्थव्यवस्था में कीमत अथवा परिकलित मूल्य के आधार पर अथवा भारत सहित ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव नहीं है, या किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। संबद्ध देश के विकास के स्तर तथा संबद्ध उत्पाद को देखते हुए निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा यथोचित पद्धति द्वारा एक समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश का चयन किया जाएगा और चयन के समय पर उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना पर यथोचित रूप से विचार किया जाएगा। बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी अन्य तीसरे देश के संबंध में किसी समयानुरूपी मामले में की जाने वाली जांच के मामले में जहां उचित हों, समय-सीमा के भीतर कार्रवाई की जाएगी। जांच से संबंधित पक्षकारों को किसी अनुचित विलंब के बिना बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के चयन के विशेष में सूचित किया जाएगा और अपनी टिप्पणियां देने के लिए एक समुचित समयावधि प्रदान की जाएगी।"

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में माने गए देश के लिए सामान्य मूल्य की नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार गणना की जानी अपेक्षित होती है। वर्तमान मामले में, अलग-अलग सामान्य मूल्य का दावा करने के लिए, चूंकि किसी भी निर्यातक ने इस संबंध में प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया है, इसलिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के तहत विकल्पों की खोज करने की आवश्यकता है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए पैरा 7 में अधिकारी तंत्र का निर्धारण होता है तथा यह प्रावधान है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण किसी बाजार अर्थव्यवस्था के तीसरे देश में कीमत अथवा निर्मित कीमत अथवा भारत सहित अन्य देशों के लिए ऐसे किसी तीसरे देश की कीमत के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां यह संभव नहीं है, तो किसी अन्य उचित आधार पर निर्धारण किया जाएगा। इसमें उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए विधिवत समायोजित करके यदि जरूरी हो, समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में भुगतान की गई अथवा देय कीमत शामिल होती है।
50. प्राधिकारी यह मानते हैं कि यूरोप में लागत अथवा कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है क्योंकि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने आवश्यक सूचना उपलब्ध नहीं करायी है तथा ई.यू. में फार्मा ग्रेड की कीमतें अधिक हैं। यह देखा गया है कि मुख्यतः नॉन फार्मा ग्रेड का आयात जापान से होता है और चीन से आयात किए जा रहे ग्रेड से इससे तुलना की जा सकती है। इसके अलावा, चीन से भी फार्मा ग्रेड के कुछ आयात होते थे, किसी मामले में, भारत के लिए जापान की निर्यात कीमत के बारे में विचार करना उपयुक्त होगा। यह नोट किया जाता है कि चीन से हुए आयातों की मात्रा की तुलना में जापान से काफी अधिक मात्रा में आयात हुए हैं तथा ये आयात जांच अवधि के दौरान हुए। इसके अलावा, उत्पादों का आयात न केवल पीओआई के दौरान हुआ, अपितु क्षति अवधि के दौरान भी हुआ है। इसके अतिरिक्त, यह भारत में भुगतान की गई अथवा देय कीमत को भी दर्शाता है। इसके दृष्टिगत प्राधिकारी यह मानते हैं कि भारत के लिए जापान की निर्यात कीमत के आधार पर चीन के बारे में सामान्य मूल्य का सबसे उपयुक्त तरीके से निर्धारण किया जा सकता है। चूंकि यह एक सीआईएफ निर्यात कीमत होती है, इसलिए इसका कारखानागत खर्चों से सीआईएफ खर्चों के लिए समायोजित किया गया है। अतः भारत के लिए जापान से सीआईएफ निर्यात कीमत से समुद्री माल-भाड़ा, समुद्री बीमा, बैंक प्रभारों, पत्तन व्यय, और अन्तर्देशीय माल-भाड़े जैसे खर्चों को काट करके कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। निर्धारित किए गए सामान्य मूल्य को नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

छ.3.2 चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत

शानडोंग डोंगयुई सिलिकॉन मैटिरियल कं. लि., चीन जन.गण. के लिए निर्यात कीमत

51. पीओआई के दौरान, शानडोंग डोंगयुई सिलिकॉन मैटिरियल कं. लि. ने ***अमरीकी डॉलर बीजक मूल्य का भारत के लिए ***एमटी के विचाराधीन उत्पाद का सीधे ही निर्यात किया है। शानडोंग डोंगयुई सिलिकॉन मैटिरियल कं. लि. ने समुद्री माल-भाड़ा, बीमा, अन्तर्देशीय परिवहन, पत्तन एवं अन्य संबंधित खर्चों, क्रेडिट व्यय, पैकिंग संबंधी व्यय और बैंक प्रभारों की वजह से समायोजन का दावा किया है तथा प्राधिकारी द्वारा इनकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, शानडोंग डोंगयुई सिलिकॉन मैटिरियल कं. लि., चीन जन.गण. के लिए कारखानागत स्तर पर निर्यात मूल्य का निर्धारण ऊपर बताए अनुसार किया गया है और इसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया है।

वाकेर केमिकल्स फ्यूम्ड सिलिका (झांगजियागोंग) कं. लि. और वाकेर केमिकल्स (चाइना) कं. लि. के लिए निर्यात कीमत

52. वाकेर ग्रुप [(क) वाकेर केमिकल्स फ्यूम्ड सिलिका (झांगजियागोंग) कं., लि. (उत्पादक); (ख) वाकेर केमिकल्स (चाइना) कं. लि. (निर्यातक) और (ग) वाकेर मेट्रोर्क केमिकल्स प्रा. लि. (संबद्ध प्रयोक्ता)] ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वाकेर केमिकल्स (चाइना) कं. लि. ने पीओआई के दौरान भारत के लिए वाकेर केमिकल्स फ्यूम्ड सिलिका (झांगजियागोंग) कं. लि. द्वारा विनिर्मित विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है।
53. यह नोट किया गया था कि वाकेर केमिकल्स (चाइना) कं. लि. ने भारत में असंबद्ध ग्राहकों के लिए ***यूएसडॉलर की कीमत के ***किग्रा. विचाराधीन उत्पाद का तथा भारत में एक संबद्ध प्रयोक्ता अर्थात् वाकेर मेट्रोर्क केमिकल्स प्रा. लि. के लिए ***यूएसडॉलर की कीमत के ***किग्रा. विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। प्राधिकारी ने यह नोट किया है कि वाकेर मेट्रोर्क केमिकल्स प्रा. लि. उत्पाद का उपयोग करती है तथा विचाराधीन उत्पाद की पुनः बिक्री नहीं करती है। असंबद्ध ग्राहकों के लिए प्रति यूनिट कीमत ***यूएसडॉलर प्रति किग्रा. थी और वाकेर मेट्रोर्क केमिकल्स प्रा. लि. के लिए ***यूएसडॉलर प्रति किग्रा. थी। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारत के लिए निर्यातों के लिए वाकेर केमिकल्स (चाइना) कं. लि. ने लाभ रिकॉर्ड किया है।
54. तदनुसार, प्राधिकारी ने संबद्ध और असंबद्ध दोनों ग्राहकों के लिए निर्यातों को ध्यान में रखते हुए कारखानागत निर्यात कीमत की गणना की थी। निवल बीजक मूल्य से प्राधिकारी ने समुद्री माल-भाड़े, बीमा, अन्तर्देशीय माल-भाड़े, पत्तन एवं अन्य संबंधित खर्चों, पैकिंग की लागत, क्रेडिट लागत तथा कमीशन की यथा सत्यापित कटौती की। तदनुसार, वाकेर केमिकल्स फ्यूम्ड सिलिका (झांगजियागोंग) कं. लि. के लिए कारखानागत स्तर पर निर्यात मूल्य का निर्धारण ऊपर बताए अनुसार किया गया है और इसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया है।

चीन जन.गण. से असहयोगी निर्यातक

55. चीन जन.गण. से अन्य निर्यातों के संबंध में निर्यात कीमत का नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के अनुसार निर्धारण किया गया है। यथा निर्धारित कारखानागत कीमत नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया है।

छ.3.3 कोरिया गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य

ओसीआई कंपनी लिमिटेड और यूएनआईडी ग्लोबल कारपोरेशन

56. ओसीआई कंपनी लिमिटेड, कोरिया गणराज्य में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में लगी हुई है और इसने घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की सीधे ही बिक्री की है। जांच अवधि के दौरान ओसीआई ने केवल असंबद्ध पक्षकारों के लिए ही घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। जब भारत के लिए किए गए निर्यातों के साथ तुलना करने पर घरेलू बिक्रियां पर्याप्त मात्रा में हैं। जांच अवधि के दौरान यह नोट किया गया था कि ओसीआई मुख्य तौर पर कच्चे माल, सिलिकॉन टेट्राक्लोराइड ("एसटीसी") का कैप्टिव तौर पर उत्पादन कर रही है जिसका विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में प्रयोग किया जाता है तथा इसे सह-उत्पाद के रूप में माना जा रहा है। चीन जन.गण. में प्रचलित बेंचमार्क कीमतों का उपयोग करते हुए ओसीआई के पोलिसिलिकॉन संयंत्र से विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में प्रयुक्त एसटीसी का अन्तरण किया जाता है। चीन जन.गण. वर्तमान जांच में संबद्ध देशों में से एक देश है तथा इसे गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना जा रहा है। इसलिए प्राधिकारी ने ओसीआई द्वारा दावा किए अनुसार कच्चे माल की कीमत को स्वीकार नहीं किया है और इसे घरेलू उद्योग की कच्चे माल की लागतों से बदल

दिया है। ओसीआई द्वारा यथा दावा की गई शेष सभी अन्य लागतों को स्वीकार कर लिया गया है। विचाराधीन उत्पाद की बिक्रियों की संशोधित लागतों के बारे में व्यापार परीक्षण की साधारण अवधि में विचार किया गया है।

57. लाभ कमाने की घरेलू बिक्रियों संबंधी लेन-देनों का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी ने यथा उपर्युक्त निर्धारित बिक्रियों की लागत का उपयोग करते हुए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु साधारण अवधि का व्यापार परीक्षण किया। यह नोट किया गया था कि ओसीआई ने केआरडब्ल्यू *** के कुल बीजक मूल्य वाली संबद्ध वस्तुओं की ***एमटी की बिक्री की है। यह नोट किया है कि ओसीआई ने घरेलू बाजार में भारी एवं पैक दोनों प्रकार की संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है जबकि इसने भारत के लिए संबद्ध वस्तुएं केवल पैक (बन्द) करके ही निर्यात की है। अतः स्पष्ट तुलना करने के लिए प्राधिकारी ने ओसीआई के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए केवल पैक हुई बिक्रियों को ही ध्यान में रखा है।
58. प्राधिकारी ने यह जांच की कि क्या लाभ कमाने वाले लेन-देन 80 प्रतिशत से अधिक हैं अथवा नहीं। यदि लाभ कमाने वाले लेन-देन 80 प्रतिशत से अधिक हैं, तो घरेलू बिक्रियों में सभी लेन-देनों के बारे में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए विचार करना होगा और जहां पर लाभ कमाने वाले लेन-देन 80 प्रतिशत से कम हों, ऐसे मामलों में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए केवल लाभ योग्य घरेलू बिक्रियों के बारे में ही विचार करना होगा। वर्तमान मामले में, लाभ कमाने वाले लेन-देन 80 प्रतिशत से अधिक थे और इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए समस्त घरेलू बिक्रियों के लेन-देनों पर विचार किया गया है। ओसीआई ने अन्तर्देशीय परिवहन, वेयरहाउस व्यय, क्रेडिट लागत और पैकिंग की लागत के लिए समायोजनों का दावा किया है और प्राधिकारी द्वारा इनकी अनुमति दे दी गई है। तदनुसार कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है तथा इसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

कोरिया गणराज्य से असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

59. कोरिया गणराज्य से सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कारखानागत स्तर पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है तथा इसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

छ.3.4 कोरिया गणराज्य के लिए निर्यात कीमत

ओसीआई कंपनी लिमिटेड और यूएनआईडी ग्लोबल कारपोरेशन के लिए निर्यात कीमत

60. पीओआई के दौरान ओसीआई ने भारत के लिए प्रत्यक्षतः तथा एक असंबद्ध कोरिया के व्यापारी नामतः यूएनडी ग्लोबल कारपोरेशन ("यूएनआईडी") के माध्यम से अप्रत्यक्ष रूप से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। ओसीआई और यूएनआईडी ने अपेक्षित प्रपत्रों में सभी प्रासंगिक सूचना उपलब्ध करायी है। प्रत्युत्तर से यह नोट किया है कि पीओआई के दौरान ओसीआई ने *** यूएसडॉलर के कुल बीजक मूल्य वाले ***एमटी संबद्ध वस्तुओं का भारत के लिए प्रत्यक्षतः निर्यात किया है। ओसीआई ने ***यूएडॉलर के कुल बीजक मूल्य वाले ***एमटी संबद्ध वस्तुओं का भारत के लिए प्रत्यक्षतः निर्यात किया है। ओसीआई ने ***यूएसडॉलर के कुल बीजक मूल्य वाले ***एमटी का यूएनआईडी के माध्यम से निर्यात किया है। ओसीआई ने अन्तर्देशीय माल-भाड़े, समुद्री माल-भाड़ा, पत्तन एवं अन्य संबद्ध खर्चों, विदेशी बीमा, सीमा शुल्क ब्रोकर शुल्क, पैकिंग संबंधी व्यय, क्रेडिट लागत, बैंक प्रभार एवं शुल्क वापस लेने (ड्राबैक) की वजह से समायोजनों का दावा किया है। अतः प्राधिकारी ने निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए केवल पैक करके की गई बिक्रियों को ही ध्यान में रखा है। यथा निर्धारित कारखानागत कीमत का ब्यौरा पाटन मार्जिन सारणी में दिया है।

छ.3.5 कोरिया गणराज्य से असहयोगी निर्यातक

61. कोरिया गणराज्य से असहयोगी निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर निर्यात कीमत की गणना की है तथा इसे नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है।

छ.3.6 पाटन मार्जिन

62. चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य से सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन नीचे पाटन मार्जिन सारणी में दर्शाया गया है:

पाटन मार्जिन तालिका

क्र.सं.	संबद्ध देश	सामान्य मूल्य	निर्यात कीमत	पाटन मार्जिन		
				राशि	%	रेंज
		(यूएसडा./एमटी)	(यूएसडा./एमटी)	(यूएसडा./एमटी)	(%)	(रेंज)
क	चीन जन.गण.					
1.	शानडोंग डोंगयुई सिलिकॉन मैटिरियल कं. लि.	***	***	***	***	50-60
2.	वाकेर केमिकल्स फ्यूम्ड सिलिका (झांगजियागेंग) कं. लि., वाकेर केमिकल्स (चाइना) कं. लि. और वाकेर मैट्रोर्क केमिकल्स प्रा. लि.	***	***	***	***	10-20
3.	अन्य सभी	***	***	***	***	60-70
ख	कोरिया गणराज्य					
1.	ओसीआई कंपनी लिमिटेड और यूएनआईडी ग्लोबल कारपोरेशन	***	***	***	***	2% से कम
2.	अन्य सभी	***	***	***	***	10-20

ज. क्षति और कारणात्मक संबंध का आकलन**ज.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार**

63. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं:-

- क. कोरिया गणराज्य और चीन जन.गण. से आयातों तथा घरेलू उद्योग को क्षति के बीच में कोई कारणात्मक संबंध नहीं है। क्षति, यदि कोई हुई है, तो वह अन्य कारकों की वजह से हुई है।
- ख. घरेलू उद्योग के निष्पादन तथा कोरिया गणराज्य से हुए निर्यातों के बीच कोई सह-संबंध नहीं है। कोरिया गणराज्य से आयातों में कोई बढ़ोतरी नहीं है और कोरिया गणराज्य से आयात नॉन फार्मा ग्रेड विचाराधीन उत्पाद के हैं।
- ग. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन और उत्पादन में सुधार हुआ है।
- घ. कीमत में कटौती प्रतिवादियों द्वारा निर्यातित नॉन-फार्मा ग्रेड तथा घरेलू उद्योग द्वारा बिक्री किए गए उत्पाद ग्रेडों (फार्मा ग्रेड और नॉन फार्मा ग्रेड) के बीच अन्तर का परिणाम है।
- ड. यह एक उद्योग-व्यापक ज्ञात तथ्य है कि नॉन-फार्मा ग्रेडों की तुलना में फार्मा ग्रेड की काफी अधिक कीमत पर बिक्री होती है।
- च. घरेलू उद्योग क्षमता में बढ़ोतरी होने तथा नियत लागत में परिणामतः बढ़ोतरी से पीड़ित हो रहा है।
- छ. बिक्री में गिरावट होना घरेलू कैप्टिव खपत में गिरावट होने के लिए उत्तरदायी है।

- ज. पर्याप्त बाजार भाग वाले गैर-संबद्ध देशों से आयातों को वर्तमान जांच के दायरे से बाहर नहीं करना चाहिए। पीओआई में विचाराधीन उत्पाद के कुल आयातों में जापान से 18.06 प्रतिशत तथा यूरोपीय संघ से 39.05 प्रतिशत आयात होते हैं। यह कोरिया गणराज्य के 6.44 प्रतिशत भाग से काफी अधिक है। जापान से आयातों की मात्रा में सराहनीय बढ़ोतरी हुई है।
- झ. घरेलू उद्योग द्वारा चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तुओं और कच्चे माल के आयातों के बारे में जांच होनी चाहिए।
- ञ. आधार वर्ष तथा पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में पीओआई के दौरान आयात समान स्तर पर रहे हैं।
- ट. यदि कम कीमत के आयातों से भारतीय बाजार में कीमत प्रतिबंध अथवा दबाव हो रहा था, तो गैर-संबद्ध देशों से जबरन आयात हुए होंगे या तीसरे देशों से आयातों में गिरावट हुई होगी।
- ठ. क्षति अवधि के दौरान कोरिया गणराज्य को छोड़कर आयात कुल आयातों के 93 प्रतिशत से अधिक हैं।
- ड. मांग में बढ़ोतरी होने से संबद्ध देशों से आयातों में बढ़ोतरी हुई है।
- ढ. अनट्रीटेड फ्यूमड सिलिका को खाद्य, एग्रो केमिकल्स और स्थानीय औषधीय क्षेत्रों में प्रिसीपिटेड सिलिका से बदला जा रहा है, जिसकी वजह से बिक्रियों में गिरावट हुई है।
- ण. आधार वर्ष 2016-17 की तुलना पीओआई के दौरान संबद्ध देशों तथा घरेलू उद्योग की कीमत की प्रवृत्ति में बढ़ोतरी हो रही है।
- त. भारत में सीमान्त प्रचालकों के विक्रय मूल्य कम स्तर के विपणन एवं की गई अतिरिक्त बिक्रियों को दर्शाते हैं।
- थ. भारत में आयातकर्ता द्वारा यथा अर्जित समग्र योगदान (बिना बिक्रियों की सीआईएफ कीमत) निरन्तर अधिक तथा उद्योग मानकों के अनुरूप रहा है।
- द. चीन जन.गण. से *** रु. के अद्यतन आयात सीआईएफ मूल्य सहित विचाराधीन उत्पाद की आयात कीमत में सिलिकॉन धातु की कीमतों में बढ़ोतरी होने से और अधिक बढ़ोतरी हुई है।
- ध. चीन जन.गण. से विचाराधीन उत्पाद की आयात कीमतों की प्रवृत्ति आवेदक के लिए सिलिकॉन धातु की आयात कीमत के साथ सीधे, सकारात्मक एवं लगभग पूर्ण सह-संबंध की दिशा में है।
- न. आवेदक के वित्तीय विवरणों का एक साधारण विश्लेषण स्पष्ट रूप से यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।
- प. आवेदक यह विनिर्दिष्ट करने में असमर्थ रहा है कि चीन जन.गण. की आयात कीमत के बारे में नियमावली के तहत यथा परिभाषित क्षति रहित कीमत (एनआईपी) के रूप में क्यों विचार नहीं किया जाना चाहिए।
- फ. समग्र उपस्कर दक्षमता के एक कार्य के रूप में घरेलू उद्योग पर प्रभाव के बारे में भी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा भी विचार करना चाहिए।
- ब. आवेदक ने ग्रेड, गुणवत्ता अथवा अनुप्रयोग को ध्यान में न रखते हुए यूरोपीय संघ की तुलना में चीन जन.गण. से अनट्रीटेड फ्यूमड सिलिका के आयात आंकड़ों को विकृत करने की कोशिश की है।
- भ. कच्चे-माल की कीमतों में गिरावट होने तथा बिक्री लागत में बढ़ोतरी होने के बावजूद आवेदक की उत्पादन लागत में बढ़ोतरी हो रही है, जबकि आयातकर्ता विचाराधीन उत्पाद की बढ़ती हुई कीमत का सामना कर रहे हैं।
- म. आवेदक का अधिक मूल्यह्रास हुआ है तथा क्षति अवधि के दौरान अधिक ब्याज लागत आयी है।
- य. केप्टिव खपत कैसे नकारात्मक हो सकती है, यह स्पष्ट नहीं है। यह ज्यादा से ज्यादा शून्य हो सकती है, परन्तु नकारात्मक नहीं हो सकती है।

- कक. आवेदक ने घरेलू उद्योग की क्षति के संचयी मूल्यांकन करने का अनुरोध किया है, लेकिन इसके लिए कोई प्रमाण और औचित्य देने में असफल रहा है।
- खख. बिक्रियों की लागत में गिरावट होने से आयात की कीमत में गिरावट हुई है। तथापि, बिक्रियों की लागत में हल्की-सी गिरावट होने के बावजूद बिक्रियों की वसूली स्थिर रही।
- गग. आवेदक ने क्षति एवं जांच अवधि के दौरान वर्ष-दर-वर्ष अच्छी वृद्धि दर्ज की है।
- घघ. संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान आवेदक को हानियां नहीं हुई हैं।
- ङ.ङ. औषधीय गुणवत्ता वाली बिक्रियों से घरेलू उद्योग की बिक्रियां अच्छी हुई और गैर-औषधीय गुणवत्ता के साथ जोड़ा नहीं जा सकता है।
- चच. जबकि चीन जन.गण. से आयातों की मात्रा में बढ़ोतरी हो रही है, परन्तु आवेदक का घरेलू बाजार में अधिकांश बाजार हिस्से पर नियंत्रण जारी है। घरेलू उद्योग के मात्रा संबंधी सूचक भी सकारात्मक हुए।
- छछ. घरेलू उद्योग ने यूएसए से संबद्ध वस्तुओं के आयात के बारे में तथा कुल आयातों के प्रतिशत के रूप में ऐसे आयातों के हिस्से के बारे में कोई कारण नहीं बताया है।
- जज. आवेदक ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की थी कि क्यों यह विकल्पों की उपलब्धता के बावजूद चीन जन.गण. से अपने प्रमुख कच्चे माल के आयात पर पूरी तरह से निर्भर है।
- झझ. याचिकाकर्ता कम्पनी की वार्षिक रिपोर्टों में बाजार वृद्धि, आन्तरिक समस्याओं और महामारी कोविड-19 के प्रभाव जैसे विषयों के बारे में याचिका में कहीं पर प्रतिबिम्बित नहीं किया गया है।
- ञञ. वर्ष 2021 में, सिलिकॉन धातु के बारे में वैश्विक स्तर पर कमी हुई जिससे विचाराधीन उत्पाद की कीमतों में बढ़ोतरी हुई और आयातों की औसत कीमत में बढ़ोतरी हुई तथा अधिकांश अनुप्रवाह अन्तिम प्रयोक्ता उद्योगों में लागत में काफी बढ़ोतरी होने की स्थिति का सामना कर रहे हैं।
- टट. चीन से सौदे-दर-सौदे के लगभग 53 प्रतिशत आयात आंकड़ों को अज्ञात, अनिश्चित अथवा गैर-विचाराधीन आंकड़ों के रूप में माना गया है।
- ठठ. अन्य सीमान्त प्रचालकों के साथ-साथ जयकैम मार्केटिंग का समग्र बाजार हिस्सा भारत में बाजार मांग में वास्तविक वृद्धि से अधिक नहीं होता है।
- डड. आवेदक द्वारा एप्पल-टू-एप्पल तुलना करने के लिए फार्मा ग्रेड और तकनीकी ग्रेड के लिए पाटन मार्जिन तथा क्षति मार्जिन के स्तर के बारे में अलग से दर्शाना चाहिए।
- ढढ. आवेदक के स्वयं अपने कथनों में विरोधाभास है। पैरा 29 ii (ख) में, आवेदक यह बताता है कि “जबकि उत्पाद की मांग में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई.....” जबकि पैरा 31 में आवेदक ने यह कहा है कि “संबद्ध वस्तुओं की मांग में 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है”।
- णण. आवेदक पीओआई के दौरान घरेलू बिक्रियों में कमी होने का दावा कर रहा है, लेकिन सम्पूर्ण ऑटोमोटिव उद्योग के लगभग रुक जाने के बारे में उल्लेख करने से असमर्थ हैं, जो संबद्ध विचाराधीन उत्पाद का एक वृहद अनुप्रवाह उपभोक्ता है।
- तत. घरेलू उद्योग 76 प्रतिशत से घटकर 50 प्रतिशत हो जाना किसी क्षति को नहीं दर्शाता है, अपितु एक मुक्त एवं खुली बाजार अर्थव्यवस्था की स्थापना को दर्शाता है।
- थथ. आवेदक का भारत में रसायन उद्योग के औसत की तुलना बिक्री की प्रतिशतता के रूप में अधिक लाभ लेना जारी है।
- दद. अप्रैल 2013 से 55 प्रतिशत से अधिक सीपीआई के बावजूद औषधीय उद्योग कम डब्ल्यूपीआई की वजह से औसतन 18 प्रतिशत तक ही अपनी कीमतों में बढ़ोतरी कर सका है।
- धध. वस्तुतः क्षति जांच का विश्लेषण करते समय प्राधिकारी द्वारा क्षति के कारकों और सूचकों की प्रवृत्ति की एण्ड-प्वाइंट से एण्ड प्वाइंट की तुलना करनी होती है।

ज.2 घरेलू उद्योग के विचार

64. क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किये गये अनुरोधों का सारांश नीचे दिया गया है:

- क. घरेलू उद्योग को विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण क्षति हुई है, जैसाकि आवेदन में निहित सूचना से देखा जा सकता है।
- ख. घरेलू उद्योग को हुई क्षति का आकलन संचयी आधार पर करना आवश्यक है।
- ग. संपूर्ण क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग अथवा प्रत्यक्ष खपत में वृद्धि हुई है।
- घ. संबद्ध देशों से आयातों की मात्रा में संपूर्ण रूप से क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। जिसमें उत्पाद की मांग में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है वहीं संबद्ध आयातों में 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।
- ङ. भारत में उत्पाद और खपत के संबंध में संबद्ध देशों से होने वाले आयात में, 2017-18 में आधार वर्ष से गिरावट आयी है और फिर जांच की अवधि तक बढ़ गई है।
- च. आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में भारी कटौती हो रही है।
- छ. बिक्री की लागत 2018-19 में आधार वर्ष से बढ़ी है और जांच अवधि में इसमें थोड़ी गिरावट आयी है जबकि बिक्री मूल्य 2017-18 में आधार वर्ष से घट गया है और उसके बाद जांच अवधि तक बढ़ गया है। संबद्ध देशों से आयात की बिक्री लागत और पहुंच कीमत की तुलना से पता चलता है कि आयातों की पहुंच कीमत संबंधित उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत के स्तर से काफी नीचे है। संबद्ध वस्तु की बिक्री कीमत उसकी लागत के अनुरूप नहीं बढ़ी है।
- ज. संबद्ध वस्तुओं का घरेलू उद्योग की कीमतों पर न्यूनीकरणकारी एवं ह्रासकारी असर पड़ा है।
- झ. संबद्ध आयात घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम कीमतों पर हैं, जिसके परिणामस्वरूप अत्यधिक कम कीमत पर बिक्री/क्षति अंतर हुआ है।
- ञ. घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के दौरान अपनी क्षमता में वृद्धि की है।
- ट. घरेलू उद्योग का उत्पादन शुरु में क्षमताओं में वृद्धि के साथ बढ़ा है लेकिन जांच की अवधि में इसमें गिरावट आयी है।
- ठ. घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में 2017-18 में आधार वर्ष से गिरावट आई है, 2018-19 में इसमें वृद्धि हुई है और जांच की अवधि में इसमें फिर से गिरावट आयी है।
- ड. जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में गिरावट आयी है। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा आधार वर्ष से 2018-19 तक बढ़ा है और जांच की अवधि में इसमें आधार वर्ष के स्तर से भी नीचे की ओर गिरावट हुई है। आयातों ने न केवल घरेलू उद्योग को अपने संभावित बाजार हिस्से को प्राप्त करने से रोका है बल्कि इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 76 प्रतिशत से गिरावट आकर यह केवल 46 प्रतिशत रह गया है।
- ढ. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान मालसूची में 123 प्रतिशत की वृद्धि हुई है और जांच अवधि के दौरान मांग सूची की धारण अवधि सबसे अधिक रही है।
- ण. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आधार वर्ष से 2017-18 तक काफी गिरावट आयी है और उसके बाद यह जांच अवधि तक बढ़ गई है। नकद लाभ और व्याज पूर्व लाभ में भी यही प्रवृत्ति देखी गई है। आधार वर्ष की तुलना में 2017-18 में निवेश पर प्रति लाभ में गिरावट आयी है और उसके बाद जांच की अवधि तक यह कम रही है।
- त. घरेलू उद्योग चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य से सस्ती कीमत के आयात के साथ प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम रहा है और आपूर्ति मूल्य को कम करने के लिए मजबूर है। इसलिए उसकी लाभप्रदता कम हो गई है और इससे उसमें चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य से सस्ती कीमत के आयात के लिए उसने अपना बाजार खो दिया है।

- थ. जांच की अवधि में मामूली गिरावट को छोड़कर पूरी क्षति अवधि के दौरान रोजगार स्थिर रहा है।
- द. पूरी क्षति अवधि के दौरान मजदूरी में वृद्धि हुई है, तथापि, मजदूरी केवल संबद्ध वस्तु के निष्पादन पर निर्भर नहीं है।
- ध. पीओआई में मामूली गिरावट को छोड़कर प्रतिदिन उत्पादकता और प्रति कर्मचारी उत्पादकता में पूरी क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।
- न. इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निष्पादन में गिरावट आयी है। मात्रा और कीमत दोनों मानकों ने जांच की अवधि में गिरावट को दर्शाया है।
- प. पाटन अंतर न केवल न्यूनतम से अधिक है बल्कि पर्याप्त भी है। घरेलू उद्योग पर पाटन का प्रतिकूल प्रभाव है।
- फ. घरेलू उद्योग ने हाल ही में अपनी उत्पादक क्षमता में वृद्धि की है। यदि संबद्ध देशों से संबद्ध आयातों का समाधान नहीं किया जाता है तो घरेलू उद्योग की पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता खतरे में पड़ जायेगी।
- ब. इस अवधि के दौरान कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि हुई है और आयात कीमतों में गिरावट आयी है।
- भ. इसमें कोई स्थिर खपत शामिल नहीं है और निर्मित उत्पादों को बाजार में बेचा जाता है। इस अवधि के दौरान उत्पन्न गुणवत्ता में दोषपूर्ण उत्पादों को स्थिर खपत के रूप में दिखाया गया है। ये बहुत नगण्य हैं और बिक्री मात्रा के (0.1 प्रतिशत से 0.2 प्रतिशत) के बीच है। स्थिर खपत नकारात्मक है क्योंकि आंकड़ों में स्थिर खपत के रूप में रिपोर्ट किये गए सी ग्रेड स्टॉक (गुणवत्ता में दोषपूर्ण उत्पादों) की खपत और शुद्ध उत्पादन एक दूसरे के उलट हैं। साल 2018-19 के दौरान घरेलू उद्योग ने सी ग्रेड के किलोग्राम स्टॉक को सामान्य अनुपचारित स्टॉक को पुनः संसाधित किया।
- म. कारणात्मक संबंध के लिए कानूनी आवश्यकता किसी कारणात्मक संबंध का होना है ना कि पाटित आयातों और क्षति के बीच किसी कारणात्मक संबंध का होना।
- य. शेष विश्व से आयात मूल्य उत्पादन के लिए प्रचलित कीमतों के प्रकार को दर्शाता है। यह भारत की तुलना में इन देशों में उच्च लागत का भी संकेत है।
- कक. याचिकाकर्ता के पास *** प्रत्यक्ष उपभोक्ता *** डीलर हैं। 10 डीलर बदले में अनेक उपभोक्ताओं को बेच रहे हैं। इतने बड़े उपभोक्ता आधार की व्यक्तिगत मूल्य प्रस्तुत करके और सौदेबाजी करके भरपाई नहीं की जा सकती। इसे केवल मूल्य सूचियों और उसी के आवेदन माध्यम से पूरा किया जा सकता है। घरेलू उद्योग ने अनेक ग्राहकों को खो दिया है जिन्होंने आयातों से मंगाना शुरू कर दिया है या बढ़ा दिया है।
- खख. पाटनरोधी समझौते और भारतीय पाटनरोधी नियमों के तहत कुल पाटित किए गए आयात का 3 प्रतिशत महत्वपूर्ण माना जाता है और प्रभावित घरेलू उद्योग पाटनरोधी कानून के तहत राहत की मांग कर सकता है। वर्तमान मामले में कोरिया गणराज्य से होने वाला आयात कुल आयात और मांग का महत्वपूर्ण हिस्सा है।
- गग. वार्षिक रिपोर्ट में निष्पादन विचाराधीन उत्पाद के निष्पादन का संकेत नहीं है क्योंकि आवेदक एक बहु-उत्पाद कंपनी है। आवेदक को उपचारित फ्यूम्ड सिलिकॉन में क्षति का सामना नहीं करना पड़ रहा है। वार्षिक गोपनीय रिपोर्ट दर्शाती है कि संबद्ध देशों के निर्यातकों द्वारा अनुचित मूल्य निर्धारण और जांच की अवधि में बाजार हिस्सेदारी में गिरावट के कारण लाभप्रदता में कमी आयी है। उल्लिखित की गई कंपनी का निष्पादन केवल मार्च 2020 के महीने में कोविड-19 लॉकडाउन के संबंध में है, ना कि संपूर्ण जांच अवधि के संबंध में।
- घघ. पीयूसी के प्रमुख कच्चे माल में से एक धातु कर्म ग्रेड सिलिकॉन है जो भारत में उपलब्ध नहीं है। चीन दुनिया में धातु कर्म ग्रेड सिलिकॉन का सबसे बड़ा उत्पादक है। एमजी सिलिकॉन के निर्यात करने वाले अन्य प्रमुख देश नार्वे, अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका हैं। आवेदक इन देशों से भी एमजी सिलिकॉन का निर्यात करता है।

- ड.ड. वर्ष 2021 जांच की अवधि नहीं है और मूल जांच होने के नाते, प्राधिकारी को विचाराधीन उत्पाद या कच्चे माल की कीमतों के लिए जांच की अवधि के बाद के आंकड़ों पर विश्लेषण करने की आवश्यकता नहीं है।
- चच. मांग घरेलू उद्योग की क्षमता से अधिक है जिसके बावजूद घरेलू उद्योग की बिक्री में कमी आयी है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग की कीमतों के लिए उत्तरदायी एक मात्र कारक उत्पाद की आयात कीमत है।
- छछ. आवेदन में उपलब्ध कराये आंकड़े यह सिद्ध करते हैं कि अन्य कारकों के कारण क्षति नहीं हुई है।
- जज. संबद्ध देशों का देश में जोने वाले आयात का 42 प्रतिशत हिस्सा है। इसके अलावा यूरोपीय संघ और जापान से आयात कुल आयात का 57 प्रतिशत हिस्सा है। तथापि यूरोपीय संघ और जापान से आयात ने केवल संबद्ध आयातों की तुलना में बहुत अधिक कीमतों पर है, बल्कि घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से भी अधिक है।
- झझ. मांग में संकुचन से घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है।
- ञञ. घरेलू उद्योग के निष्पादन को घरेलू और निर्यात परिचालन के बीच अलग किया गया है और निर्यात निष्पादन घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं हैं।
- टट. विचाराधीन उत्पाद के खपत पैटर्न में कोई बहुत बड़ा परिवर्तन नहीं हुआ है।
- ठठ. ऐसी कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक परिपाटी नहीं है जो घरेलू उद्योग की क्षति में योगदान कर सकती है।
- डड. विचाराधीन उत्पाद की उत्पादन प्रक्रिया में तकनीकी रूप से कोई महत्वपूर्ण विकास नहीं हुआ है। प्रौद्योगिकी में संभावित विकास घरेलू उद्योग की क्षति का कारण नहीं है।
- ढढ. उपलब्ध कराये गए आंकड़े केवल संबद्ध वस्तु के निष्पादन से संबंधित हैं। इसलिए जो क्षति हुई है उसके लिए घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों के निष्पादन को इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।
- णण. घरेलू उद्योग चीन जन.गण. में स्थिति आपूर्तिकर्ताओं से कच्चे माल का आयात करता है। ये आपूर्तिकर्ता घरेलू उद्योग से संबंधित नहीं हैं।
- तत. घरेलू उद्योग द्वारा कीमत में उठाई जा रही कमी का सामना पाटित आयातों के कारण हुआ है। जिसके परिणामस्वरूप लाभ, व्याज पूर्व लाभ, नकदी प्रवाह और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ में गिरावट आयी है।
- थथ. कम कीमत वाले पाटित आयातों के कारण कीमतों में काफी कमी हो रही है क्योंकि आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से काफी कम है।
- दद. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में कमी आयी है। हालांकि भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग बढ़ रही है।
- धध. संबद्ध देशों के उत्पादकों ने देश में अपनी मात्रा और बाजार को बनाये रखने के लिए कीमत कम की हैं। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने बाद भी अपना बाजार हिस्सा बनाये रखने से रोका गया है।

ज.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

ज.3.1 संचयी आंकलन

65. डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3 और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह प्रावधान है कि यदि जहां एक से अधिक देश से उत्पाद के आयात पाटनरोधी जांचों के अध्यक्षीन साथ-साथ रखे जा रहे हों, वहां प्राधिकारी ऐसे आयातों के प्रभाव का मूल्यांकन संचयी रूप से करेंगे, यदि वह निर्धारित करता है कि:

- क. प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में सिद्ध पाटन का मार्जिन 2 प्रतिशत से अधिक निर्यात की प्रतिशतता के रूप में व्यक्त है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात के 3 प्रतिशत (अथवा अधिक) है अथवा जहां अलग-अलग देशों का निर्यात 3 प्रतिशत से कम है, आयात सार्वजनिक रूप से समान वस्तु के आयात के 7 प्रतिशत से अधिक के लिए होता है, और

- ख. आयातों के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों के आलोक में उपयुक्त है।
66. यह सुनिश्चित करने के लिए कि आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तुओं के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति के आलोक में आयात के प्रभाव का संचयी मूल्यांकन उचित है, निम्नलिखित मापदंडों की जांच की गई है:
- क. विभिन्न पक्षों द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद समान वस्तु हैं और सम्पत्तियों में तुलनीय हैं।
- ख. रूप से उत्पाद और आयातित उत्पाद विनिमेय हैं।
- ग. घरेलू उत्पाद और आयातित उत्पाद के बीच और आयातित उत्पादों के बीच भी परस्पर प्रतिस्पर्धा है।
- घ. उपभोक्ता घरेलू सामग्री और आयातित सामग्री का परस्पर उपयोग कर रहे हैं और निर्यातक और घरेलू उद्योग ने एक ही उत्पाद को ग्राहकों के एक ही समूह को बेचा है।
- ड. संबद्ध देशों से आयात कीमत समान रूप से बढ़ी है।
67. प्राधिकारी नोट करते हैं कि:
- क. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं का भारत में पाटन किया जा रहा है। प्रत्येक देश से पाटन का अंतर नियमों के तहत निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है।
- ख. प्रत्येक संबद्ध देश से आयातों की मात्रा व्यक्तिगत रूप से आयातों की कुल मात्रा के 3 प्रतिशत से अधिक है।
- ग. आयात में अप्रभावी प्रभावों का संचयी मूल्यांकन उचित है क्योंकि संबद्ध देशों में एक ही निर्यात न केवल उनमें से प्रत्येक द्वारा प्रस्तुत समान वस्तुओं के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं बल्कि भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत समान वस्तुओं के साथ भी प्रतिस्पर्धा करते हैं।
68. उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी घरेलू उद्योग पर चीन जन.गण. और कोरिया गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के प्रभावों का संचयी रूप से आकलन करना उचित समझते हैं।
69. अनुबंध-II के साथ पठित नियमावली के नियम 11 में यह प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में “... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इस प्रकार के आयातों का परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए ...” घरेलू उद्योग को क्षति दर्शाने वाले कारकों की जांच शामिल होगी। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, इस बात की जांच करना आवश्यक माना गया है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में बहुत अधिक कटौती हुई है अथवा यह कि क्या इस प्रकार के आयातों के प्रभाव से अन्यथा कीमतों का बहुत अधिक मात्रा में ह्रास हुआ है अथवा कीमत में वृद्धि रूक जाती जो अन्यथा बहुत अधिक मात्रा में हुई होती। भारत में घरेलू उद्योगों पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, इन सूचकांकों जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो जैसे उत्पादन, क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, मालसूची, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की मात्रा और मार्जिन आदि पर विचार नियमावली के अनुबंध-II के अनुसार किया गया है।

ज.3.2 घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

क. मांग का मूल्यांकन/स्पष्ट खपत

70. वर्तमान जांच के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने भारत में उत्पाद की मांग या प्रत्यक्ष खपत को भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री और सभी स्रोतों से आयात के रूप में लिया है।

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई
1	घरेलू उद्योग की बिक्री	किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीब	100	123	130	120
2	अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्री	किग्रा.	-	-	-	-

3	संबद्ध देशों से आयात	किग्रा.	6,58,651	6,28,585	6,98,414	8,68,538
क	चीन जन.गण.	किग्रा.	5,58,171	5,19,600	6,31,204	7,35,418
ख	कोरिया गणराज्य	किग्रा.	1,00,480	1,08,985	67,210	1,33,120
4	अन्य देशों से आयात	किग्रा.	9,83,108	11,34,561	10,83,239	11,98,490
5	कुल मांग	किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	115	119	123

71. यह देखा गया है कि विचाराधीन उत्पाद की मांग में क्षति अवधि के दौरान लगातार वृद्धि हुई है।

ख. **संबद्ध देशों से आयात की मात्रा**

72. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी को यह विचार करने की आवश्यकता है कि क्या संबद्ध देशों से पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में किए गए उत्पादन या खपत के सापेक्ष में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। क्षति विश्लेषण के प्रयोजन के लिए प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त किए गए लेन-देन-वार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों की मात्रा का विश्लेषण निम्नानुसार किया गया है

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई
1	संबद्ध देशों से आयात	किग्रा.	6,58,651	6,28,585	6,98,414	8,68,538
क	चीन जन.गण.	किग्रा.	5,58,171	5,19,600	6,31,204	7,35,418
ख	कोरिया गणराज्य	किग्रा.	1,00,480	1,08,985	67,210	1,33,120
2	अन्य देशों से आयात	किग्रा.	9,83,108	11,34,561	10,83,239	11,98,490
3	कुल आयात	किग्रा.	16,41,759	17,63,146	17,81,653	20,67,028

73. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से आयात की मात्रा में 2017-18 में गिरावट आई और उसके बाद जांच की अवधि तक बढ़ गई। इसके अलावा, जांच की अवधि में वृद्धि काफी महत्वपूर्ण थी जबकि पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में मांग में केवल 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई, आयात की मात्रा में 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई। समग्र रूप से, जबकि मांग में 1,27,124 कि.ग्रा. की वृद्धि हुई। यह भी नोट किया जाता है कि कोरिया गणराज्य से एक मात्र प्रतिवादी उत्पादक निर्यातक के मामले में पाटन मार्जिन न्यूनतम है।

ग. **संबद्ध देश सापेक्ष दृष्टि से आयात करते हैं**

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई
	के संबंध में संबद्ध देशों से आयात					
1	भारत में कुल आयात	%	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	89	98	105
2	भारतीय उत्पादन	%	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	76	78	104
3	घरेलू बिक्री	%	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	78	81	110
4	खपत	%	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	83	89	107

74. यह देखा गया है कि:

- क. 2017-18 में सकल आयात के संबंध में संबद्ध देशों से आयातों में गिरावट आई और उसके बाद जांच की अवधि तक वृद्धि हुई।
- ख. घरेलू उद्योग के उत्पादन, खपत और बिक्री के संबंध में आयात में 2017-18 में गिरावट आई और उसके बाद पीओआई तक बढ़ गए।
- ग. जांच की अवधि में सकल आयात, उत्पादन, भारत में खपत और घरेलू उद्योग की बिक्री के संबंध में आयातों में वृद्धि जांच की अवधि में प्रचलित स्तरों से अधिक थी।

ज.3.3. पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

75. नियमों के अनुबंध-II (ii) के अनुसार, कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, यह विश्लेषण करने की आवश्यकता है कि क्या पाटित आयातों द्वारा कीमत में महत्वपूर्ण कटौती की गई है। भारत में समान उत्पाद, या क्या ऐसे आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों को कम करने या कीमतों में वृद्धि को रोकने के लिए है जो अन्यथा होता, सामान्य पाठ्यक्रम में एक महत्वपूर्ण डिग्री तक।

क. कीमत में कटौती

76. कीमत में कटौती के विश्लेषण के प्रयोजन के लिए, घरेलू उद्योग की निवल बिक्री कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयातों के पहुंच मूल्य से की गई है। घरेलू उद्योग के निवल बिक्री मूल्य की गणना करते समय, सभी करों, छूटों, छूटों और कमीशनों की कटौती की गई है और पूर्व कार्य स्तर पर बिक्री प्राप्ति की तुलना पाटित आयातों के पहुंच मूल्य से की गई है। तदनुसार, संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कम कटौती प्रभावों की गणना निम्नानुसार की गई है।

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	पीओआई		
			चीन जन.गण	कोरिया गणराज्य	संबद्ध देश
1	पहुंच कीमत	रु./किग्रा.	302	292	301
2	निवल बिक्री प्राप्ति	रु./किग्रा.	***	***	***
3	कीमत में कटौती	रु./किग्रा.	***	***	***
4	कीमत में कटौती	%	***	***	***
5	कीमत में कटौती	रेंज	10-20	20-30	20-30

77. यह देखा गया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमत जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम कीमत पर है। कीमतों में कटौती दोनों संबद्ध देशों के लिए सकारात्मक और महत्वपूर्ण है।

ख. कीमत न्यूनीकरण और ह्रास

78. यह निर्धारित करने के लिए कि क्या पाटित आयात घरेलू कीमतों को कम कर रहे हैं और क्या ऐसे आयातों का प्रभाव कीमतों को काफी हद तक कम करना है या कीमतों में वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा सामान्य स्थिति में होती। लागत और मूल्यों में क्षति अवधि के दौरान परिवर्तन की नीचे तुलना की गई है:

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई
1	बिक्री लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	109	109	112
2	बिक्री कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	94	105	106

3	संबद्ध देशों से औसत पहुंच कीमत	र./किग्रा.	264	268	325	310
		सूचीबद्ध	100	102	123	117

79. यह देखा गया है कि:

- क. संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की बिक्री लागत से कम थी।
 ख. जबकि क्षति अवधि के दौरान लागत और कीमत दोनों में वृद्धि हुई है।
 ग. जांच की अवधि में, कीमतें 2018-19 की तुलना में कम हैं।

ज.3.4 घरेलू उद्योग के आर्थिक मापदंड

80. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में यह प्रावधान है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में समस्त संगत आर्थिक कारकों और तत्वों जिनका घरेलू उद्योग की हालत पर प्रभाव पड़ता हो, जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता उपयोग में वास्तविक और संभावित गिरावट; वे कारक जो घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा पर प्रभाव डालते हों; नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव का वस्तुपरक और निष्पक्ष मूल्यांकन शामिल होना चाहिए। घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न क्षति मानदंडों पर यहां नीचे चर्चा की गई है। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अपने अनुरोधों में दिए गए विभिन्न तथ्यों और तर्कों को ध्यान में रखते हुए क्षति मानदंडों की वस्तुपरक रूप से जांच की है।

क. उत्पादन, क्षमता, बिक्री और क्षमता उपयोग

81. क्षति अवधि के दौरान उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग निम्न प्रकार है। चूंकि घरेलू उद्योग ने अनुपचारित फ्यूमड सिलिका के साथ-साथ उपचारित फ्यूमड सिलिका के उत्पादन के लिए उत्पादन सुविधाओं का उपयोग किया है, इसलिए प्राधिकारी ने व्यक्तिगत रूप से और उसके बाद सामूहिक रूप से घरेलू उद्योग के निष्पादन का मूल्यांकन किया है:

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई
1	स्थापित क्षमता संयंत्र	किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	146	146	151
2	उत्पादन मात्रा संयंत्र	किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	125	151	142
3	क्षमता उपयोग	%	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	85	103	94
4	उत्पादन मात्रा पीयूसी	किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	126	137	126
5	उत्पादन मात्रा एनपीयूसी	किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	104	313	324
6	बिक्री की मात्रा					
क	घरेलू	किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	123	130	120
ख	निर्यात	किग्रा.	-	-	***	-
		सूचीबद्ध	-	-	100	-
ग	स्थापित खपत	किग्रा.	***	***	(***)	***
		सूचीबद्ध	100	48	(55)	89

82. यह देखा गया है कि:

- क. घरेलू उद्योग ने वर्ष 2017-18 में और फिर जांच की अवधि में अपनी क्षमताओं में वृद्धि की। यह देखा गया है कि उत्पाद की मांग में काफी वृद्धि हो रही है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग की क्षमताएं देश में उत्पाद की मांग से कम हैं। बढ़ती क्षमताओं के साथ, घरेलू उद्योग आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में उत्पाद के लिए उच्च स्तर की मांग को पूरा करने में सफल रहा है।
- ख. अनुपचारित फ्यूमड सिलिका का घरेलू उत्पादन 2018-19 तक बढ़ा है, लेकिन जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई। तथापि, उपचारित फ्यूमड सिलिका का उत्पादन पूरी क्षति अवधि के दौरान बढ़ा। तथापि, जांच की अवधि में उत्पादन में गिरावट इतनी अधिक थी कि पूरी जांच की अवधि में संयंत्र के सकल उत्पादन में भी गिरावट आई। उत्पाद की मांग में वृद्धि के बावजूद अनुपचारित फ्यूमड सिलिका के उत्पादन में कमी आई है। इसके अलावा, उत्पादन में गिरावट क्षमता में वृद्धि के बावजूद देखी गई है।
- ग. 2017-18 में क्षमता उपयोग में गिरावट आई, 2018-19 में वृद्धि हुई और उसके बाद जांच की अवधि में गिरावट आई। 2017-18 में उत्पादन में वृद्धि हुई थी और क्षमता उपयोग में गिरावट मुख्य रूप से क्षमता में वृद्धि के कारण थी। हालांकि जांच अवधि में घरेलू उद्योग की क्षमता में बढ़ोतरी को नजरअंदाज किया गया है यह देखा गया है कि क्षमता उपयोग आधार वर्ष और उससे पिछले वर्ष, दोनों से कम था।
- घ. घरेलू बिक्री में 2018-19 तक लगातार वृद्धि हुई, लेकिन जांच की अवधि में मांग/खपत में वृद्धि के बावजूद काफी गिरावट आई। घरेलू उद्योग को पिछले वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में 10 प्रतिशत की गिरावट का सामना करना पड़ा। इस अवधि में मांग में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई और संबद्ध आयातों में 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई।
- ड. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा निर्यात और स्थापित खपत में प्रवृत्तियों की जांच की। यह देखा गया है कि 2018-19 को छोड़कर घरेलू उद्योग का कोई निर्यात नहीं था। इसके अलावा, स्थापित खपत और कुछ नहीं बल्कि अनुपचारित फ्यूमड सिलिका से उपचारित फ्यूमड सिलिका का प्रसंस्करण है। 2018-19 में नकारात्मक स्थापित खपत लेखांकन उपचार और कुछ स्थापित खपत के उलट होने के कारण है। हालांकि, अनुपचारित फ्यूमड सिलिका की स्थापित खपत 0.12 प्रतिशत (क्षति की अवधि के लिए संचयी) है।

ख. मांग में बाजार हिस्सा

83. घरेलू उद्योग एवं आयातों की बाजार हिस्सेदारी नीचे तालिका में दी गई है:

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई
1	घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	107	110	97
2	संबद्ध देशों से आयात	%	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	83	89	107
3	अन्य देशों से आयात	%	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	101	93	99
4	कुल मांग	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%
		सूचीबद्ध	100	100	100	100

84. यह देखा गया है कि:

- क. संबद्ध आयातों की बाजार हिस्सेदारी में 2017-18 में कमी आई तथा इसके बाद जांच की अवधि तक इसमें वृद्धि हुई। जांच की अवधि में संबद्ध आयातों का हिस्सा आधार वर्ष के मुकाबले अधिक था।
- ख. घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा 2018-19 तक बढ़ा तथा जांच की अवधि में इसमें काफी गिरावट आई। जांच की अवधि में घरेलू उद्योग का हिस्सा आधार वर्ष से कम था।

- ग. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट घरेलू उद्योग द्वारा क्षमता में वृद्धि के बावजूद है।
- घ. संबद्ध देशों से आयात बहुत अधिक हैं लेकिन वे क्षति नहीं पहुंचा रहे हैं क्योंकि संबद्ध देश से आयातों की तुलना में उनकी कीमत बहुत अधिक है।

ग. लाभ/हानि, नकदी प्रवाह, नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ

85. क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, निवेश पर प्रतिलाभ और नकद लाभ नीचे तालिका में दिया गया है:

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई
1	बिक्री की लागत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	109	109	112
2	विक्रय कीमत	रु./किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	94	105	106
3	कर पूर्व लाभ	रु./किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	37	88	83
4	कर पूर्व कुल लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	45	115	99
5	ब्याज पूर्व कुल लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	63	117	100
6	नकद लाभ	लाख रु.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	59	121	106
7	नियोजित पूंजी	लाख रु.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	237	188	203
8	नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ	%	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	27	62	49

86. यह देखा गया है कि:

- क. 2017-18 में घरेलू उद्योग के मुनाफे में काफी गिरावट आई है, जो 2018-19 में बढ़ा है तथा जांच अवधि में फिर से गिरावट आ गई।
- ख. 2017-18 में नकद लाभ और आरओसीई में काफी गिरावट आई, 2018-19 में वृद्धि हुई और इसके बाद जांच अवधि में गिरावट आई।
- ग. यहां तक कि जब जांच की अवधि में लाभ, नकद लाभ और आरओसीई में वृद्धि हुई तब भी यह जांच की अवधि में प्रचलित स्तर से नीचे थे।
- घ. जबकि आरओसीई में आई गिरावट को आंशिक रूप से नियोजित पूंजी में वृद्धि के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है, ब्याज से पहले लाभ समान स्तर पर बना हुआ है। इस प्रकार भले ही घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि मके दौरान नियोजित पूंजी को दुगना कर दिया हो, इसने समान स्तर का लाभ अर्जित किया है।
- ड. जबकि घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के दौरान अपनी क्षमता में वृद्धि की और परिणामस्वरूप क्षति अवधि के दौरान इसके उत्पादन और बिक्री में वृद्धि हुई, कर-पूर्व लाभ, ब्याज-पूर्व लाभ और नकद लाभ लगभग जांच की अवधि में उसी स्तर पर थे जो आधार वर्ष में प्रचलित थे। क्षति अवधि के दौरान घरेलू बिक्री में 20 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद, कर-पूर्व लाभ आधार वर्ष की तुलना में कम था, जबकि ब्याज-पूर्व लाभ लगभग समान स्तर पर था और नकद लाभ में 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

87. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि जहां घरेलू उद्योग ने लाभ में गिरावट का दावा किया है, वहीं इसकी वार्षिक रिपोर्ट लाभ में वृद्धि दर्शाती है। इसलिए प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद, अन्य उत्पादों और कंपनी के समग्र प्रचालनों के संबंध में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता की जांच की। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग केवल अनुपचारित फ्यूमड सिलिका और उपचारित फ्यूमड सिलिका के उत्पादन में लगा हुआ है। इसलिए वार्षिक रिपोर्ट इन दो उत्पादों के निष्पादन को दर्शाती है। कंपनी ने अपने समग्र संचालन और अनुपचारित फ्यूमड सिलिका के संबंध में जानकारी प्रदान की। इसलिए प्राधिकारी ने समग्र प्रचालनों के लिए घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच की और अनुपचारित फ्यूमड सिलिका और उपचारित फ्यूमड सिलिका को पृथक-पृथक किया। नीचे दी गई तालिका अनुपचारित फ्यूमड सिलिका और उपचारित फ्यूमड सिलिका के लिए लाभ/हानि दर्शाती है:

विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीजोआई
अनुपचारित फ्यूमड सिलिका	लाख रु. में	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	45	105	98
उपचारित फ्यूमड सिलिका	लाख रु. में	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	885	2464	5186
कंपनी के लिए कुल	लाख रु. में	***	***	***	***
	सूचीबद्ध	100	56	135	164

88. प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि जहां अनुपचारित फ्यूमड सिलिका के उत्पादन और घरेलू बिक्री में गिरावट आई है, वहीं उपचारित फ्यूमड सिलिका में वृद्धि हुई है। इस प्रकार यह देखा गया है कि अनुपचारित फ्यूमड सिलिका के निष्पादन में कमी आई है। जबकि उपचारित फ्यूमड सिलिका के निष्पादन में वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अनुपचारित फ्यूमड सिलिका समग्र उत्पादन का ***प्रतिशत से *** प्रतिशत बनाता है। इसके अलावा, उपचारित फ्यूमड सिलिका की तुलना में अनुपचारित फ्यूमड सिलिका की हिस्सेदारी में गिरावट आई है। अनुपचारित फ्यूमड सिलिका के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन वास्तविक रूप से प्रभावित हुआ है, जबकि उपचारित फ्यूमड सिलिका के लिए इसके निष्पादन में सुधार हुआ है, जिसमें कंपनी के प्रदर्शन में समग्र सुधार हुआ है।

घ. मालसूची

89. घरेलू उद्योग के पास क्षति अवधि के दौरान मालसूची की स्थिति तालिका में दी गई है:-

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीजोआई
1	प्रारंभिक स्टॉक	किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	70	90	85
2	शेष बचा स्टॉक	किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	129	121	226
3	औसत	किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	94	103	143

90. यह देखा गया है कि 2017-18 में घरेलू उद्योग के पास मालसूची में तेजी से गिरावट आई है तथापि उसके बाद जांच की अवधि तक मालसूची में काफी वृद्धि हुई। घरेलू उद्योग मालसूची के एकत्रित होने से पीड़ित है। जांच की अवधि के अंत में मालसूची 2018-19 की तुलना में 39 प्रतिशत अधिक थी।

ड. रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी

91. क्षति अवधि के दौरान रोजगार, उत्पादकता और मजदूरी के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन निम्नानुसार था:

क्र.सं.	विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई
1	कर्मचारियों की संख्या	संख्या	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	100	100	98
2	मजदूरी	लाख रु.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	103	100	125
3	प्रति दिन उत्पादकता	किग्रा./ दिन	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	125	151	142
4	प्रति कर्मचारी उत्पादकता	सं./किग्रा.	***	***	***	***
		सूचीबद्ध	100	125	151	144

92. यह देखा गया है कि क्षति अवधि के दौरान कर्मचारियों की संख्या स्थिर रही है, भेले ही क्षति अवधि के दौरान वेतन में वृद्धि हुई है और घरेलू उद्योग की उत्पादकता में क्षति अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

च. वृद्धि

	विवरण	यूनिट	2016-17	2017-18	2018-19	पीओआई
1	उत्पादन	%	-	26.26	8.30	(7.55)
2	घरेलू बिक्री मात्रा	%	-	22.94	6.01	(8.18)
3	क्षमता उपयोग	%	-	(14.96)	20.88	(8.39)
4	बिक्री लागत	%	-	8.98	0.00	2.71
5	विक्रय मूल्य	%	-	(5.77)	11.12	1.18
6	औसत स्टॉक	%	-	(5.78)	9.10	38.87
7	नकद लाभ	%	-	(40.91)	104.86	(12.04)
8	नियोजित पूंजी पर रिटर्न	%	-	(73.28)	133.32	(21.03)
9	ब्याज और कर पूर्व लाभ	%	-	(36.58)	84.77	(14.59)
10	बाजार में हिस्सेदारी	%				

93. यह देखा गया है कि विभिन्न ब्याज और कीमत मानकों के संबंध में घरेलू उद्योग की वृद्धि जांच की अवधि में नकारात्मक थी।

छ. पूंजी निवेश बढ़ाने की क्षमता

94. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने अपनी उत्पादन क्षमता में वृद्धि की है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग क्षति अवधि के दौरान लाभप्रद रहा है। यह देखा गया है कि पूंजी निवेश जुटाने की उसकी क्षमता के संबंध में घरेलू उद्योग का निष्पादन प्रभावित नहीं होता है।

ज. पाटन का परिमाण

95. यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तुओं को भारत में पाटित किया जा रहा है और चीन जन.गण. के मामले में पाटन मार्जिन सकारात्मक और महत्वपूर्ण है। तथापि कोरिया आरपी से एकमात्र सहयोगी उत्पादक-निर्यातक के मामले में मार्जिन न्यूनतम है।

झ. घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले कारक

96. संबद्ध देशों के आयात कीमतों की जांच, लागत संरचना में परिवर्तन, घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा अन्य कारक जो घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर सकते हैं, यह दर्शाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का पहुंच मूल्य काफी कम है। घरेलू उद्योग देश में उत्पाद का एकमात्र घरेलू आपूर्तिकर्ता है। गैर विषयक देशों से आयातों की पहुंच कीमत संबद्ध देशों से आयातों की पहुंच कीमत से काफी अधिक है और इसलिए घरेलू कीमतों को मानक नहीं किया जा सकता था। इस प्रकार यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमतें उद्योग की कीमतों को प्रभावित कर रही हैं।

ज.3.5 क्षति पर निष्कर्ष

97. संबद्ध वस्तुओं के आयातों और घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से पता चलता है कि क्षति अवधि के दौरान भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में आयातों की मात्रा में समग्र रूप से वृद्धि हुई है। आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। कीमत से कम पर बेचना सकारात्मक है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के आयातों के परिणामस्वरूप बाजार में कीमत ह्रास हुआ है।
98. जबकि इस अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता में वृद्धि हुई है। अनुपचारित फ्यूमड सिलिका के उत्पादन में जांच की अवधि में गिरावट आई है, जिससे उपचारित फ्यूमड सिलिका सहित सकल उत्पादन में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग की बिक्री, जो 2018-19 तक बढ़ रही थी, जांच की अवधि में घट गयी थी। संबद्ध आयातों का बाजार हिस्सा महत्वपूर्ण है। जबकि घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में 2018-19 तक वृद्धि हुई, इसमें जांच की अवधि में गिरावट आई है। घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में उत्पादन में गिरावट के परिणामस्वरूप कमी आई है। घरेलू उद्योग को कर-पूर्व लाभ, ब्याज पूर्व लाभ, क्षति अवधि के दौरान नकद लाभ के संबंध में नुकसान उठाना पड़ा है। पीयूसी द्वारा सृजित प्रति यूनिट लाभ आधार वर्ष की तुलना में काफी कम हुआ है। जिससे क्षति अवधि के दौरान नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ में उल्लेखनीय गिरावट आई है। पाटन अंतर और क्षति अंतर सकारात्मक और महत्वपूर्ण है। तथापि, कोरिया गणराज्य से एक मात्र उत्तर देने वाले उत्पादक-निर्यातक के मामले में पाटन अंतर न्यूनतम है।

ज.3.6 पाटन मार्जिन

99. प्राधिकारी ने यथा-संशोधित अनुबंध-III के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर घरेलू उद्योग के लिए एनआईपी का निर्धारण किया है। विचाराधीन उत्पाद के एनआईपी का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए तथा जांच की अवधि के लिए पेशेवर लागत लेखाकार द्वारा विधिवत् प्रमाणित उत्पादन की लागत से संबंधित सूचना/आंकड़ों को लेकर किया गया है। एनआईपी पर विचार क्षति मार्जिन की गणना करने के लिए संबद्ध देशों से पहुंच कीमत की तुलना करने के लिए की गई है। क्षति-रहित कीमत का निर्धारण करने के लिए, क्षति की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के कच्चे माल की सर्वोत्तम उपयोगिता पर विचार किया गया है। वही बर्ताव यूटिलिटी के साथ भी किया गया है। क्षति की अवधि के दौरान उत्पादन क्षमता के सर्वोत्तम उपयोग पर विचार किया गया है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि कोई असाधारण अथवा गैर-आवर्ती खर्च उत्पादन की लागत में नहीं जोड़ा गया था। विचाराधीन उत्पाद के लिए लगाई गई औसत पूंजी पर एक उचित लाभ (22 प्रतिशत की दर से कर-पूर्व) (अर्थात् औसत निवल निर्धारित परिसंपत्ति योग औसत कार्यशील पूंजी) की अनुमति इस नियमावली के अनुबंध-III में यथा-निर्धारित और अनुसरण की जा रही क्षति-रहित कीमत को तय करने के लिए कर-पूर्व लाभ के रूप में दी गई थी।
100. संबद्ध देशों के सहकारी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए आयातों की पहुंच कीमत उनके प्रश्नावली उत्तर के आधार पर निर्धारित की गई है। संबद्ध देशों के सभी असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी ने उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पहुंच कीमत का निर्धारण किया है।
101. ऊपर यथा-निर्धारित पहुंच कीमत और क्षति रहित कीमत के आधार पर उत्पादकों/निर्यातकों के लिए प्राधिकारी द्वारा क्षति मार्जिन निर्धारित किया गया है और इसे नीचे तालिका में दर्शाया गया है।

क्र.सं.	संबद्ध देश	गैर-क्षतिकारक कीमत	पहुंच मूल्य	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन
		(यूएसडा./ एमटी)	(यूएसडा./ एमटी)	(यूएसडा./ एमटी)	(%)	(रेंज)
क	चीन जन.गण.	***	***	***	***	20-30
1.	शानडोंग डोंगयुई सिलिकॉन मैटिरियल कं. लि.	***	***	(***)	(***)	(0-10)
2.	वाकर केमिकल्स फ्यूम्ड सिलिका (झांगजियागंग) कं. लि., वाकर केमिकल्स (चीन) कं. लि. और वाकर मेट्रोआर्क केमिकल्स प्रा. लि.	***	***	***	***	30-40
3.	अन्य सभी					
ख	कोरिया गणराज्य	***	***	***	***	10-20
1.	ओसीआई कंपनी लिमिटेड और यूएनआईडी ग्लोबल कारपोरेशन	***	***	***	***	20-30
2.	अन्य सभी	***	***	***	***	20-30

झ. गैर लाक्षणिक विश्लेषण

102. घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की क्षति, मात्रा और कीमत प्रभावों की मौजूदगी की जांच करने के बाद, प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों के अलावा किसी अन्य कारक के कारण हो सकती है, जैसा कि नीचे नियम में सूचीबद्ध है।

क. अन्य स्रोतों से आयात

103. बेल्जियम, चीन, जर्मनी, जापान और कोरिया से न्यूनतम स्तर से अधिक के आयात की सूचना मिली है। प्राधिकारी ने इनमें से प्रत्येक देश की मात्रा, औसत आयात कीमत और हिस्से की जांच की है।

मात्रा किग्रा. में

	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
बेल्जियक	2,17,320	2,42,900	1,24,000	1,04,000
चीन	5,58,171	5,19,600	6,31,204	7,35,418
जर्मनी	5,37,862	5,67,364	6,41,595	7,03,141
जापान	2,25,360	3,16,460	3,04,920	3,73,320
कोरिया	1,00,480	1,08,985	67,210	1,33,120

औसत कीमत रु./किग्रा.

	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
बेल्जियक	368	354	367	381
चीन	239	247	300	289
जर्मनी	378	353	384	393
जापान	338	307	320	332
कोरिया	280	266	326	292

हिस्सेदारी %

	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
बेल्जियम	13.24	13.78	6.96	5.03
चीन	34.00	29.47	35.43	35.58
जर्मनी	32.76	32.18	36.01	34.02
जापान	13.73	17.95	17.11	18.06
कोरिया	6.12	6.18	3.77	6.44

104. यह देखा गया है कि:

- प्रत्येक गैर विषयक देशों से आयात की कीमतें चीन और कोरिया से आयात कीमत से अधिक थी।
- चूंकि जांच अवधि के दौरान आयातों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, प्राधिकारी ने 2018-19 और जांच की अवधि के बीच संबद्ध और गैर विषयक देशों से कीमतों में प्रवृत्ति की जांच की। यह देखा गया है कि जहां संबद्ध देश से जांच की अवधि (2018-19 की तुलना में) में आयात कीमतों में गिरावट आई, वहीं गैर संबद्ध देशों से आयात कीमतों में वृद्धि हुई।

ख. मांग में वृद्धि

105. विचाराधीन उत्पाद की मांग, क्षति अवधि के दौरान बढ़ी है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में संबद्ध आयातों के मुकाबले बाजार हिस्सेदारी खो दी है और जांच की अवधि में इसके उत्पादन, घरेलू बिक्री और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। इस प्रकार क्षति, मांग में किसी संभावित संकुचन के कारण नहीं है।

ग. खपत के पैटर्न में परिवर्तन

106. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत के तरीके में किसी बदलाव का कोई सबूत नहीं है। इसके अलावा, अनुपचारित फ्यूमड सिलिका की मांग ने क्षति अवधि के दौरान वृद्धि दर्शाई है। घरेलू उद्योग ने क्षमताओं में वृद्धि की है और महत्वपूर्ण आयात गैर विषयक देशों से भी किये हैं। इसलिए, खपत के तरीके में संभावित परिवर्तनों का कोई सबूत नहीं है जिससे घरेलू उद्योग को कोई क्षति हो।

घ. व्यापार प्रतिबंधात्मक व्यवहार और विदेशी तथा घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा

107. कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा नहीं है, जो घरेलू उद्योग को क्षति में योगदान दे सकती थी। घरेलू उद्योग एकमात्र घरेलू उत्पादक है। इसके अलावा, महत्वपूर्ण आयात गैर विषयक देशों से होते हैं, वह भी एक से अधिक स्रोतों से। विभिन्न स्रोतों से आयात अलग-अलग कीमतों पर होता है। इस प्रकार, यह देखा गया है कि घरेलू बाजार में पर्याप्त प्रतिस्पर्धा है। संबद्ध देशों से आयात पाटित कीमतों पर पाए गए हैं।

ड. प्रौद्योगिकी में विकास

108. किसी भी हितबद्ध पक्ष ने प्रौद्योगिकी में महत्वपूर्ण परिवर्तन प्रदर्शित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है, जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हो। घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के दौरान पर्याप्त क्षमताएं बढ़ाई हैं।

च. निर्यात प्रदर्शन

109. यहां ऊपर जांच की गई क्षति सूचना केवल घरेलू उद्योग के घरेलू बाजार के संदर्भ में निष्पादन से संबंधित है। किसी भी मामले में, 2018-19 को छोड़कर, घरेलू उद्योग के पास निर्यात नहीं है। इस प्रकार, किसी क्षति को घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन के लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता।

छ. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों का निष्पादन

110. प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के निष्पादन से संबंधित आंकड़ों पर विचार किया है। इसलिए, उत्पादित और बेचे जाने वाले अन्य उत्पादों का निष्पादन घरेलू उद्योग की क्षति का संभावित कारण नहीं है।

ज. कारणात्मक संबंध की जांच

111. यह नोट किया जाता है कि नियमों के तहत सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारक यह नहीं दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को इन अन्य ज्ञात सूचीबद्ध कारकों के कारण क्षति हो सकती है। यह भी नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग को हितबद्ध पक्षकारों द्वारा पहचाने गए किसी अन्य कारक के कारण क्षति हुई है। प्राधिकारी ने जांच की कि क्या उत्पाद के पाटन से घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। निम्नलिखित मानदंड दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति पाटन आयातों के कारण हुई है।
- क. आयात घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे थे। इसके अलावा, कीमत में कटौती काफी महत्वपूर्ण है। परिणामस्वरूप, इस अवधि के दौरान आयातों की मात्रा में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।
 - ख. जबकि संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई, वहीं घरेलू बाजार की हिस्सेदारी में कमी आई है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि में बिक्री की मात्रा खो दी। इस प्रकार, घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में गिरावट के कारण है।
 - ग. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में कमी आयी है। परिणामस्वरूप, जांच की अवधि के दौरान इसके उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट आई जबकि मालसूची में उल्लेखनीय रूप से वृद्धि हुई।
 - घ. घरेलू उद्योग के प्रति इकाई लाभ में क्षति अवधि के दौरान आरओआई में गिरावट आयी।
 - ड. मात्रा और कीमत दोनों कारकों में जांच की अवधि में घरेलू उद्योग की वृद्धि नकारात्मक थी।
 - च. जांच की अवधि के दौरान संबद्ध आयातों में वृद्धि बाजार में उत्पाद की मांग में वृद्धि से कहीं अधिक थी। परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने बाजार हिस्सेदारी, बिक्री की मात्रा और परिणामस्वरूप उत्पादन और क्षमता उपयोग खो दिया।

ट. प्रकटन पश्चात अनुरोध**ट.1 अन्य हितबद्ध पक्षकारों के विचार**

112. अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात अनुरोध निम्नलिखित हैं:
- क. ओसीआई कंपनी लिमिटेड और यूनिड ग्लोबल कारपोरेशन के लिए निर्धारित पाटन मार्जिन 2% से कम है और प्राधिकारी अंतिम जांच परिणामों में इसकी पुष्टि करें। यदि कोई परिवर्तन है, तो प्राधिकारी को संशोधित प्रकटन विवरण जारी करना चाहिए और हितबद्ध पक्षकारों को टिप्पणियां प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करना चाहिए।
 - ख. ओसीआई के लिए परिकलित पाटन मार्जिन न्यूनतम है। इसलिए, ओसीआई के विरुद्ध जांच की तत्काल समाप्ति पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 5.8 और मेक्सिको - बीफ तथा चावल के संबंध में निश्चयात्मक पाटनरोधी उपाय में डब्ल्यूटीओ अपीलीय निकाय के आलोक में आवश्यक है।
 - ग. सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9क(6क) के अनुसार, सामान्य मूल्य का निर्धारण उत्पादक/निर्यातक द्वारा रखे गए रिकॉर्ड के आधार पर किया जाएगा। प्राधिकारी ने कच्ची सामग्री सिलिकॉन टेट्राक्लोराइड ("एसटीसी") के लिए सूचना की अनदेखी की है जिसका ओसीआई कैप्टिव रूप से उत्पादन कर रहा है। कंपनी द्वारा रखे गए वास्तविक रिकॉर्ड चीन जन. गण. में प्रचलित निर्धारित कीमतों को दर्शाते हैं, और चीन जन. गण. में एसटीसी की कीमतें उपयुक्त निर्धारक हैं। इसके अतिरिक्त, उनके द्वारा चीन जन. गण. से एसटीसी नहीं खरीदा जाता है और इसलिए, कच्ची सामग्री की लागत को इस आधार पर रद्द नहीं किया जा सकता कि चीन जन. गण. एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था है।
 - घ. प्राधिकारी फार्मा और गैर-फार्मा ग्रेडों के लिए अलग-अलग पीसीएन के संबंध में अपने निर्णय पर पुनर्विचार कर सकते हैं ताकि कीमतों की 'एक-एक करके' उचित तुलना सुनिश्चित की जा सके और फार्मा ग्रेड के विचाराधीन उत्पाद और गैर-फार्मा ग्रेड के विचाराधीन उत्पाद के बीच उचित तुलना के लिए पीसीएन पद्धति को अपनाया जा सके और फार्मा ग्रेड के विचाराधीन उत्पाद और गैर-फार्मा ग्रेड के विचाराधीन उत्पाद के लिए अलग-अलग पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन निर्धारित किया जा सके। प्राधिकारी की टिप्पणियां फार्मा ग्रेड और गैर-फार्मा ग्रेड के आयात आंकड़ों के साथ असंगत और समाधान योग्य नहीं हैं।

- ड. गैर-फार्मा ग्रेड, फार्मा ग्रेड के विचाराधीन उत्पाद से प्रतिस्पर्धा नहीं कर सकता। फार्मा और गैर-फार्मा ग्रेड वाले घरेलू उद्योग की आवश्यक क्षतिरहित कीमत के साथ केवल गैर-फार्मा ग्रेड वाले निर्यातों की पहुंच कीमत की तुलना अत्यधिक क्षति मार्जिन दर्शाएगी और वास्तविक स्थिति नहीं दर्शाएगी। प्राधिकारी सटीक जांच परिणाम पर पहुंचने के लिए क्षति का खंडित विश्लेषण (फार्मास्युटिकल और तकनीकी गुणवत्ता) करें और उचित आयातों को अनुचित रूप से दंडित न करें। उत्पाद मिश्रण में इस तरह के अंतर से (क) परिशुद्ध सामान्य मूल्य का परिकलन और मूल्यांकन तथा इसके परिणामस्वरूप पाटन मार्जिन, (ख) परिशुद्ध क्षतिरहित कीमत और क्षति मार्जिन का परिकलन और मूल्यांकन, (ग) मात्रा और कीमत प्रभाव और अन्य क्षति मानदंडों का मूल्यांकन और (घ) तथाकथित रूप से पाटित आयातों और दावा की गई क्षति के बीच एक कारणात्मक संपर्क का मूल्यांकन और सिद्ध करने में परिशुद्धता नहीं होती है।
- च. घरेलू उद्योग की निर्धारित लागतों में काफी वृद्धि से घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई। प्राधिकारी को आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संपर्क का मूल्यांकन करते समय उच्च निर्धारित लागतों और मूल्यहास के प्रभाव को नोट करना चाहिए। निर्धारित और मूल्यहास लागत में अचानक वृद्धि के कारण हुई हानियों के लिए आयात को दोष नहीं दिया जा सकता। प्राधिकारी ने इस बात की जांच नहीं की है कि जो हानियां हुई हैं, उन्हें निर्धारित लागत और मूल्यहास लागत में अचानक वृद्धि के लिए जिम्मेदार क्यों नहीं ठहराया जा सकता।
- छ. आवेदक का यह दावा कि अनट्रिटेड फ्यूमड सिलिका अन्य सिंथेटिक सिलिका से भिन्न है, असत्य सिद्ध हुआ है क्योंकि प्रिसिपिटेड सिलिका अधिकतर अनुप्रयोगों में सीधा विकल्प है। प्रिसिपिटेड सिलिका प्रकृति में भिन्न होते हुए भी, इसकी उत्पादन प्रक्रिया और अंतिम उत्पादों में समान गुणधर्म होते हैं और निचले स्तर के प्रयोक्ताओं को समान लाभ प्रदान करते हैं, जिसमें प्रिसिपिटेड सिलिका तुलना में काफी लागत प्रभावी होती है। ये सामान्य विशेषताएं उच्च मात्रा वाले उद्योगों जैसे एग्रीकेमिकल्स, सिलिकॉन रबर, खाद्य प्रसंस्करण उद्योग आदि में महत्वपूर्ण हैं।
- ज. आवेदक ने झूठा दावा किया है कि सूचना का सूचीबद्ध रूपांतर उपलब्ध नहीं कराया गया है। यह या तो इसलिए है क्योंकि आयातों से संबद्ध वास्तविक आंकड़ों को अगोपनीय माना गया है या सूचना लागत अथवा क्षमता उपयोग से संबद्ध नहीं थी।
- झ. विचाराधीन उत्पाद का आयात सीआईएफ मूल्य वर्तमान वर्ष में चीन जन. गण. से 355 रुपये है जो जापान से आयातों के सीआईएफ के आधार पर सामान्य मूल्य से अधिक है।
- ञ. जांच की अवधि से अब तक चीन जन. गण. से आयातों के लिए पहुंच कीमत में काफी वृद्धि हुई है।
- ट. आवेदक किसी भी पाटनरोधी शुल्क का एकमात्र लाभार्थी होगा और सभी निचले स्तर के उपभोक्ताओं को पहले से ही विद्यमान कीमत से अधिक कीमत में अनुचित वृद्धि झेलनी होगी।
- ठ. सभी निचले स्तर के उपभोक्ताओं के लिए एक समान विश्लेषण किया जाना चाहिए, जो वर्तमान में असुरक्षित और अनिश्चित आपूर्ति के अतिरिक्त दबावों एवं महीने-दर-माह व्यापक रूप से अलग-अलग मांग का सामना कर रहे हैं।
- ड. आवेदक द्वारा दिया गया प्रभाव विश्लेषण स्पष्ट रूप से पहले से ही कोविड दबावग्रस्त निचले स्तर के उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त भार का उल्लेख करता है। आपूर्ति श्रृंखला की लागत में भी काफी वृद्धि हुई है और प्रभाव विश्लेषण का उद्देश्य निचले स्तर के अंतिम प्रयोक्ताओं के लिए जनहित सुनिश्चित करना है।
- ढ. प्राधिकारी को संदर्भ कीमत अधिसूचित करते हुए परिवर्तनीय शुल्क पर विचार करना चाहिए। इस प्रकार, जे केम मार्केटिंग जैसे आयातकों को पाटनरोधी शुल्क का भुगतान नहीं करने का अवसर दिया जाएगा, बल्कि निर्धारित संदर्भ कीमत से अधिक आयात कीमत को सुनिश्चित और पालन करना होगा। प्राधिकारी पाटन अथवा पाटन के क्षतिकारक प्रभाव को दूर करने के लिए कीमतों में संशोधन करें।
- ण. शेडोंग डोंग्यू सिलिकॉन मैटेरियल कं. लिमिटेड ने कुल 24 लेनदेन का निर्यात किया है, जिसमें से 3 लेनदेन एफओबी पर हैं और शेष सीआईएफ के हैं। प्राधिकारी इन 3 एफओबी लेनदेनों के पहुंच मूल्य का परिकलन सीआईएफ मूल्य में परिवर्तित करने के बाद एफओबी मूल्यों में समुद्री भाड़ा और बीमा के काल्पनिक प्रभाव को जोड़कर करेगा जैसा कि डीजीटीआर के पास दायर शेडोंग डोंग्यू के परिशिष्ट-3क में दावा किया गया है।

- त. जलवायु नियंत्रण, स्वच्छता और अन्य विनिर्माण नयाचारों, जो हर समय प्रचालन में रहते हैं, के कारण फार्मास्युटिकल गुणवत्ता वाले विचाराधीन उत्पाद का विनिर्माण करने वाले संयंत्र की प्रचालन अथवा संचालन लागत काफी अधिक है।
- थ. चूंकि सामान्य मूल्य आयात के आंकड़ों पर आधारित होता है, अतः इसे उन आयात कीमतों के साथ भी प्रकट किया जाना चाहिए जिन देशों से सामान्य मूल्य के निर्धारण में शामिल किया गया है (चीन जन. गण. से मेलामाइन के मामले पर विश्वास किया गया)।
- द. क्षति विश्लेषण में केवल 'पाटित' आयातों और घरेलू उद्योग पर इसके प्रभाव का विश्लेषण होना चाहिए।
- ध. प्राधिकारी को किसी भी उपाय को लागू करने की सिफारिश नहीं करनी चाहिए क्योंकि वेकर केमिकल्स (चीन) कंपनी लिमिटेड, वेकर केमिकल्स फ्यूमड सिलिका (झांगजियागांग) कंपनी लिमिटेड और वेकर मेट्रोर्क केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए परिकलित क्षति मार्जिन नकारात्मक है।

ट.2 घरेलू उद्योग के विचार

113. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात अनुरोध निम्नलिखित हैं:

- क. विचाराधीन उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी उपाय लगाना घरेलू विनिर्माताओं के हित में होगा। इसके अतिरिक्त, यह उपभोक्ताओं और बड़े पैमाने पर जनहित में है कि एक प्रतिस्पर्धी घरेलू उद्योग उचित मूल्य के आयातों से प्रतिस्पर्धा में उत्पाद की आपूर्ति करने में सक्षम हो।
- ख. पाटनरोधी शुल्क लगाने का प्रयोजन संबद्ध देशों में उत्पादकों द्वारा किसी भी व्यापार विकृति को दूर करके और भारतीय उद्योग को निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा का अवसर देकर एक व्यापारिक क्षेत्र स्थापित करना है।
- ग. अंतिम उत्पादों पर शुल्क का प्रभाव बहुत कम है।
- घ. ओसीआई ने घरेलू बाजार में थोक और पैक दोनों रूपों में संबद्ध सामानों की बिक्री की है, जबकि उसने भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात केवल पैकड रूप में किया है। प्राधिकारी ने ओसीआई के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल पैकड बिक्री को ध्यान में रखा है। वर्तमान मामले में कोई पीसीएन तैयार नहीं किया गया है और ऐसी स्थिति में विभिन्न प्रकार के उत्पादों को अलग नहीं किया जा सकता।
- ङ. ओसीआई और यूनिड संबद्ध कंपनियां हैं। चूंकि बिक्री एक संबद्ध निर्यातक को की जाती है, अतः निर्यात कीमत का निर्धारण निर्यातक द्वारा स्वतंत्र क्रेताओं को उन सामानों की बिक्री कीमत एसजीए, उपयुक्त लाभ और संबद्ध निर्यातक द्वारा किए गए ब्याज जैसे उपयुक्त अतिरिक्त समायोजन करने के बाद किया जाना चाहिए।
- च. भारत ने कमतर शुल्क कानून अपनाने का विकल्प लिया। घरेलू उद्योग के विरुद्ध यह पहला नुकसान है। इस मामले में क्षतिरहित कीमत का निर्धारण (क) खर्चों की प्रमुख मदों के लिए विभाजन पद्धतियों में परिवर्तन और (ख) वैध व्यापारिक खर्चों की अनदेखी करके किया गया है। इससे अनुचित रूप से कम क्षतिरहित कीमत बनी है और परिणामस्वरूप क्षति मार्जिन हुआ।
- छ. प्राधिकारी द्वारा निर्धारित क्षतिरहित कीमत की समीक्षा की जाए, क्योंकि यह घरेलू उद्योग के वैध हितों की रक्षा के लिए बहुत कम है। आवेदक द्वारा सूचित उत्पादन लागत को प्राधिकारी द्वारा उसके लिए उचित औचित्य दिए बिना संशोधित किया गया है। इसके बावजूद, तथ्य यह है कि पाटनरोधी शुल्क के प्रयोजन के लिए सीओपी के परिकलन हेतु कंपनी द्वारा प्रयुक्त आवंटन पद्धति कंपनी द्वारा रखी गई लेखाबहियों के अनुसार थी और उसी आवंटन पद्धति का प्रयोग कंपनी द्वारा सामग्रीसूची मूल्यांकन के लिए किया गया था और सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा उसे स्वीकार भी कर दिया गया है।
- ज. यह बिक्री कीमत पद्धति ओवरहेड आवंटन को अत्यधिक विकृत कर देगी। दो उत्पादों की कीमत और किए गए ओवरहेड खर्चों के बीच कोई संपर्क नहीं है।
- झ. विशेष तदर्थ मुआवजा कर्मचारियों को दिए जाने वाले वेतन का एक संघटक है और इन कर्मचारियों के सीटीसी का भाग है।

- ज. नवंबर, 2019 के दौरान, कुछ उपस्कर संस्थापित किये गये थे और बहियों में पूंजीकृत किये गये थे। तथापि, क्षमता *** मी. टन तक बढ़ाने के लिए शेष क्रियाकलाप मार्च, 2021 में पूरे किए गए थे और 24.03.2021 को पूंजीकृत किए गए थे।
- ट. कंडेनसर का निर्माण हाई एंड मेटल्स से किया जाता है, और इसमें लंबी सुपुर्दगी अवधि लगती है। अतः, यह प्रणाली मार्च, 2021 में संस्थापित और शुरू की गई थी।
- ठ. यह शुल्क अमेरिकी डॉलर के संदर्भ में व्यक्त निर्धारित राशि के रूप में लगाया जाना चाहिए।

ट.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

114. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रकटन पश्चात अनुरोधों की जांच की है और नोट करते हैं कि यद्यपि अधिकतर टिप्पणियां पुनरावृत्ति की हैं जिनकी पहले ही उपयुक्त रूप से जांच की जा चुकी है और जांच परिणाम के संगत पैराओं में उन्हें पर्याप्त रूप से हल किया गया है, तथापि प्राधिकारी द्वारा संगत मानी गई सीमा तक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई प्रकटन पश्चात टिप्पणियों/अनुरोधों में उठाए गए मुद्दों की जांच नीचे की गई है:
- क. घरेलू उद्योग के इस दावे के संबंध में कि ओसीआई के लिए कारखानागत निर्यात कीमत का परिकलन करते समय संबद्ध व्यापारी के खर्च और लाभ को भी समायोजित किया जाना चाहिए, यह नोट किया जाता है कि संबद्ध व्यापारी के खर्च और लाभ को समायोजित करने की आवश्यकता तब है यदि प्राधिकारी भारतीय ग्राहकों को कारखानागत निर्यात कीमत निकालने के लिए संबद्ध व्यापारी की निर्यात कीमत को अपनाए। यदि प्राधिकारी उस कीमत को अपनाते हैं जिस पर उत्पादक ने संबद्ध व्यापारी को कारखानागत निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए सामानों की बिक्री है, तो व्यापारी के व्यय और लाभ को समायोजित करने की आवश्यकता नहीं है। उपर्युक्त दोनों पद्धतियों द्वारा निकाली गई कारखानागत कीमत अंततः समान होगी। वर्तमान मामले में, प्राधिकारी ने कारखानागत निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए ओसीआई से यूनिड को बिक्री कीमत अपनाई है और अतः कारखानागत निर्यात कीमत निकालते समय यूनिड द्वारा किए गए खर्चों और यूनिड के लाभ के लिए कोई समायोजन करने की आवश्यकता नहीं है। प्राधिकारी ने विधिवत जांच की है और नोट किया है कि यूनिड ने भारत को विचाराधीन उत्पाद के निर्यात के संबंध में कोई हानि नहीं उठाई है और इसलिए व्यापारी को हुई हानि के कारण किसी समायोजन की कोई आवश्यकता नहीं है।
- ख. घरेलू उद्योग के इस दावे के संबंध में कि प्राधिकारी को ओसीआई के लिए पाटन मार्जिन का परिकलन करने के लिए पैकड दर पैकड तुलना नहीं करनी चाहिए क्योंकि क्षतिरहित कीमत पैकड और थोक उत्पादों के लिए अलग से निर्धारित नहीं की गई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन के परिकलन के लिए क्षतिरहित कीमत का कोई संबंध अथवा प्रयोजन नहीं है। क्षतिरहित कीमत का प्रयोग क्षति मार्जिन निकालने के लिए किया जाता है। पाटन मार्जिन भारत को सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत की तुलना है। वर्तमान मामले में, ओसीआई ने घरेलू बाजार में थोक और पैकड दोनों रूपों में संबद्ध सामानों की बिक्री की है, जबकि उसने भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात केवल पैकड रूप में किया है। इसलिए, पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित उचित तुलना के सिद्धांतों को ध्यान में रखते हुए, ओसीआई के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए केवल पैकड बिक्री को ध्यान में रखने पर विचार करना प्राधिकारी के ऊपर है। यह भी प्राधिकारी की सतत प्रक्रिया के अनुसार है। चीन जन. गण., कोरिया गणराज्य और संयुक्त राज्य अमेरिका से "रबर केमिकल पीएक्स-13" के संबंध में हाल ही में की गई एक जांच में, प्राधिकारी ने कोरिया गणराज्य के सहयोगी उत्पादक/ निर्यातक के लिए पाटन मार्जिन का परिकलन करने के लिए यही दृष्टिकोण अपनाया है।
- ग. इस तर्क के संबंध में कि ओसीआई ने घरेलू बाजार में थोक और पैकड दोनों रूपों में संबद्ध सामानों की बिक्री की है, जबकि उसने भारत को संबद्ध सामानों का निर्यात केवल पैकड रूप में किया है, प्राधिकारी दोहराते हैं कि निष्पक्ष तुलना करने के लिए, उन्होंने ओसीआई के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु केवल पैकड बिक्री को ध्यान में रखा है।
- घ. इस तर्क के संबंध में कि निर्धारित क्षतिरहित कीमत अनुचित रूप से कम है जिसके कारण बहुत कम मार्जिन होता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियमावली के अनुसार प्राधिकारी को पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन

पर विचार करते हुए पाटनरोधी शुल्क की सिफारिश करने की आवश्यकता होती है। यदि निर्धारित क्षति मार्जिन पाटन मार्जिन से कम है, तो प्राधिकारी के लिए शुल्क की सिफारिश करते समय इस क्षति मार्जिन पर विचार करना अपेक्षित है।

- ड. क्षति रहित कीमत (एनआईपी) सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) और नियमावली के अनुबंध-III के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध सामानों के लिए उत्पादन लागत और निर्माण एवं बिक्री लागत के आधार पर निकाली गई है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। क्षतिरहित कीमत निकालने में असंगति के संबंध में, यह नोट किया जाता है कि क्षतिरहित कीमत का परिकलन नियमावली के तहत निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर किया गया है। विचाराधीन उत्पाद की क्षतिरहित कीमत का निर्धारण घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराई गई उत्पादन लागत से संबद्ध सूचना/आंकड़ों को अपनाकर किया गया है, जो कि प्रैक्टिसिंग लागत लेखाकार द्वारा विधिवत प्रमाणित हैं और जिनकी प्राधिकारी द्वारा जांच की गई है।
- च. इस तर्क के संबंध में कि फार्मा और गैर-फार्मा ग्रेड के लिए अलग-अलग पीसीएन होना चाहिए, प्राधिकारी दोहराते हैं कि प्रयुक्त कच्ची सामग्री अथवा फार्मा अथवा गैर-फार्मा ग्रेड के लिए शामिल उत्पादन/विनिर्माण प्रक्रिया में कोई अंतर नहीं है। दोनों के बीच एकमात्र बड़ा अंतर यह है कि फार्मा ग्रेड के लिए अधिक सख्त परीक्षण और उच्च विशिष्टियों की आवश्यकता होती है। तथापि, यह उत्पादन प्रक्रिया में किसी अंतर का परिणाम नहीं है। यह केवल गुणवत्ता परीक्षण का परिणाम है। फार्मा अथवा गैर-फार्मा ग्रेड की उत्पादन लागत में कोई वास्तविक अंतर नहीं है।
- छ. इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग की निर्धारित लागतों में काफी वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कारणात्मक संपर्क प्रावधान में निर्दिष्ट प्राधिकारियों को उनके कारणात्मक विश्लेषण के भाग के रूप में पाटित आयातों को छोड़कर उन सभी ज्ञात कारकों की जांच करने की आवश्यकता होती है जो पाटित आयातों के साथ-साथ घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा रहे हैं। प्राधिकारी ने यह सुनिश्चित किया है कि पाटित आयातों को छोड़कर अन्य ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति 'पाटित आयातों के कारण' नहीं है।
- ज. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि अधिकतर अनुप्रयोगों में प्रिसिपिटेटेड सिलिका विचाराधीन उत्पाद का प्रत्यक्ष विकल्प है, प्राधिकारी दोहराते हैं कि "प्रिसिपिटेटेड सिलिका" कई अनुप्रयोगों में "फ्यूमड सिलिका" का स्थान नहीं ले सकता और हितबद्ध पक्षकारों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि ये दोनों प्रकार के उत्पाद उनकी कार्यशीलता, विनिर्माण प्रक्रिया, कच्ची सामग्री, प्रकार्य और प्रयोग, उत्पादन प्रौद्योगिकी, संयंत्र और उपस्कर, लागत और कीमतों की दृष्टि समान उत्पाद हैं। यद्यपि अन्य सिंथेटिक सिलिका तरल चरण में सिलिकेट सॉल्यूशन से बनाए जाते हैं, तथापि फ्यूमड सिलिका बहुत उच्च तापमान पर गैस चरण में विनिर्मित की जाती है। आयात आंकड़ों से यह भी देखा गया है कि इन दो प्रकार के उत्पादों की कीमत में काफी अंतर है। उत्पाद का कोई विकल्प नहीं है। प्रिसिपिटेटेड सिलिका में शुद्धता कम होती है और यह फ्यूमड सिलिका की तुलना में कम दक्ष होती है। दोनों के बीच भारी अंतर है।
- झ. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि मैसर्स शेडोंग डोंग्यू सिलिकॉन मैटेरियल कं. लिमिटेड ने कुल 24 लेनदेनों का निर्यात किया है, जिनमें से 3 लेनदेन एफओबी आधार पर हैं और शेष सीआईएफ आधार पर हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने उत्तरदाता निर्यातकों द्वारा दावा किए गए समायोजनों के दावों पर विचार करते हुए एफओबी लेनदेनों को सीआईएफ कीमतों में उपयुक्त रूप से परिवर्तित किया है।

ठ. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

115. प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में उत्पाद के मूल्य स्तर प्रभावित हो सकते हैं। तथापि, पाटनरोधी उपाय लगाने से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी। इसके विपरीत, पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से पाटन परिपाटियों से प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त हो जाएंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट रुकेगी और संबद्ध सामानों के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद

मिलेगी। पाटनरोधी शुल्कों का प्रयोजन सामान्य रूप में पाटन की अनुचित व्यापारिक परिपाटियों से घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित की जा सके जो कि देश के सामान्य हित में है। अतः, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से किसी भी दशा में संबद्ध देश से आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

116. प्राधिकारी ने विचार किया है कि क्या पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से जनहित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। उसके लिए, प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या जांचाधीन उत्पाद के आयातों पर शुल्क लगाया जाना व्यापक जनहित के विरुद्ध होगा। यह निर्धारण घरेलू उद्योग, आयातकों और उत्पाद के उपभोक्ताओं सहित विभिन्न पक्षकारों के हितों और रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना पर विचार करने पर आधारित है।
117. प्राधिकारी ने आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों सहित सभी हितबद्ध पक्षकारों से विचार आमंत्रित करते हुए राजपत्र अधिसूचना जारी की। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के संबंध में संगत सूचना प्रदान करने के लिए प्रयोक्ताओं हेतु एक प्रश्नावली भी निर्धारित की है, जिसमें उनके प्रचालनों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के संभावित प्रभाव भी शामिल हैं। प्राधिकारी ने अन्य बातों के साथ-साथ विभिन्न देशों के विभिन्न आपूर्तिकर्ताओं द्वारा आपूर्ति किए गए उत्पाद की परस्पर परिवर्तनशीलता, घरेलू उद्योग की स्रोतों में जाने की क्षमता, उपभोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के कारण नई स्थिति में समायोजन बढ़ने अथवा विलंब होने की संभावना वाले कारकों से संबंधित सूचना मांगी।
118. तीन आयातकों अर्थात् मैसर्स जे केम मार्केटिंग, मुंबई, मैसर्स सीजेएस स्पेशियलिटी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड और मैसर्स वेकर मेट्रोर्क केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड ने प्राधिकारी द्वारा निर्धारित तरीके में प्रश्नावली का उत्तर दायर किया है। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच परिणाम और इन पक्षकारों द्वारा दायर प्रश्नावली के उत्तर में सभी हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों पर विचार किया है। यद्यपि, पक्षकारों ने तर्क दिया है कि प्रस्तावित पाटनरोधी शुल्क का व्यापक रूप से जनता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, लेकिन इनमें से किसी भी आयातक ने उपभोक्ताओं पर पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव को दर्शाने के लिए कोई सत्यापन योग्य सूचना प्रदान नहीं की है। इसके अतिरिक्त, इस संबंध में, प्राधिकारी दोहराते हैं कि पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी दशा में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए, उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।
119. यहां तक कि यद्यपि प्राधिकारी ने प्रयोक्ताओं के लिए पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव को निर्धारित करने के लिए प्रारूप निर्धारित किए हैं और विस्तार से बताया है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उन पर कैसे प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, यह नोट किया जाता है कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने संगत सूचना नहीं दी है। इस प्रकार, यह नोट किया जाता है कि हितबद्ध पक्षकारों ने सत्यापन योग्य सूचना के साथ प्रयोक्ता उद्योग पर पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव को सिद्ध नहीं किया है। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग ने उपभोक्ता उद्योग पर सिफारिश किए गए पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव की मात्रा निर्धारित की है और अनुरोध किया है कि प्रभाव बहुत कम है।
120. प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पाद मुक्त आयात श्रेणी के अंतर्गत है और इसलिए, विभिन्न देशों से स्वतंत्र रूप से आयात किया जा सकता है। पाटनरोधी उपाय लगाए जाने से संबद्ध देशों से आयात किसी भी दशा में प्रतिबंधित नहीं होंगे और इसलिए, उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। अतः, पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से न तो उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित होगी और न ही एकाधिकार सृजित होगा।
121. इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग जांच की अवधि में कम है और पूर्व वर्ष की तुलना में इसमें गिरावट आई है। घरेलू उद्योग में भारत में बहुत अधिक मात्रा में मांग को पूरा करने की क्षमता थी। तथापि, विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग के सामने अप्रयुक्त क्षमता की समस्या आई और संबद्ध आयातों की तुलना में घरेलू बाजार में उसका हिस्सा कमतर था।
122. यह नोट किया जाता है कि हितबद्ध पक्षकारों ने यह नहीं दर्शाया है कि संबद्ध सामानों की कीमतों ने उपभोक्ताओं को कैसे प्रतिकूल रूप से प्रभावित किया है। दूसरी ओर, घरेलू उद्योग ने यह दर्शाते हुए मात्रात्मक सूचना प्रस्तुत की है कि प्रयोक्ता उद्योग पर प्रस्तावित पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव बहुत कम होगा। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध

किया है कि अंतिम उत्पाद में विचाराधीन उत्पाद की लागत बहुत कम है और इसका अंतिम प्रयोक्ताओं पर लगभग कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस उत्पाद का प्रयोग मुख्य रूप से पेरसिटामोल (डोलो-650 मिलीग्राम), रेजिन - जेल कोट, इनेमल पेंट्स (उच्च चमक) और गरम मसाला/करी पाउडर के उत्पादन में किया जाता है। इन अंतिम उत्पादों पर निर्धारित पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव 1% से कम है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना से यह भी नोट किया जाता है कि पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव विचाराधीन उत्पाद के उपभोक्ताओं पर बहुत कम है और प्राधिकारी का यह मत है कि पाटनरोधी शुल्क लगाना जनहित में होगा।

123. इस प्रकार, यह नोट किया जाता है कि यद्यपि हितबद्ध पक्षकारों ने सत्यापन योग्य सूचना के साथ प्रयोक्ता उद्योग पर प्रस्तावित पाटनरोधी शुल्क के संभावित प्रतिकूल प्रभाव सिद्ध नहीं किया है, तथापि यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से संबद्ध सामानों का प्रयोग करने वाले विनिर्मित उत्पाद के कीमत स्तर प्रभावित हो सकते हैं, अंतिम उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क का प्रभाव बहुत कम होगा। इसके अतिरिक्त, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी उपाय से कम नहीं होगी, विशेषकर यदि पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित है। पाटनरोधी उपाय लगाए जाने का उद्देश्य घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को रोकने के लिए पाटन परिपाटियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ को समाप्त करना और संबद्ध सामानों के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में मदद करना है।

ड. निष्कर्ष एवं सिफारिशें

124. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों और उसमें उठाए गए मुद्दों की जांच करने और रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करने के बाद, प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि:

- क. घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित उत्पाद संबद्ध देशों से आयातित विचाराधीन उत्पाद की समान वस्तु है।
- ख. आवेदन पत्र में जांच की शुरुआत के प्रयोजन के लिए सभी संगत सूचनाएं निहित हैं और आवेदन पत्र में जांच की शुरुआत का औचित्य बनाने के लिए पर्याप्त साक्ष्य हैं।
- ग. संबद्ध सामानों के सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करते हुए संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण किया गया है और मार्जिन काफी है।
- घ. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है। संबद्ध उत्पाद के आयातों और घरेलू उद्योग के निष्पादन की जांच से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों की मात्रा में पूर्ण दृष्टि से काफी वृद्धि हुई है और वह घरेलू उद्योग द्वारा काफी क्षमता अभिवृद्धि तथा उसके उत्पादन में वृद्धि के बावजूद काफी अधिक रही। संबद्ध देशों से आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है। आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में ह्रास हो रहा है। जांच की अवधि में क्षमता उपयोग में गिरावट आई है और मालसूची में वृद्धि हुई है।
- ड. घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

च. पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से हितबद्ध पक्षकारों पर उसका प्रतिकूल प्रभाव कैसे पड़ेगा, इस संबंध में पाटनरोधी शुल्क के प्रभाव की मात्रा बताने और उसे विस्तार से बताने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को पर्याप्त अवसर प्रदान किए जाने के बावजूद किसी भी उपभोक्ता ने संभावित प्रतिकूल प्रभाव नहीं दर्शाया है। रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना यह दर्शाती है कि पाटनरोधी शुल्क न लगाये जाने से स्वदेशी उत्पादन प्रतिकूल और वास्तविक रूप से प्रभावित होगा, जबकि पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उपभोक्ता अथवा निचले स्तर के उद्योग अथवा व्यापक रूप से जनता पर वास्तविक रूप से प्रभाव नहीं पड़ेगा। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दी गई सूचना और की गई जांच के आधार पर प्राधिकारी का यह सुविचारित मत है कि पाटनरोधी शुल्क लगाना जनहित के विरुद्ध नहीं होगा।

125. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरू की गई थी और सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित की गई थी तथा घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क तथा प्रस्तावित उपायों के प्रभाव के पहलू पर सकारात्मक सूचना प्रदान करने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित प्रावधानों के अनुसार पाटन, क्षति और कारणात्मक संपर्क के संबंध में पाटन की जांच शुरू करने और जांच करने पर तथा पाटनरोधी शुल्क न लगाए जाने तथा लगाए जाने के प्रभाव की मात्रा

लेने पर प्राधिकारी का यह मत है कि पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना पाटन और क्षति को दूर करने के लिए आवश्यक है। प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध सामानों के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।

126. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए, प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन के कमतर के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं। तदनुसार, प्राधिकारी निम्नलिखित शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर केंद्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध सामानों के आयातों पर निम्नलिखित शुल्क तालिका के कॉलम 7 में उल्लिखित राशि के बराबर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने की सिफारिश करते हैं। इस प्रयोजन के लिए आयातों का पहुँच मूल्य सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के तहत सीमा शुल्क द्वारा निर्धारित और सीमा प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9, 9क के तहत लगाए गए शुल्कों को छोड़कर सीमा शुल्क के लागू स्तर के अनुसार निर्धारणीय मूल्य होगा।

शुल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्ष	विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	राशि	यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	28112200	अनट्रीटेड फ्यूमड सिलिका	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई भी देश	मैसर्स शानडोंग डोंगी सिलिकॉन मैटेरियल कं. लि.	1,018	मी. टन	अमे. डॉ.
2.	28112200	अनट्रीटेड फ्यूमड सिलिका	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई भी देश	वेकर केमिकल्स फ्यूमड सिलिका (झांगजियागांग) कं. लि.	शून्य	मी. टन	अमे. डॉ.
3.	28112200	अनट्रीटेड फ्यूमड सिलिका	चीन जन. गण.	चीन जन. गण. सहित कोई भी देश	क्रम सं. 1 और 2 को छोड़कर कोई अन्य उत्पादक	1,296	मी. टन	अमे. डॉ.
4.	28112200	अनट्रीटेड फ्यूमड सिलिका	चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य को छोड़कर कोई भी अन्य देश	चीन जन. गण.	कोई भी	1,296	मी. टन	अमे. डॉ.
5.	28112200	अनट्रीटेड फ्यूमड सिलिका	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	ओसीआई कंपनी लिमिटेड	शून्य	मी. टन	अमे. डॉ.
6.	28112200	अनट्रीटेड फ्यूमड सिलिका	कोरिया गणराज्य	कोरिया गणराज्य सहित कोई भी देश	क्रम सं. 5 को छोड़कर कोई भी उत्पादक	373	मी. टन	अमे. डॉ.
7.	28112200	अनट्रीटेड फ्यूमड सिलिका	चीन जन. गण. और कोरिया गणराज्य को छोड़कर कोई भी अन्य देश	कोरिया गणराज्य	कोई भी	373	मी. टन	अमे. डॉ.

ढ. आगे की प्रक्रिया

127. इस सिफारिश के कारण केंद्र सरकार के आदेश के विरुद्ध कोई अपील उपयुक्त मंच के समक्ष की जाएगी।

अनंत स्वरूप, नामित प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)
(DIRECTORATE GENERAL OF TRADE REMEDIES)

NOTIFICATION
FINAL FINDINGS

New Delhi, the 20th September, 2021

Case No. AD (OI)–35/2020

Sub. : Anti-dumping investigation concerning imports of “Untreated Fumed Silica” originating in and exported from China PR and Korea RP.

A. BACKGROUND OF THE CASE

F. No. 6/40/2020-DGTR.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time thereof,

1. The Designated Authority (hereinafter referred to as the “Authority”) received an application from M/s Cabot Sanmar Limited (hereinafter also referred to as “the applicant” or “the petitioner” or “the domestic industry”) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of anti-dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time (hereinafter also referred to as “the Rules” or “the AD Rules”) thereof for imposition of anti-dumping duty on the imports of “Untreated Fumed Silica” (hereinafter also referred to as “the product under consideration” or “the PUC” or “the subject goods”) from China PR and Korea RP (hereinafter also referred to as the “subject countries”).
2. And whereas, the Authority, on the basis of a duly documented application and sufficient prima-facie evidence submitted by the applicant, issued a public notice vide Notification No. 6/40/2020-DGTR dated 22nd September, 2020 published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with Rule 5 of the AD Rules to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries and to recommend the amount of anti-dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

B. PROCEDURE

3. The procedure described hereinbelow has been followed with regard to the investigation:
 - a. The Authority notified the Embassies of the subject countries in India about the receipt of the application before proceeding to initiate the investigation in accordance with Sub-Rule (5) of Rule 5 supra.
 - b. The Authority issued a public notice vide notification dated 22nd September, 2020, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating an anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods from the subject countries.
 - c. The Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the Rules.
 - d. The Authority sent a copy of the initiation notification to the Government of the subject countries, through their Embassies in India, known producers/exporters from the subject countries, known importers/users and the domestic industry as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within the prescribed time limit.
 - e. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Governments of the subject countries, through their Embassies in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
 - f. The Authority made available the non-confidential version of the evidence presented by the various interested parties. A list of all the interested parties was uploaded on DGTR’s website. Due to inaccessibility of the public file in the wake of global pandemic of COVID-19, all the

interested parties were asked to share the non-confidential version of all their submissions with all the other interested parties via emails.

- g. The Authority, upon requests, granted extension of time to the interested parties to file their response to the questionnaire as well as the submissions. The time limit was extended up to 16th December, 2020.
- h. The Authority sent Exporter's Questionnaire to the following known producers/ exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the AD Rules:
 - i. M/s Henan Xunyu Chemical Co., Ltd, China PR
 - ii. M/s Shandong Zhonghai New Material Group Co., Ltd, China PR
 - iii. M/s Guanzhou GBS High Tech & Industry Co Limited, China PR
 - iv. M/s Keysu Industrial Co. Ltd, Korea RP
- i. In response to the initiation of the subject investigation, the following exporters/producers have filed the exporter's questionnaire response, and made submissions during the course of the investigation:
 - i. M/s Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd., China PR
 - ii. M/s Wacker Chemicals Fumed Silica (Zhangjiagang) Co. Ltd, China PR
 - iii. M/s Wacker Chemicals (China) Co Ltd, China PR
 - iv. M/s OCI Company Ltd, Korea RP
 - v. M/s UNID Global Corporation, Korea RP
- j. The Embassies of the subject countries in India were also requested to advise the exporters/producers from their respective countries to respond to the questionnaire within the prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the known producers/exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject countries.
- k. The Authority sent questionnaire to the following known importers or users of subject goods in India, calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:
 - i. M/s Aay Cee Enterprises
 - ii. M/s Adinath Healthcare
 - iii. M/s Amit Trading company
 - iv. M/s B.P Chemicals
 - v. M/s H.R. Organo Chem Pvt Ltd.
 - vi. M/s Jaychem Marketing
 - vii. M/s K.P. Manish Global ingredients Pvt Ltd.
 - viii. M/s Kenda Farben India Pvt. Ltd.
 - ix. M/s Keshav Hichem Pvt. Ltd.
 - x. M/s Nikeon Corporation
 - xi. M/s Nisha Chemicals
 - xii. M/s Prakash Chemicals Pvt. Ltd.
 - xiii. M/s Uma Chemicals
 - xiv. M/s Zydex Industries
- l. In response to the initiation of the subject investigation, the following importers/users have responded by filing questionnaire response, and made submissions during the course of the investigation:
 - i. M/s Jay Chem Marketing, Mumbai

- ii. M/s CJS Specialty Chemicals Private Limited
- iii. M/s Wacker Metroark Chemicals Pvt Ltd
- m. The Period of Investigation ("POI") for the purpose of the present investigation is from 1st April, 2019 to 31st March, 2020 (12 months). The injury analysis period covers 1st April, 2016 – 31st March, 2017; 1st April 2017 – 31st March 2018; 1st April 2018 – 31st March, 2019 and the POI.
- n. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide the transaction-wise details of imports of the subject goods for the past three years, and the period of investigation, which was received by the Authority. The Authority has relied upon the DGCI&S data for computation of the volume and price of the imports.
- o. The non-injurious price (NIP) was determined based on the optimum cost of production and the cost to make and sell the subject goods in India as per the information furnished by the domestic industry and in accordance with Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules. Such non-injurious price has been considered to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry.
- p. Due to the worldwide outbreak of COVID-19 pandemic and consequent restrictions of movement imposed by different countries, including India, the physical inspection through on-the-spot verification of the information was not carried out. Desk verification of the information provided by the applicant/producers/exporters, to the extent deemed necessary, was carried out. Only such verified information, with necessary rectification, to the extent deemed necessary, has been relied upon for the purpose of this final findings.
- q. In accordance with Rule 6(6) of the AD Rules and Trade Notice No. 01/2020 dated 10th April, 2020, the Authority conducted an oral hearing through video conferencing on 27th May, 2021 to provide opportunity to the interested parties to present relevant information orally before the Authority. All the parties that attended the public hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinders, if any. They were also advised to share the non-confidential versions of their submissions with the other parties by email. The arguments made in such written submissions and rejoinders received from the interested parties have been considered, to the extent deemed necessary, for the purpose of this investigation.
- r. The information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to the sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered as confidential and not disclosed to the other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
- s. In accordance with the Rules, the Authority disclosed the essential facts of the case that would form the basis of its findings in the form of a disclosure statement on 1.09.2021 and the interested parties were allowed time up to 7.09.2021 to comment on the same. The comments of the interested parties, to the extent relevant, have been considered by the Authority and have been addressed in this finding.
- t. Wherever an interested party has refused access to or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority has considered such parties as non-cooperative and recorded the final findings on the basis of the facts available.
- u. '***' in the final findings represents information furnished by an interested party on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules.
- v. The exchange rate for the POI has been taken by the Authority as US\$1 = Rs. 71.65.

C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE

4. At the stage of the initiation, the product under consideration was defined as follows:

"3. The product under consideration in the application is "untreated fumed silica". Synthetic silica manufactured from a vapour phase flame hydrolysis of a silane compound, is popularly

known as fumed silica. This type of synthetic silica is different from other silica by its functionality and manufacturing process and the raw materials needed. While other synthetic silicas are made from silicate solution in a liquid phase, fumed silica is manufactured in a gas phase at a very high temperature.

4. Fumed silica is classified as untreated fumed silica and treated fumed silica. Untreated fumed silica is made by the flame hydrolysis of Chlorosilane feedstock in an oxygen hydrogen flame at temperatures of 1800 deg C. This process allows production of the silica with unique structure comprising of chain like aggregates and agglomerates.

5. Untreated fumed silica has a large specific surface area. Depending upon its surface area values such as 150 or 200 or 300 or 380 m² gm the untreated fumed silica is classified as different grades suitable for different applications. The most popular grade is 200m² gm, used in variety of applications.

6. It is free-flowing powdered product, used for wide applications. Untreated Fumed Silica improves free flow properties in solid systems and used as free flow and tableting agent in pharmaceuticals and an anti-caking agent in foods and agrochemicals. It is also used as a carrier for liquid flavours and fragrances. Product concerned is solid in terms of net weight expressed in terms of kg or MT.

7. Fumed Silica or Silicon di-oxide is classified under Chapter 28, subheading 28112200. The untreated fumed silica being imported into India under different HS codes also under subheading 28112190, 2839100 of Chapter 28 and 34049090 of Chapter 34 of the Customs tariff Act, 1975. Customs classification is only indicative in nature and not binding on the scope of the investigation."

C.1 Views of the other interested parties

5. The following submissions have been made by the other interested parties regarding the product under consideration and the like article
 - a. The PUC can easily be substituted by precipitated silica in agro chemicals as a filler, and by precipitated silica, stearates, tri calcium phosphates, sodium silicate in food industry as anticaking agent and by precipitated silica in the pharmaceutical industries.
 - b. The responding exporters have not produced or exported pharma grade PUC to India.
 - c. The varieties of the PUC sold by the domestic industry are neither directly comparable nor fully interchangeable with those sold by the responding exporters.
 - d. Contrary to the claim of the domestic industry in the hearing, grade N20p is not pharma quality. The suffix "p" denotes that the material is packed and not that the material is of pharmaceutical quality.
 - e. A single digit PCN/segment be introduced in the present case to differentiate between pharma and non-pharma/technical quality.
 - f. The import segregation methodology provided by the domestic industry shows that it has included grades of hydrophobic fumed silica (treated fumed silica), that is PM-09L and PM-20L.
 - g. In segregating imports, the domestic industry has treated AERODISP W 7520, SIPERNAT 310, MSP-005 as imports of product under consideration, whereas these do not relate to the subject goods.
 - h. The domestic industry has considered the terms SIO2 and Unidentified as those relating to product under consideration, whereas such terms may be either treated or untreated fumed silica.
 - i. No PCN methodology is required to be considered in the present case.
 - j. As per the domestic industry's own admission, the pharmaceutical quality PUC undergoes stringent testing; is of a higher specification and is held to be of higher standards.
 - k. The operating or running cost of a plant manufacturing pharmaceutical quality PUC is significantly higher as compared to the technical grade.

1. Pharma grade PUC cannot be produced at a plant that has authorization to produce only technical grades.

C.2. Views of the domestic industry

6. The following submissions have been made by the domestic industry regarding the product under consideration and the like article:
 - a. The product under consideration in the present investigation is “Untreated Fumed Silica”. Untreated fumed silica and treated fumed silica are two types of fumed silica and are also known as “Colloidal Silicon Dioxide”/ “Fumed Silicon Dioxide”.
 - b. The product is mainly used for pharma and non-pharma applications. However, there is no difference in the raw material or the production/manufacturing process of the product under consideration whether used in pharma or non-pharma grade. The only major difference between the two is that pharma grade requires more stringent testing and higher specifications. However, this is not a result of any difference in the production process. It is only a result of quality testing. There is no material difference in the cost of the production of pharma or non-pharma grade.
 - c. None of the interested parties have suggested the PCNs, barring distinction of pharma and non-pharma grade.
 - d. The product has no substitute. “Precipitated silica” cannot replace “fumed silica” in many applications. Precipitated silica has low purity and is less efficient than fumed silica. There is huge difference between the two.
 - e. The goods produced by the applicant are like article to the imported goods as they are comparable in terms of chemical & technical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods, and are technically and commercially substitutable.

C.3 Examination by the Authority

7. The product under consideration as defined in the notice of initiation is “untreated fumed silica”. Untreated fumed silica is a synthetic, amorphous, colloidal silicon dioxide that is generally regarded as unique in the industry because of its unusual particle characteristics. Synthetic silica, manufactured from a vapour phase flame hydrolysis of a silane compound, is popularly known as fumed silica. The interested parties have contended that untreated fumed silica is the same as the other kinds of silica, i.e., “Precipitated silica”. These interested parties have, however, not established that these two kinds of products are the same product in terms of their functionality, manufacturing process, raw materials, functions & uses, production technology, plant & equipment, costs and prices. The domestic industry submitted that while other synthetic silicas are made from silicate solution in a liquid phase, fumed silica is manufactured in a gas phase at a very high temperature. It is also seen from the import data that there are significant differences in the price of these two types of products.
8. Fumed silica can be two types - treated and untreated. Unlike untreated silica which is hydrophilic, treated silica undergoes treatment with various chemicals to make it hydrophobic. The domestic industry submitted that treated fumed silica can be produced either by further processing of untreated fumed silica, or even undertaking entire production activities at the same time. It is seen from the import data that there are significant differences between the price of untreated fumed silica and treated fumed silica. The scope of the product under consideration is only untreated fumed silica.
9. The product under consideration is made by the flame hydrolysis of chlorosilane feedstock in an oxygen hydrogen flame at temperatures of 1800 degree C. This process allows production of the silica with unique structure comprising chain like aggregates and agglomerates.
10. Untreated fumed silica has a large specific surface area. Depending upon its surface area values such as 150 or 200 or 300 or 380 m²/g, the untreated fumed silica is classified into different grades suitable for different end applications. It is free flowing powdered product, used for wide applications. Untreated Fumed Silica improves free-flow properties in solid systems and is used as free flow and tableting agent in pharmaceuticals and an anti-caking agent in foods and agrochemicals. It is also used as a carrier for liquid flavours and fragrances.

11. The product under consideration is classified under Chapter 28, under the tariff code 28112200. However, untreated fumed silica is also being imported under other HS codes, such as 28112190, 28391900 and 34049090. The customs classification is only indicative and not binding on the scope of the investigation. Further, the product does not have dedicated customs classification and a number of other products which are beyond the scope of the present investigations have also been imported under these classifications.
12. It has been contended that exporters/producers have not produced/exported pharma grade untreated fumed silica, while the domestic industry has produced and supplied the product both for pharma and non-pharma applications. The Authority notes that the import data clearly shows the imports of pharma grade untreated fumed silica from the subject countries. It is not material that the responding exporters should have exported all the grades of the product under consideration. Further, the domestic industry submitted that there is no material difference in the cost of production of pharma grade and non-pharma or technical grade untreated fumed silica. The raw materials, the production/manufacturing process of untreated fumed silica produced whether used in pharma or non-pharma grade are the same. The only major difference between the two is that pharma grade requires more stringent testing and higher specifications. The other interested parties contended that since pharma application product requires more stringent testing, it should be classified as a different product type. The Authority notes that the contention of the domestic industry that there is no difference in the product process and the cost of production of the two grades, and the only difference in the testing and more stringent specifications, the Authority considers the two are not required to be considered as separate PCNs. The Authority considers that separate PCN for the two grades are appropriate only when the product has materially different cost of production. Further, the Authority notes that there is no consistent difference in the price of pharma and non-pharma grade product.
13. With regard to import segregation, the Authority notes that the product under consideration does not have dedicated customs classification. Further, imports have been made by using a large number of different descriptions and even the grade names of the suppliers. Despite this, the interested parties have pointed out towards only one entry in the name of N20p in the year 2017-18 as not pertaining to the product under consideration. PM-09L, and PM-20L, AERODISP W 7520, and SIPERNAT 310, and MSP-005 have not been treated as subject untreated fumed silica. As pointed out by the other interested parties, the terms SIO2 and Unidentified are indeed generic terms that could pertain to both treated or untreated fumed silica. The Authority, however, notes that treated fumed silica is priced much higher than untreated fumed silica.
14. In view of the foregoing, the Authority concludes that the product under consideration remains the same as was defined in the initiation notification.

D. SCOPE OF THE DOMESTIC INDUSTRY AND THE STANDING

D.1 Views of the other interested parties

15. The following are the submissions made by the other interested parties with regard to the scope of the domestic industry and the standing:
 - a. The petitioner Cabot Sanmar Limited and Cabot HengYeCheng Performance Materials (Inner Mongolia) Co., Ltd. are directly or indirectly controlled by Cabot Corporation, USA and as such are related to each other.
 - b. The domestic industry has not provided complete information regarding its related parties and exports made to India by its related parties to other non-subject countries.
 - c. Cabot Sanmar Ltd is a joint venture between Cabot Corporation of USA and Sanmar Group, India. Cabot Corporation has manufacturing plants that produce fumed metal oxides in Germany, among other countries.
 - d. Cabot Corporation added capacity of 80,00,000 KGs through a new fumed silica manufacturing site in Wuhai, China PR. It is a joint venture of Cabot Corporation with Inner Mongolia Hengye Cheng Silicone Co. Ltd which was not disclosed by the domestic industry.

D.2 Views of the domestic industry

16. The following are the submissions made by the domestic industry with regard to the scope of the domestic industry and its standing:

- a. The application has been filed by M/s Cabot Sanmar Limited. The applicant is the sole producer of the subject goods in India.
- b. The applicant has not imported the subject goods from the subject countries. The applicant has imported Fumed Silica from its Joint Venture partner Cabot Corporation, USA of non-PUC category, which is of special pharma grades for certain customers.
- c. The applicant is not related to any importer or exporter of the product under consideration within the meaning of Rule 2(b).
- d. Mongolia Hengye Cheng is a joint venture between Cabot China Limited and Mongolia Hengye Cheng Silicone Co., Ltd (HYC). HYC is not related to Cabot Sanmar Ltd, the Indian entity.

D.3 Examination by the Authority

17. Rule 2(b) of the AD Rules defines domestic industry as under:

“domestic industry means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term ‘domestic industry’ may be construed as referring to the rest of the producers”.

18. The application has been filed by M/s Cabot Sanmar Limited. The applicant is the sole producer of the subject goods in India. The applicant is a 50:50 joint venture between Sanmar Group, India and Cabot Corporation, USA. The Authority notes that under Rule 2(b), only the following are relevant.
 - a. relationship of the applicant with exporter or importer of the product under consideration.
 - b. exports made by the related entity.
 - c. exports made during the investigation period.
 - d. exports made from the subject countries only.
19. All other relationship, such as relationship with the producers of the product under consideration in subject countries or other countries, or exports made prior to the investigation period are entirely irrelevant to decide the eligibility under Rule 2(b). In any case, mere exports of the product by affiliates in the POI does not mean that the domestic producer should be disqualified and treated as ineligible domestic industry.
20. With regard to the contention that Mongolia Hengye Cheng Performance Materials (Inner Mongolia) Co., Ltd. is related to Cabot Sanmar Limited, the Authority notes that Cabot Sanmar Limited is a 50:50 joint venture between Sanmar Group, India and Cabot Corporation, USA. Mongolia Hengye Cheng Performance Materials (Inner Mongolia) is a 20:80 joint venture between Cabot Corporation, USA and Inner Mongolia HengYe Cheng Silicone Co., Ltd., China. Thus, while Cabot Corporation USA holds 50% shareholding in the applicant, it holds only 20% holding in Inner Mongolia HengYe Cheng Silicone. There are no exports of the product under consideration by Inner Mongolia HengYe Cheng Silicone to India during the period of investigation. Further, even if the two parties are related parties, the mere fact of relationship is insufficient to consider the domestic producer as ineligible.
21. In view of the foregoing, the Authority finds that the applicant has neither imported the product under consideration from the subject countries, nor is related to the exporters who have exported the subject goods in the POI or the importers who have imported the subject goods in the POI. Accordingly, the Authority holds that the applicant is an eligible domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of the Rules. The application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules and the applicant constitutes domestic industry under the Rules.

E. CONFIDENTIALITY

E.1 Views of the other interested parties

22. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to confidentiality:

- a. The application filed is grossly incomplete and insufficient. Excessive confidentiality has been claimed. Costing information under Formats A to L and various policies such as purchase, sales, accounting have been kept confidential.
- b. The domestic industry has also failed to provide adequate non-confidential summary of the costing information.
- c. Domestic industry has not disclosed complete information regarding imports from related parties.
- d. The applicant has falsely claimed that the indexed version of information by the opposing parties has not been made available.

E.2 Views of the domestic industry

23. The following submissions have been made by the domestic industry regarding confidentiality:
 - a. The applicant has disclosed all the essential information in the non-confidential version of the application in accordance with Rule 7 of the Rules and as per Trade Notice No. 10/2018 dated 7th September, 2018. Indexed information has also been provided wherever possible, which would allow an analysis of the injury parameters.
 - b. The applicant has provided entire actual information to the Authority. Considering the confidentiality of the data, the applicant has not shared such actual confidential data with other interested parties, as this is business sensitive information and would cause prejudice to the domestic industry.
 - c. The non-confidential version of the responses shows that the interested parties have filed grossly deficient responses even after being given an extension to file sufficient and complete information.
 - d. The foreign producer and the importer have claimed excessive confidentiality with regard to shareholding structure, production process, value chain, production facilities, related parties, name of raw materials, procurement of raw materials, list of products produced and/or sold, name of the holding company, shareholding details, channel of marketing in the home market and for exports to India.
 - e. The exporters have not even provided the information on indexed basis.
 - f. The applicant has been denied sufficient details to permit a reasonable understanding of the information provided to the Authority. The applicant cannot even determine the extent to which information has been provided and whether any reliance can be placed on the same. As a result, the applicant is severely handicapped and unable to comment on the response filed by the exporter.

E.3 Examination by the Authority

24. Various submissions on confidentiality made by the applicant as well as the other interested parties during the course of the investigation, to the extent considered relevant by the Authority, have been examined and addressed as follows.
25. The Authority made available the non-confidential version of the information provided by various interested parties to all the other interested parties.
26. With regard to confidentiality of information, Rule 7 of the Rules provide as follows:

"Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules (2), (3) and (7) of rule 6, sub-rule(2) of rule 12, sub-rule(4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information. "

27. The information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted, and such information has been considered confidential and not disclosed to the other interested parties. Wherever possible, the parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidence submitted by various interested parties. The non-confidential version of the information related to imports, performance parameters and injury parameters of domestic industry has been made available to all the interested parties. Business sensitive information has been kept confidential as per practice. The Authority also holds that costing information is in the nature of confidential information and the Authority has been consistently allowing confidentiality on costing information wherever warranted. Wherever information is for the injury period, the application contains the same either on actual or indexed basis.

F. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

F.1 Views of the other interested parties

28. The following submissions have been made by other interested parties:
- The application does not contain adequate evidence of dumping or injury to justify the initiation of the investigation.
 - If high rate of anti-dumping duty is recommended on imports from the subject countries, the imports from the subject countries would stop.
 - In 2021, there has been a global shortage of silicon metal leading to increase in prices of the PUC which in turn led to an increase in the average price of imports. Majority of the downstream end-users are facing significant cost increases across industries.
 - The applicant did not comment on why it is completely dependent on the import of its key raw material from China PR despite availability of alternatives.
 - Many downstream customers have begun shifting from fumed silica to precipitated silica for cost savings.
 - The present application is filed with an intention to restrict imports from unrelated entities in Korea RP and China PR while safeguarding the imports that are made from related entity/ties in Germany and other countries.
 - Imposition of an unwarranted anti-dumping duty on the imports from Korea RP will not be in public interest and will only drive out a small and legitimate source of import competition.
 - Imposition of anti-dumping duty on the PUC will also increase the cost of production of paracetamol tablets (e.g., Dolo-650 mg) that are currently in huge demand and are being administered to Covid-19 patients.

F.2 Views of the domestic industry

29. The following submissions have been made by the domestic industry:
- The contention of the interested parties with regard to insufficient information and evidence in the application is without legal and factual basis. In fact, the investigation was initiated only after the Authority satisfied itself with regard to accuracy and adequacy of the information submitted by the domestic industry regarding dumping, injury & causal link.

F.3 Examination by the Authority

30. The Authority notes that the applicant filed a duly substantiated application based on which the present investigation was initiated. The present investigation was initiated based on the data/information provided by the domestic industry and after prima facie satisfying that there is sufficient evidence of

dumping, injury and causal link. The application contained all the information relevant for the purpose of initiation of the investigation.

31. As regards the submission of the interested parties that the anti-dumping duty will lead to stoppage of imports from the subject countries, the Authority notes that anti-dumping measures are intended to ensure fair trade and provide level-playing field to all the stakeholders. These measures do not restrict imports nor cause an unjustified increase in cost of the eventual end products. The purpose of anti-dumping duty is not to give any kind of undue advantage to the domestic producers or cause any undue hardship to the consumers of the product. A consumer cannot seek, as a matter of right, access to a product at dumped prices, particularly when such dumping is found to have caused injury to an established industry in India. The purpose of anti-dumping duty is to remove unfair trade causing injury to the domestic industry. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. The imposition of anti-dumping duties would not affect the availability of the product to the consumers at fair prices.
32. The Authority considers that the present investigation is an original investigation and post POI developments cannot be selectively considered for the final determination. Consideration of the post POI data implies calling every information for that period. Further, the Rules provide for periodic review. In case an interested party consider that there have been material changes after the investigation period, an interested party can seek review of proposed measures.
33. As regards the dependency of the domestic industry on the imports in respect of the raw material, the Authority notes that it is not necessary for any domestic producer to source all the raw materials within the Indian market. Nor absence of some raw material in the domestic market or sourcing of the same from the international market can deprive a domestic producer from seeking relief under the Rules in case the investigation shows that dumping has caused injury to the domestic industry.
34. As regards the switch over of consumers from fumed silica to precipitated silica for alleged cost savings, the Authority notes that the investigation has shown that the demand for the product has increased over the injury period. Further, the possibility of a switch over in any case should not cause prejudice to any consumer from the proposed measures. The consumers can switch over to such other alternative input.
35. The Authority finds that exports by related entities of the domestic industry are extremely negligible. It is, therefore, without factual basis that the proposed measure was sought with an intention to restrict imports from the unrelated entities while safeguarding the imports that are made from related entity/ties in Germany and other countries.
36. As regards submissions on the possible adverse effect of proposed measures on paracetamol, the Authority notes that the interested parties themselves have contended that the domestic industry supplies significant volumes of pharma grade and imports from the third countries are largely of pharma grade. It is also noted that a significant proportion of demand (about 30%) is met by non-subject imports. In fact, the imports from non-subject countries (1198 MT) are higher than the imports from the subject countries (869 MT).

G. DETERMINATION OF NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

Market Economy Treatment (Met), Normal Value, Export Price & Determination Of Dumping Margin

G.1 Views of the other interested parties

37. The following submissions have been made by the other interested parties:
 - a. The normal value, the export price and the dumping margin should be determined based on the information provided by the producers/exporters.
 - b. Pharma and non-pharma products should be segregated for determination of the normal value and non-injurious price, as only non-pharma grade is imported whereas the domestic industry is producing both.
 - c. India must fulfil its obligations under relevant agreements to recognize China's full market economy status and stop using the "surrogate country" approach in anti-dumping investigations against China.

- d. The petitioner and the Authority should provide a legal interpretation and evidence that would permit the continued disregard of Chinese prices and costs and the use of special methodologies in this case for normal value establishment.
- e. The WTO Agreements as they stand now, do not provide any legal basis for the continued disregard of Chinese producers' prices/costs for normal value establishment in anti-dumping investigations. After 11th December, 2016, the burden of proof has shifted to the petitioner and on India to establish that the costs and prices of the Chinese companies are still marred by non-market economy conditions.
- f. There is a higher degree of competition between the local sellers in China PR when compared to the Indian Market wherein the applicant themselves hold more than 50% market share.
- g. The responding exporters request disclosure of the actual claims made by the domestic industry with regard to freight, commission and port expenses.
- h. The Authority should calculate the normal value by taking into account the foreign producers' factors of production at a minimum and using the input costs in India for those factors of production.
- i. All post manufacturing expenses such as selling, distribution, marketing and general administration are also incurred by importers and importers are making reasonable profits.
- j. The normal value, the export price and the dumping margin should be determined based on the information provided by the producers/exporters participating in the investigation.
- k. Since Korea is only exporting technical grade to India, the normal value as defined for Korea should also be applicable for imports from China PR.
- l. Considering EU or Japan for determination of the normal value would be incorrect as the EU exports nearly 65% of the PUC in the pharma grade and only 35% in the technical grade.
- m. Since Korea RP is a subject country, the Authority should rely on the domestic or constructed price based on the data of the Korean exporters.
- n. The Authority's reliance on the domestic industry's cost of production with adjustments is also bound to artificially inflate the normal value as the domestic industry appears to have incurred high and unwarranted costs in the POI, causing injury to the domestic industry.

G.2 Views of the domestic industry

38. The following submissions have been made by the domestic industry with respect to determination of the normal value, the export price and the dumping margin:
 - a. China should be considered as a non-market economy in line with the position taken by the Authority in previous cases, and by the investigating Authorities in other countries.
 - b. The cost and price of the Chinese producers cannot be relied upon for determination of the normal value, and accordingly, the normal value should be determined in accordance with the provisions of para 7 of Annexure I of the Rules.
 - c. Apart from India, the product under consideration is majorly produced and exported from China PR, Korea RP, the European Union and Japan. The average price from European Union to India should be considered for normal value of China.
 - d. The applicant could not find price of the subject goods in the domestic market of Korea RP as the product does not have a dedicated code. The normal value in Korea has been determined based on the estimates of the cost of production in Korea, duly adjusted with selling, general and administrative expenses.
 - e. The export price is based on transaction wise import data provided by DGCI&S. The export prices have been adjusted for ocean freight, marine insurance, commission, inland freight expenses, port expenses, bank charges and VAT (only for China).
 - f. The Authority can only consider the information provided by producers/exporters for determination of export price if the same is complete in all respect.

- g. Since there is no difference in the cost of the pharma grade and the non-pharma grade of the PUC, separate dumping and injury margin analysis for these two grades is not necessary. Also, the normal value and the dumping margin are determined for the PUC, i.e., untreated fumed silica and not for different applications.

G.3 Examination by the Authority

39. The Authority has dealt with the contentions raised by the other interested parties hereunder. Under Section 9A(1)(c) of the Act, normal value in relation to an article means:

(i) the comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or

(ii) when there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either-

(a) comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or the cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6):

(b) Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin

40. The Authority had sent questionnaires to the known producers/exporters from the subject countries, advising them to provide information in the form and manner prescribed by the Authority. The following producers/exporters have participated in the present investigation:

- a. M/s Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd., China PR
- b. M/s Wacker Chemicals Fumed Silica (Zhangjiagang) Co. Ltd, China PR
- c. M/s Wacker Chemicals (China) Co Ltd, China PR
- d. M/s OCI Company Ltd., Korea RP
- e. M/s UNID Global Corporation, Korea RP

41. The Authority has examined the submissions made by the interested parties with regard to the determination of the normal value, the export price and the dumping margin and holds as follows:

- a. The interested parties contended that there is a significant price difference between pharma and non-pharma grades and only non-pharma grade has been imported from the subject countries whereas pharma grade has been supplied from Japan and EU. The Authority, therefore, examined the imports and sales data of the domestic industry. The table below shows the imports of pharma and non-pharma grades from various countries.

		Volume KG			
Application	Country	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
Non-Pharma	China	5,51,771	5,00,400	5,46,804	6,42,738
	Korea	1,00,480	1,08,985	67,210	1,33,120
	Japan	2,25,360	3,16,460	3,04,920	3,73,320
	EU	2,47,793	2,72,461	1,47,215	1,25,107
	Other Countries	1,061	1,540	1,269	10,794
Total Non-Pharma		11,26,465	11,99,846	10,67,418	12,85,079
Pharma	China	6,400	19,200	84,400	92,680

	EU	5,07,390	5,37,864	6,21,980	6,82,141
	Other Countries	1,504	6,236	7,855	7,128
Total Pharma		5,15,294	5,63,300	7,14,235	7,81,949
Grand Total		16,41,759	17,63,146	17,81,653	20,67,028

		Rate (Rs/KG)			
Application	Country	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
Non-Pharma	China	239	245	300	285
	Korea	280	266	326	292
	Japan	338	307	320	332
	EU	369	355	366	384
	Other Countries	954	602	891	477
Total Non-Pharma		292	289	317	311
Pharma	China	291	284	302	315
	EU	378	353	384	393
	Other Countries	1,841	896	1,020	1,088
Total Pharma		381	357	381	390
Grand Total		320	310	343	341

- b. As regards the segregation of pharma and non-pharma grade products, the Authority notes that the normal value is determined based on the import price of non-pharma grade alone. It is noted that the product has been majorly produced and exported from China PR, Korea RP, the European Union and Japan in the period of investigation (POI). There is import of pharma and non-pharma products from the EU. The prices of pharma grade are higher than the non-pharma grade. The applicant has claimed that the average export price from the EU to India should be considered for determining the normal value for China PR. However, the other interested parties have contended that considering the EU for determination of normal value is incorrect as the EU exports nearly 65% of the PUC in the Pharma grade at higher price and only 35% in the technical grade. The interested parties have also contended that as only non-pharma grade is imported from China and the prices of pharma grade are higher than the non-pharma grade, the pharma and non-pharma products should be segregated for determination of the normal value and the non-injurious price even if the domestic industry is producing both. The Authority considers that the normal value cannot be determined on the basis of cost or price in EU as the pharma grade prices are higher in the EU. It is also noted that the majority of the imports from China are of non-pharma grades. Therefore, the normal value is determined based on the import price of non-pharma grade alone.
- c. As regards the difference in dumping margin between Chinese and Korean producers, the Authority notes that the dumping margin is the difference between normal value and export price and, therefore, its quantum depends on both the normal value and the export price.
- d. As regards the request for disclosure of actual claims of the domestic industry with regard to the price adjustments, the Authority notes that the export price has been determined after considering the price adjustments reported by the other responding exporters. The Authority has not considered the amount of price adjustment made by the domestic industry.
- e. As regards the consideration of factors of production of the Chinese producers, the Authority considers that the normal value has not been determined on the basis of cost of production in India but on the basis of prices of non-pharma grade from Japan.
- f. None of the interested parties have given any justification why the normal value cannot be determined on the basis of export price from Japan to India. Further, since Korea RP is one of the subject countries, the normal value cannot be determined on the basis of cost or price in Korea RP or export price from Korea RP.

G.3.1. Determination of Normal Value and Export Price**Normal Value for China PR****Market Economy Status for Chinese Producers**

42. The Authority notes the following relevant provisions with regard to determination of normal value for China PR.

“7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner [keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question] and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of the selection. Account shall also be taken within time limits; where appropriate, of the investigation if any made in similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.

8. (1) The term “non-market economy country” means any country which the designated authority determines as not operating on market principles of cost or pricing structures, so that sales of merchandise in such country do not reflect the fair value of the merchandise, in accordance with the criteria specified in subparagraph (3).

(2) There shall be a presumption that any country that has been determined to be, or has been treated as, a non-market economy country for purposes of an antidumping investigation by the designated authority or by the competent authority of any WTO member country during the three-year period preceding the investigation is a non-market economy country. Provided, however, that the non-market economy country or the concerned firms from such country may rebut such a presumption by providing information and evidence to the designated authority that establishes that such country is not a non-market economy country on the basis of the criteria specified in sub-paragraph (3)

(3) The designated authority shall consider in each case the following criteria as to whether: (a) the decisions of the concerned firms in such country regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment, are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values; (b) the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts; (c) such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms, and (d) the exchange rate conversions are carried out at the market rate. Provided, however, that where it is shown by sufficient evidence in writing on the basis of the criteria specified in this paragraph that market conditions prevail for one or more such firms subject to anti-dumping investigations, the designated authority may apply the principles set out in paragraphs 1 to 6 instead of the principles set out in paragraph 7 and in this paragraph.

(4) Notwithstanding, anything contained in sub-paragraph (2), the designated authority may treat such country as market economy country which, on the basis of the latest detailed evaluation of relevant criteria, which includes the criteria specified in sub paragraph (3), has been, by publication of such evaluation in a public document, treated or determined to be treated as a market economy country for the purposes of anti-dumping investigations, by a country which is a Member of the World Trade Organization.”

43. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption by treating China as a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/ exporters in China PR to respond to the notice of initiation and provide information whether their data/information could be adopted for the purpose of normal value determination. The Authority sent questionnaire to all the known producers/ exporters in China for providing relevant information in this regard.

44. Article 15 of China's Accession Protocol in WTO provides as follows:

"Article VI of the GATT 1994, the Agreement on Implementation of Article VI of the General Agreement on Tariffs and Trade 1994 ("Anti-Dumping Agreement") and the SCM Agreement shall apply in proceedings involving imports of Chinese origin into a WTO Member consistent with the following:

"(a) In determining price comparability under Article VI of the GATT 1994 and the Anti-Dumping Agreement, the importing WTO Member shall use either Chinese prices or costs for the industry under investigation or a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China based on the following rules:

(i) If the producers under investigation can clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to the manufacture, production and sale of that product, the importing WTO Member shall use Chinese prices or costs for the industry under investigation in determining price comparability;

(ii) The importing WTO Member may use a methodology that is not based on a strict comparison with domestic prices or costs in China if the producers under investigation cannot clearly show that market economy conditions prevail in the industry producing the like product with regard to manufacture, production and sale of that product.

(b) In proceedings under Parts II, III and V of the SCM Agreement, when addressing subsidies described in Articles 14(a), 14(b), 14(c) and 14(d), relevant provisions of the SCM Agreement shall apply; however, if there are special difficulties in that application, the importing WTO Member may then methodologies for identifying and measuring the subsidy benefit which take into account the possibility that prevailing terms and conditions in China may not always be available as appropriate benchmarks. In applying such methodologies, where practicable, the importing WTO Member should adjust such prevailing terms and conditions before considering the use of terms and conditions prevailing outside China.

(c) The importing WTO Member shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (a) to the Committee on Anti-Dumping Practices and shall notify methodologies used in accordance with subparagraph (b) to the Committee on Subsidies and Countervailing Measures.

(d) Once China has established, under the national law of the importing WTO Member, that it is a market economy, the provisions of subparagraph (a) shall be terminated provided that the importing Member's national law contains market economy criteria as of the date of accession. In any event, the provisions of subparagraph (a)(ii) shall expire 15 years after the date of accession. In addition, should China establish, pursuant to the national law of the importing WTO Member, that market economy conditions prevail in a particular industry or sector, the non-market economy provisions of subparagraph (a) shall no longer apply to that industry or sector."

45. The Authority notes that while the provisions of Article 15 (a)(ii) of China PR's Accession Protocol have expired with effect from 11th December, 2016, the provision under Article 2.2.1.1 of the anti-dumping Agreement read with obligation under 15(a)(i) of the Accession Protocol require criterion stipulated in Para 8 of the Annexure 1 of anti-dumping Rules to be satisfied through the information/data to be provided in the questionnaire issued by the Authority. The Authority notes that no producer or exporter from China has submitted information desired by the Authority. Therefore, the normal value for these producers/exporters are required to be determined in terms of provisions of Para 7 of Annexure-1 of Anti-Dumping Rules.

46. The applicant has claimed that China PR should be treated as a non-market economy, and the normal value should be determined in terms of para-7 of the Annexure I of the Rules. The product has been majorly produced and exported from China PR, Korea RP, the European Union and Japan in the period of investigation (POI). There is import of pharma and non-pharma products from the EU. The prices of pharma grade are higher than the non-pharma grade. The applicant has claimed that the average export price from EU to India should be considered for determining the normal value for China PR. However, the other interested parties have contended that considering EU for determination of normal value is incorrect as the EU exports nearly 65% of the PUC in the Pharma grade and only 35% in the technical grade. The interested parties have also contended that as only non-pharma grade

is imported from China and the prices of pharma grade are higher than the non-pharma grade, the pharma and non-pharma products should be segregated for determination of the normal value and the non-injurious price even if the domestic industry is producing both.

47. The normal value for the purpose of the initiation was constructed on the basis of cost of production of the domestic industry with due adjustment for selling general & administrative (SGA) expenses and reasonable profit. None of the producers/ exporters from China have provided information in the form and manner prescribed for the determination of the normal value on the basis of their own data/information.
48. The Authority considers that the normal value is required to be determined in accordance with para 7 of Annexure I of the Rules, which reads as under:

“In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis if the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments.”

49. The Authority notes that the normal value for a country considered as a non-market economy is required to be computed in accordance with para 7 and 8 of Annexure-I of the Rules. In the instant case, since none of the exporters have filed questionnaire response in this regard for claiming individual normal value, the options under para 7 of Annexure-I to Rules need to be explored. Para 7 lays down hierarchy for determination of normal value and provides that normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted, if necessary, to include a reasonable profit margin.
50. The Authority considers that the normal value cannot be determined on the basis of cost or price in Europe as necessary information has not been made available by any of the interested parties and also the pharma grade prices are higher in the EU. It is also noted that the majority of the imports from China are of non-pharma grades. It is seen that the imports from Japan are mainly of non-pharma grade and thus comparable to the grade being imported from China. Further, while there were some imports of pharma grade from China also, in any case, consideration of the export price from Japan to India would be appropriate. It is noted that the volume of imports from Japan is quite significant when compared with the import volumes from China and the imports are spread over the investigation period. Further, there are imports of the product not only in the POI but also over the injury period. Further, this also represents the price paid or payable in India. In view of the same, the Authority considers that the normal value in respect of China can be most appropriately determined on the basis of the export price from Japan to India. Since this is a CIF export price, the same has been adjusted for the expenses from CIF to ex-factory. The normal value has thus been determined at ex-factory level, by deducting expenses such as ocean freight, marine insurance, commission, bank charges, port expenses and inland freight from the CIF export price from Japan to India. The normal value determined is shown in the dumping margin table below

G.3.2 Export price for China PR

Export price for Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd., China PR

51. During the POI, Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd., has directly exported *** MT of PUC to India of invoice value *** US\$. Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd., has claimed adjustment on account of ocean freight, insurance, inland transportation, port and other related expense, credit expenses, packing expenses and bank charges and the same have been allowed by the Authority. Accordingly, the export price at ex-factory level for Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd., China PR is determined as above and the same is shown in the dumping margin table below.

Export price for Wacker Chemicals Fumed Silica (Zhangjiagang) Co Ltd and Wacker Chemicals (China) Co Ltd.

52. The Wacker Group [(a) Wacker Chemicals Fumed Silica (Zhangjiagang) Co., Ltd (producer); (b) Wacker Chemicals (China) Co., Ltd. (exporter) and (c) Wacker Metroark Chemicals Pvt. Ltd. (related user)] filed questionnaire response. The Authority notes that Wacker Chemicals (China) Co., Ltd. has exported the product under consideration manufactured by Wacker Chemicals Fumed Silica (Zhangjiagang) Co., Ltd to India during the POI.
53. It was noted that Wacker Chemicals (China) Co., Ltd. has exported *** Kgs of the product under consideration valued at USD *** to unrelated customers in India and *** Kgs of the product under consideration valued at USD *** to a related user, i.e., Wacker Metroark Chemicals Pvt. Ltd. in India. The Authority has noted that Wacker Metroark Chemicals Pvt. Ltd. consumes the product and does not resell the product under consideration. The per unit price to unrelated customers was USD *** per Kg and to Wacker Metroark Chemicals Pvt. Ltd. was USD *** per Kg. The Authority notes that the Wacker Chemicals (China) Co., Ltd. recorded a profit for exports to India.
54. Accordingly, the Authority computed the ex-factory export price taking into account exports to both related and unrelated customers. From the net invoice value, the Authority deducted the ocean freight, insurance, inland freight, port and other related expenses, packing cost, credit cost, bank charges, and commission as verified by the Authority. Accordingly, the export price at ex-factory level for Wacker Chemicals Fumed Silica (Zhangjiagang) Co., Ltd determined as above and the same is shown in the dumping margin table below.

Non-cooperating exporters from China PR

55. The export price in respect of the other exporters from China PR has been determined as per the facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The ex-factory export price as determined is shown in the dumping margin table below.

G.3.3 Normal Value for Korea RP

OCI Company Limited and UNID Global Corporation

56. OCI Company Ltd ("OCI") is engaged in the production of the subject goods in Korea RP and has sold the subject goods directly in the domestic market. During the period of investigation, OCI has sold the subject goods in the domestic market to unrelated parties only. The domestic sales are in sufficient volumes when compared with exports to India. During the course of verification, it was noted that OCI is captively producing the main raw material, Silicon Tetrachloride ("STC") which is used in the production of the PUC and is being treated as by-product. STC, used in the production of the PUC, is transferred from OCI's polysilicon plant using the benchmark prices prevailing in China PR. China PR is one of the subject countries in the present investigation, and is being treated as non-market economy country. The Authority, therefore, has not adopted the price of the raw material as claimed by OCI and replaced the same by raw material costs of the domestic industry. Rest all other costs as claimed by OCI have been accepted. The revised cost of sales of the PUC has been considered for ordinary course of trade test.
57. To determine the normal value, the Authority conducted the ordinary course of trade test using the cost of sales determined as above to determine profit making domestic sales transactions. It was noted that OCI has sold *** MT of the subject goods having total invoice value of KRW ***. It is noted that OCI has sold subject goods both in bulk and packed forms in the domestic market, while it has exported the subject goods to India in packed form only. Thus, for fair comparison, the Authority has taken only the packed sales into account for determination of the normal value for OCI.
58. The Authority examined whether the profit-making transactions are more than 80% or not. If the profitmaking transactions are more than 80%, all transactions in the domestic sales are to be considered for the determination of the normal value and in cases where profit making transactions are less than 80%, only profitable domestic sales are to be taken into consideration for the determination of the normal value. In the present case, the profit-making transactions were more than 80% and, therefore, all the domestic sales transactions have been considered for the determination of the normal value. OCI has claimed adjustments for inland transportation, warehouse expenses, credit cost and packing cost and the same have been allowed by the Authority. Accordingly, the normal value at ex-factory level has been determined and the same is shown in the dumping margin table below.

Normal Value for non-cooperating producers/exporters from Korea RP

59. For all the non-cooperative producers/exporters from Korea RP, the Authority has determined the normal value at ex-factory level on the basis of best available information and the same is shown in the dumping margin table below.

G.3.4 Export price for Korea RP**Export price for OCI Company Limited and UNID Global Corporation**

60. During the POI, OCI has exported the subject goods directly to India as well as indirectly through an unrelated Korean trader, namely, UNID Global Corporation (“UNID”). OCI and UNID have provided all the relevant information in the requisite formats. It is noted from the response that during the POI, OCI has directly exported *** MT of the subject goods to India having total invoice value of USD ***. OCI has exported *** MT through UNID having total invoice value of USD ***. OCI has claimed adjustments on account of inland freight, ocean freight, port and other related expenses, overseas insurance, custom broker fees, packing expenses, credit cost, bank charges and duty drawback. All the adjustments have been allowed by the Authority except duty drawback. OCI has exported the subject goods to India in packed form only. Thus, the Authority has taken only the packed sales into account for determination of the export price. The ex-factory export price is as determined is given in the dumping margin table.

Non-cooperating Exporters from Korea RP

61. For the non-cooperating exporters from Korea RP, the Authority has computed the export price on the basis of best available information in terms of Rule 6(8) of the Rules and the same is shown in the dumping margin table below.

G.3.5 Dumping Margin

62. The dumping margin determined for all the producers/exporters from China PR and Korea RP is shown in the dumping margin table below.

Dumping Margin Table

S.N.	Subject Countries	Normal Value	Export Price	Dumping Margin		
				Amount	%	Range
		(US\$/MT)	(US\$/MT)	(US\$/MT)	(%)	(Range)
A	China PR					
1.	Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd.	***	***	***	***	50-60
2.	Wacker Chemicals Fumed Silica (Zhangjiagang) Co Ltd., Wacker Chemicals (China) Co Ltd. & Wacker Metroark Chemicals Pvt. Ltd.	***	***	***	***	10-20
3.	All others	***	***	***	***	60-70
B	Korea RP					
1.	OCI Company Limited & UNID Global Corporation	***	***	***	***	Less than 2%
2.	All others	***	***	***	***	10-20

H. ASSESSMENT OF INJURY AND CAUSAL LINK**H.1 Views of the other interested parties**

63. The following submissions have been made by the other interested parties with regard to injury and causal link:

- a. There is no causal link between the imports from Korea RP and China PR and the injury to the domestic industry. Injury if any has been caused by other factors.
- b. There is no correlation between the performance of the domestic industry and the imports from Korea RP. There is no increase in the imports from Korea RP and the imports from Korea RP are of non-pharma grade PUC.
- c. The domestic industry's performance and production have improved during the injury period.
- d. Price undercutting is as a result of difference between non-pharma grade exported by the respondents and the product grades (pharma grade and non-pharma grade) sold by the domestic industry.
- e. It is an industry-wide known fact that pharma grade is sold at a significantly higher price than the non-pharma grades.
- f. The domestic industry is suffering from increase in capacity and a consequent increase in fixed cost.
- g. The decline in sales is attributable to the decline in domestic captive consumption.
- h. The imports from non-subject countries with significant market share should not have been excluded from the scope of the present investigation. Imports from Japan constitutes 18.06% and European Union constitutes 39.05% of the total imports of PUC in the POI. This is significantly higher than the 6.44% share of Korea RP. Volume of the imports from Japan increased appreciably.
- i. Imports of the subject goods and the raw materials from China PR by the domestic industry should be examined.
- j. Imports have remained at the same level in the POI as compared to the base year as well as the previous year.
- k. If low price imports were causing price suppression or depression in the Indian market, it would have either forced imports from the non-subject countries to reduce their prices or caused a decline in the imports from the third countries.
- l. Imports excluding Korea RP constitute more than 93% of the total imports during the injury period.
- m. Imports from the subject countries have increased with the increase in demand.
- n. Untreated fumed silica is being substituted with precipitated silica in food, agro chemicals and local pharmaceuticals sectors which has led to decrease in the sales.
- o. The trends of price from the subject countries and the domestic industry have been increasing during the POI as compared to the base year 2016-17.
- p. The selling prices of marginal operators in India is reflective of the low level of marketing and sales overheads undertaken.
- q. The overall contribution (sales less CIF value) as earned by the importer in India has remained consistently high and in line with the industry standards.
- r. Increase in the prices of silicon metal has further led to increases in the import price of the PUC with the latest import CIF value at Rs. *** from China PR. The trend of import prices of the PUC from China PR is in direct, positive and near perfect correlation with the import price of silicon metal for the applicant.
- s. Capacity and domestic sales of the petitioner are increasing very frequently and with the increase in the capacity, the capacity utilization declined.
- t. A simple analysis of the financial statements of the applicant clearly shows that there is no injury to the domestic industry.
- u. The applicant has failed to specify as to why the import price from China PR should not be considered as a Non-Injurious Price (NIP) as defined under the Rules.
- v. The Designated Authority must also consider the impact on the domestic industry as a function of the overall equipment efficiency.

- w. The applicant has tried to distort the import data for untreated fumed silica from China PR vis-à-vis European Union by consolidating the import irrespective of the grade, quality or application.
- x. The applicant's cost of production has been increasing despite a fall in raw material prices and a rise in the cost of sales while the importers have faced increasing prices of the PUC.
- y. The applicant has incurred high depreciation and interest costs incurred during the course of the injury period.
- z. It is unclear as to how the captive consumption can be negative. It can be at best zero but not negative.
- aa. The applicant has requested for a cumulative assessment of injury to the domestic industry but has failed to provide any evidence or justification for the same.
- bb. The import price fell with a decline in the cost of sales. However, the sales realization managed to remain steady despite a small decline in the cost of sales.
- cc. The applicant has faced healthy year-on-year growth throughout the injury and investigation period.
- dd. The applicant has not suffered losses during the entire injury period.
- ee. Pharmaceutical quality sales account for a decent part of the domestic industry's sales and cannot be co-mingled with the non-pharmaceutical quality.
- ff. While there has been an increase in the volume of imports from China PR, the applicant continues to hold the majority of the market share in the domestic market. The volume indicators of the domestic industry also developed positively.
- gg. The domestic industry has not cited any reasons for import of subject goods from USA or the share of such imports as a % of total imports.
- hh. The applicant did not comment on why it is completely dependent on import of its key raw material from China PR despite the availability of alternatives.
- ii. The issues mentioned in the Annual Reports of the petitioning company are not reflected anywhere in the petition such as market growth, internal problems and impact of the pandemic COVID-19.
- jj. In 2021, there is a global shortage of silicon metal leading to increases in prices of the PUC which led to an increase in the average price of imports and the majority of downstream end-users are facing significant cost increases across industries.
- kk. Approximately 53% of the transaction-by-transaction import data from China has been treated as unknown, indeterminate or non-PUC data.
- ll. The overall market share for Jaychem Marketing along with other marginal operators does not exceed the actual growth in the market demand in India.
- mm. The applicant must showcase the level of dumping margin and injury margin separately for pharma grade and technical grade for apple-to-apple comparison.
- nn. The applicant has contradicted its own statements. In Para 29 ii (b), the applicant states "Whereas demand for the product increased by 4%..." while in Para 31 the applicant has stated "The demand for the subject goods has increased by 25%...".
- oo. The applicant is claiming a reduction in the domestic sales during the POI but fails to mention the near halting of the entire automotive industry which is one of the major downstream consumers of the subject PUC.
- pp. A reduction in domestic market share from over 76% to over 50% does not showcase any injury but rather showcases the establishment of a free and open market economy.
- qq. The applicant continues to hold a higher profit as %age of sales compared to the average of the chemical industry in India.
- rr. Despite a CPI of over 55% since April, 2013, the pharmaceutical industry has only been able to increase its prices by an average 18% on account of low WPI.

- ss. While making a material injury analysis, the Authority is required to evaluate the trend of the injury factors and indices and not merely make an end-point to end-point comparison of data.

H.2 Views of the domestic injury

64. The submissions made by the domestic industry with regard to injury and causal link are summarized as below:
- a. The domestic industry has suffered injury due to dumping of the product under consideration as can be seen from the information contained in the application.
 - b. The injury to the domestic industry is required to be assessed on a cumulative basis.
 - c. Demand or apparent consumption of the subject goods has increased throughout the injury period.
 - d. The volume of imports from the subject countries in absolute terms has increased throughout the injury period. Whereas the demand for the product increased by 4%, the subject imports increased by 26%.
 - e. The imports from the subject countries in relation to production & consumption in India has declined from the base year in 2017-18 and then increased till the POI.
 - f. Imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market.
 - g. The cost of sales has increased from the base year in 2018-19 and slightly declined in the POI whereas selling price has declined from the base year in 2017-18 and thereafter increased till the POI. Comparison of cost of sales and landed price of imports of the subject countries shows that the landed price of imports is much below the level of cost of production of the domestic industry for the product concerned. The selling price of the subject goods has not increased commensurate with the cost thereof.
 - h. The subject goods have had a suppressing and depressing effect on the prices of the domestic industry.
 - i. The subject imports are at prices significantly below the non-Injurious price of the domestic industry, thus resulting in significant price underselling/ injury margin.
 - j. The domestic industry has increased its capacity over the injury period.
 - k. The production of the domestic industry has increased initially with addition of capacities but declined in the POI.
 - l. The capacity utilization of the domestic industry has declined from the base year in 2017-18, increased in 2018-19 and again declined in the POI.
 - m. The domestic sales of the domestic industry have declined in the period of investigation. The market share of domestic industry has increased from the base year to 2018-19 and steeply declined in the POI even below the levels in the base year. The imports have not only prevented the domestic industry from achieving its potential market share but also resulted in a decline in market share of the domestic industry from 76% to only 46%.
 - n. Inventories increased by 123% in the POI when compared to the base year and inventory holding period during the period of investigation is the highest.
 - o. The profitability of the domestic industry has declined significantly from the base year to 2017-18 and thereafter increased till POI. Cash profit and profit before interest have also followed the same trend. The return on investment has declined in 2017-18 as compared to base year thereafter remained low till the POI.
 - p. The domestic industry is not able to compete with the cheaper priced imports from China PR and Korea RP and compelled to lower the supply price hence the profitability eroded and has lost its market to cheaper priced imports from China PR and Korea RP.
 - q. The employment has been stable throughout the injury period except for a slight decline in the POI.
 - r. The wages have increased throughout the injury period. However, wages are not solely dependent on the subject goods' performance.

- s. The productivity per day and productivity per employee has increased throughout the injury period except slight decline in the POI.
- t. The performance of the domestic industry has deteriorated over the period. Both the volume and price parameters have shown deterioration in the period of investigation.
- u. The dumping margin is not only more than de-minimis but also substantial. The impact of dumping on the domestic industry is adverse.
- v. The domestic industry has recently increased its production capacities. The ability of the domestic industry to raise capital investment will be jeopardized if the subject imports from the subject countries remain unaddressed.
- w. The raw material prices over the period increased and but the import prices declined.
- x. There is no captive consumption involved and the products produced are sold in the market. Quality defective products generated during the period are shown as captive consumption. They are very negligible and vary between (0.1% -0.2%) of sales quantity. Captive consumption is negative as there is a reversal of consumption and net generation of C grade stock (quality defective products) reported as captive consumption in the data. During the year 2018-19, the domestic industry has reprocessed *** Kgs of C grade stock to normal untreated stock.
- y. The legal requirement for causal link is existence of “a” causal relationship and not existence of “the” causal link between dumped imports and injury.
- z. The import price from the rest of the world shows the kind of prices prevailing for the product. It is also indicative of higher costs in these countries as compared to India.
- aa. The petitioner has *** direct consumers and *** dealers. The 10 dealers are in turn selling to a number of consumers. Such a large consumer base is not catered through individual price offers and negotiations. It can be catered only through price lists and application of the same. The domestic industry has lost sales to a number of customers who have either started or increased their sourcing from imports.
- bb. Under anti-dumping Agreement and the Indian anti-dumping rules, 3% of dumped imports to total is considered as significant and the affected domestic industry can seek relief under the antidumping law. In the present case, the imports from the Korea RP enjoy a significant share in the total imports and demand.
- cc. The performance in the Annual Report is not indicative of the performance of the product under consideration as the applicant is a multi-product company. The applicant is not facing injury in treated fumed silica. Annual Report shows that the profitability has eroded due to unfair pricing by exporters of the subject countries and also the market share dropped in the POI. Performance of the company mentioned is only regarding the impact of COVID 19 lockdown in the month of March 2020 and not for the complete POI.
- dd. One of the key raw materials of PUC is Metallurgical Grade Silicon which is not available in India. China is the largest producer of Metallurgical Grade silicon in the world. The other major countries exporting MG Silicon are Norway, USA and South Africa. The applicant does import MG Silicon from these countries also.
- ee. The year 2021 is not the period of investigation and being original investigation, the Authority need not analyze the post POI data either for the product under consideration or the raw material prices.
- ff. The demand is more than the capacity of the domestic industry despite which the sales of the domestic industry have come down. Thus, the only factor responsible for the domestic industry's prices is the import prices of the product.
- gg. The data provided in the application establishes that injury is not due to other factors.
- hh. The subject countries account for 42% of the total imports into the country. Other than that, the imports from European Union and Japan account for 57% of the total imports. However, the imports from the EU and Japan not only are at much higher prices than the subject imports, but also above the selling price of the domestic industry.
- ii. Contraction in demand has not caused injury to the domestic industry.

- jj. The performance of the domestic industry has been segregated between the domestic and export operations and the export performance is not a cause of injury to the domestic industry.
- kk. There has been no material change in the pattern of consumption of the product under consideration.
- ll. No trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the domestic industry.
- mm. The technology for the production process for producing product under consideration has not undergone any significant development. Possible developments in technology are not a cause of injury to the domestic industry.
- nn. The data provided relates only to the performance of the subject goods. Therefore, the injury suffered cannot be attributed to the performance of the other products that are being produced and sold by the domestic industry.
- oo. The domestic industry imports raw materials from suppliers located in China PR. Those suppliers are not related to the domestic industry.
- pp. Price depression suffered by the domestic industry is due to dumped imports which has resulted in decline in profits, profit before interest, cash flow and return on capital employed.
- qq. There is significant price underselling due to low priced dumped imports as the landed price of imports are significantly below the non-injurious price of the domestic industry.
- rr. Market share of the domestic industry has decreased even though demand for the subject goods has been rising in India.
- ss. The producers in the subject countries reduced price to retain their volume and market in the country. Resultantly, the domestic industry was prevented from maintaining its market share even after commencing commercial production.

H.3 Examination by the Authority

H.3.1 Cumulative Assessment

- 65. Article 3 of WTO Agreement and Annexure II of the Rules provides that in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
 - a. The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively account for more than seven percent of the import of like article, and
 - b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.
- 66. In order to ascertain whether cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles, the following parameters have been examined: -
 - a. Products supplied by different parties are like articles and are comparable in properties.
 - b. Domestically produced products and imported products are interchangeable.
 - c. There is direct competition between the domestic product and the imported product and inter-se between the imported product.
 - d. Consumers are using domestic material and imported material interchangeably and exporter and domestic industry have sold the same product to same set of customers.
 - e. Import price from subject countries have moved in tandem.

67. The Authority notes that:

- a. the subject goods are being dumped into India from the subject countries. The margins of dumping from each of the subject countries are more than the de minimis limits prescribed under the Rules.
- b. the volume of imports from each of the subject country is individually more than 3% of the total volume of imports.
- c. cumulative assessment of the effects of import is appropriate as the exports from the subject countries not only directly compete with the like articles offered by each of them but also the like articles offered by the domestic industry in the Indian market.

68. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from China PR and Korea RP on the domestic industry.

69. Rule 11 of Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effects on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....". In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, inventory, profitability, net sales realization, the magnitude, and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the Rules.

H.3.2 Volume effect of the dumped imports on the domestic industry

a. Assessment of demand/apparent consumption

70. For the purpose of the present investigation, the Authority has taken into consideration the demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources.

S.N.	Particulars	Units	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Domestic industry sales	KG	***	***	***	***
		Indexed	100	123	130	120
2	Sales of other domestic producers	KG	-	-	-	-
3	Imports from Subject Countries	KG	6,58,651	6,28,585	6,98,414	8,68,538
a	China PR	KG	5,58,171	5,19,600	6,31,204	7,35,418
b	Korea PR	KG	1,00,480	1,08,985	67,210	1,33,120
4	Imports from Other Countries	KG	9,83,108	11,34,561	10,83,239	11,98,490
5	Total Demand	KG	***	***	***	***
		Indexed	100	115	119	123

71. It is seen that the demand of the product under consideration has continuously increased over the injury period.

b. Import volumes from the subject countries

72. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports from the subject countries, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the transaction-wise import data procured from DGCI&S. The volume of imports of the subject goods from the subject country has been analysed as under:

S.N.	Particulars	Units	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Imports from Subject Countries	KG	6,58,651	6,28,585	6,98,414	8,68,538
a	China PR	KG	5,58,171	5,19,600	6,31,204	7,35,418
b	Korea PR	KG	1,00,480	1,08,985	67,210	1,33,120
2	Imports from Other Countries	KG	9,83,108	11,34,561	10,83,239	11,98,490
3	Total Imports	KG	16,41,759	17,63,146	17,81,653	20,67,028

73. It is seen that the volume of imports from the subject countries declined in 2017-18 and thereafter increased till the POI. Further, the increase in the POI was quite significant. Whereas the demand increased merely by 4% in the POI as compared to the preceding year, the import volumes increased by 26%. In absolute terms, whereas the demand increased by 1,27,958 kgs, the subject imports increased by 1,70,124 kgs. It is also noted that the dumping margin is de-minimis in the case of the only responding producer-exporter from Korea RP.

c. Subject Countries imports in relative terms

S.N.	Particulars	Units	2016-17	2017-18	2018-19	POI
	Subject Countries import in relation to:					
1	Total imports into India	%	***	***	***	***
		Indexed	100	89	98	105
2	Indian Production	%	***	***	***	***
		Indexed	100	76	78	104
3	Domestic Sales	%	***	***	***	***
		Indexed	100	78	81	110
4	Consumption	%	***	***	***	***
		Indexed	100	83	89	107

74. It is seen that:

- the imports from the subject countries declined in relation to gross imports in 2017-18 and increased thereafter till the POI
- the imports in relation to production, consumption and sales of the domestic industry declined in 2017-18 and increased thereafter till the POI.
- the increase in imports in relation to gross imports, production, consumption in India and sales of the domestic industry in the POI was higher than the levels prevailing in the POI.

H.3.3 Price effect of the dumped imports

75. In terms of Annexure II (ii) of the Rules, with regard to the effect of the dumped imports on prices, it is required to be analyzed whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree in the normal course.

a. Price Undercutting

76. For the purpose of price undercutting analysis, the net selling price of the domestic industry has been compared with the landed value of the imports from the subject countries. While computing the net selling price of the domestic industry, all taxes, rebates, discounts and commissions have been deducted and sales realization at ex-works level has been compared with the landed value of the dumped imports. Accordingly, the undercutting effects of the dumped imports from the subject countries has been worked out as follows:

S.N.	Particulars	Units	POI		
			China PR	Korea RP	Subject Countries
1	Landed price	Rs/KG	302	292	301
2	Net sales realization	Rs/KG	***	***	***
3	Price undercutting	Rs/KG	***	***	***
4	Price undercutting	%	***	***	***
5	Price undercutting	Range	10-20	20-30	20-30

77. It is seen that landed price of the subject goods from the subject countries is at prices materially below the selling price of the domestic industry in the POI. Price undercutting is positive and significant for both the subject countries.

b. Price suppression and depression

78. In order to determine whether the dumped imports are depressing the domestic prices and whether the effect of such imports is to suppress prices to a significant degree or prevent price increases which otherwise would have occurred in normal course, the changes in the costs and prices over the injury period, have been compared as below:

S.N.	Particulars	Units	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Cost of Sales	Rs/KG	***	***	***	***
		Indexed	100	109	109	112
2	Selling Price	Rs/KG	***	***	***	***
		Indexed	100	94	105	106
3	Average Landed Price from subject countries	Rs/KG	264	268	325	310
		Indexed	100	102	123	117

79. It is seen that:

- the landed price of imports from the subject countries was lower than the cost of sales of domestic industry in the POI.
- whereas both cost and price have increased over the injury period.
- In the POI, prices are depressed as compared to 2018-19.

H.3.4. Economic parameters of the domestic industry

80. Annexure II to the AD Rules requires that the determination of injury shall involve an objective examination of the consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products. With regard to consequent impact of dumped imports on domestic producers of such products, the Rules further provide that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry should include an objective and unbiased evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments. The various injury parameters relating to the domestic industry are discussed herein below. The Authority has examined the injury parameters objectively taking into account various facts and arguments made by the interested parties in their submissions.

a. Production, capacity, sales and capacity utilization

81. Capacity, production, sales and capacity utilization of the domestic industry over the injury period are as follows. Since the domestic industry has used the production facilities for production of untreated fumed silica as well as treated fumed silica, the Authority has evaluated the performance of the domestic industry in respect of both, individually and thereafter collectively.

S.N.	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Installed Capacity Plant	KG	***	***	***	***
		Indexed	100	146	146	151
2	Production Quantity Plant	KG	***	***	***	***
		Indexed	100	125	151	142
3	Capacity Utilisation	%	***	***	***	***
		Indexed	100	85	103	94
4	Production Quantity PUC	KG	***	***	***	***
		Indexed	100	126	137	126
5	Production Quantity NPUC	KG	***	***	***	***
		Indexed	100	104	313	324
6	Sales Quantity					
a	Domestic	KG	***	***	***	***
		Indexed	100	123	130	120
b	Export	KG	-	-	***	-
		Indexed	-	-	100	-
c	Captive Consumption	KG	***	***	(***)	***
		Indexed	100	48	(55)	89

82. It is seen that:

- The domestic industry increased its capacities in the year 2017-18 and then again in the POI. It is seen that the demand for the product is increasing significantly. Further, capacities with the domestic industry are lower than the demand for the product in the country. With the rising capacities, the domestic industry has been able to cater to higher degree of demand for the product in the country in the POI as compared to the base year.
- Production of the domestic industry for the untreated fumed silica increased till 2018-19 but declined in the POI. Production of treated fumed silica, however, increased throughout the injury period. However, the decline in the production in the POI was so significant that gross production of the plant declined in the POI. The decline in production for untreated fumed silica is despite increase in demand for the product. Further, the decline in production is despite increase in capacity.
- The capacity utilization declined in 2017-18, increased in 2018-19 and thereafter declined in the POI. The production had increased in 2017-18 and the decline in the capacity utilization was largely due to increase in the capacity. Even if the capacity addition of the domestic industry in the POI is ignored, it is seen that the capacity utilization was lower than both the base year and the preceding year.
- Domestic sales increased consistently till 2018-19, but declined significantly in the POI even though the demand/consumption increased. The domestic industry suffered a decline of 10% in the POI as compared to the previous year. Demand in this period increased by 4% and the subject imports increased by 26%.
- The Authority examined the trends in exports and captive consumption by the domestic industry. It is seen that the domestic industry had no exports, barring in 2018-19. Further, the captive consumption is nothing but processing of untreated fumed silica to treated fumed silica. The negative captive consumption in 2018-19 is due to accounting treatments and reversal of some captive consumption. However, captive consumption of untreated fumed silica is only ***% (cumulative for the injury period).

b. Market share in demand

83. Market share of the domestic industry and of the imports is shown in the table below:

S.N.	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	of domestic industry	%	***	***	***	***
		Indexed	100	107	110	97
2	Import from subject countries	%	***	***	***	***
		Indexed	100	83	89	107
3	Import from Other countries	%	***	***	***	***
		Indexed	100	101	93	99
4	Total Demand	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%
		Indexed	100	100	100	100

84. It is seen that:

- The market share of the subject imports declined in 2017-18 and increased thereafter till the POI. The share of subject imports in the POI was higher than the base year.
- The market share of domestic industry increased till 2018-19 and declined significantly in the POI. The share of domestic industry in the POI was lower than the base year.
- The decline in the market share of the domestic industry is despite increase in capacity by the domestic industry.
- The imports from the non-subject countries are significant but they are not causing injury because they are priced very high in comparison to the imports from the subject country.

c. Profit/Loss, Cash Flow, Return on Capital Employed

85. Profitability, return on investment and cash profits of the domestic industry over the injury period is given in the table below:

S.N.	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Cost of Sales	Rs/KG	***	***	***	***
		Indexed	100	109	109	112
2	Selling price	Rs/KG	***	***	***	***
		Indexed	100	94	105	106
3	Profit before tax	Rs/KG	***	***	***	***
		Indexed	100	37	88	83
4	Total Profit before Tax	Rs.Lacs	***	***	***	***
		Indexed	100	45	115	99
5	Total Profit before interest	Rs.Lacs	***	***	***	***
		Indexed	100	63	117	100
6	Cash Profit	Rs.Lacs	***	***	***	***
		Indexed	100	59	121	106
7	Capital employed	Rs.Lacs	***	***	***	***
		Indexed	100	237	188	203
8	Return on capital employed	%	***	***	***	***
		Indexed	100	27	62	49

86. It is seen that:

- The profits of the domestic industry declined significantly in 2017-18, increased in 2018-19 and again declined in the POI.
 - The cash profits and ROCE declined significantly in 2017-18, increased in 2018-19 and thereafter declined in POI.
 - Even when profits, cash profits and ROCE increased in the POI, the same were below the levels prevailing in the POI.
 - While ROCE decline could be partly attributed to increase in capital employed, the profit before interest has remained almost at the same levels. Thus, even when the domestic industry has doubled the capital employed over the injury period, it has earned the same level of profits.
 - Whereas the domestic industry increased its capacity over the injury period and consequently its production and sales increased over the injury period, its profit before tax, profit before interest and cash profits were almost at the same levels in the POI as were prevailing in the base year. Despite 20% increase in domestic sales over the injury period, the profit before tax was lower than base year, whereas profit before interest was almost at the same level and cash profits increased by 7%.
87. The interested parties have contended that whereas the domestic industry has claimed decline in profits, its Annual Report shows increase in profits. The Authority, therefore, examined the profitability of the domestic industry in respect of the PUC, other products and overall company's operations. The Authority notes that the domestic industry is engaged in production of only untreated fumed silica and treated fumed silica. Therefore, the Annual Report shows performance of these two products. The company provided information with regard to its overall operations and untreated fumed silica. The Authority, therefore, examined the performance of the domestic industry for overall operations, and segregated into untreated fumed silica and treated fumed silica. The table below shows profit/loss for the untreated fumed silica and treated fumed silica.

Particular	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
Untreated fumed silica	Rs.Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	45	105	98
Treated fumed silica	Rs.Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	885	2464	5186
Total for the company	Rs.Lacs	***	***	***	***
	Indexed	100	56	135	164

88. The Authority further noted that whereas the production and the domestic sales of untreated fumed silica declined, that of treated fumed silica increased. It is thus seen that the performance of untreated fumed silica declined, whereas performance of treated fumed silica increased. The Authority notes that untreated fumed silica forms ***% to ***% of the overall production. Further, the share of untreated fumed silica declined as compared to treated fumed silica. The performance of domestic industry has got materially impacted in respect of untreated fumed silica, whereas its performance for treated fumed silica improved, leading to overall improvement in performance of the domestic industry.

d. Inventories

89. Inventory position with the domestic industry over the injury period is given in the table below:

S.N.	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Opening Stock	KG	***	***	***	***
		Indexed	100	70	90	85
2	Closing Stock	KG	***	***	***	***
		Indexed	100	129	121	226
3	Average	KG	***	***	***	***
		Indexed	100	94	103	143

90. It is seen that the inventories with the domestic industry declined sharply in 2017-18. However, inventories increased thereafter rather significantly till the POI. The domestic industry is suffering from accumulation of inventories. The inventories at the end of the POI were 39% higher than 2018-19.

e. Employment, productivity and wages

91. Performance of the domestic industry with regard to employment, productivity and wages over the injury period was as follows:

S.N.	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	No of Employees	Nos	***	***	***	***
		Indexed	100	100	100	98
2	Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***
		Indexed	100	103	100	125
3	Productivity per day	Kgs/Day	***	***	***	***
		Indexed	100	125	151	142
4	Productivity per employee	No/Kgs	***	***	***	***
		Indexed	100	125	151	144

92. It is seen that the number of employees has remained constant over the injury period even though wages increased over the injury period and productivity of the domestic industry increased over the injury period.

f. Growth

	Particulars	Unit	2016-17	2017-18	2018-19	POI
1	Production	%	-	26.26	8.30	(7.55)
2	Domestic Sales Volume	%	-	22.94	6.01	(8.18)
3	Capacity Utilisation	%	-	(14.96)	20.88	(8.39)
4	Cost of sales	%	-	8.98	0.00	2.71
5	Selling price	%	-	(5.77)	11.12	1.18
6	Average stock	%	-	(5.78)	9.10	38.87
7	Cash Profit	%	-	(40.91)	104.86	(12.04)
8	Return on Capital Employed	%	-	(73.28)	133.32	(21.03)
9	Profit before Interest and Tax	%	-	(36.58)	84.77	(14.59)
10	Market share	%				

93. It is seen that the growth of the domestic industry in respect of various volume and price parameters was negative in the POI.

g. Ability to raise capital investments

94. The Authority notes that the domestic industry has increased its production capacities. Further, the domestic industry has been profitable over the injury period. It is seen that the performance of the domestic industry is not impacted in respect of its ability to raise capital investments.

h. Magnitude of dumping

95. It is noted that the subject goods are being dumped into India and the dumping margin is positive and significant in the case of China PR. However, the dumping margin is de-minimis in the case of the only responding producer-exporter from Korea RP.

i. Factors affecting domestic prices

96. The examination of the import prices from the subject countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market shows that the landed value of the subject goods from the subject countries is significantly below the selling price of the domestic industry. The domestic industry is the sole domestic supplier of the product in the country. Landed price of imports from non-subject countries are much higher than the landed price of imports from subject countries and, therefore, could not have benchmarked the domestic prices. It is thus seen that the landed prices of subject goods from the subject countries are affecting the prices of the domestic industry.

H.3.5 CONCLUSION ON THE INJURY

97. The examination of the imports of the subject goods and performance of domestic industry shows that the volume of imports has increased in absolute terms as well as in relation to production and consumption in India over the injury period. The imports are undercutting the prices of the domestic industry. The price underselling is positive. The imports of the subject goods from the subject countries have resulted in price depression in the market.
98. While the capacity of the domestic industry has increased over the period, the production of untreated fumed silica declined in the POI, leading to decline in gross production, including treated fumed silica. Sales of the domestic industry, which were increasing till 2018-19, declined in the POI. The market share of subject imports is significant. While the market share of domestic industry increased till 2018-19, it has declined in the POI. The capacity utilisation of the domestic industry has declined as a result of decline in production. The domestic industry has suffered in respect of profits before tax, profit before interest, cash profit over the injury period. The per unit profits generated by the PUC declined significantly as compared to base year, leading to significant decline in return on capital employed over the injury period. The dumping margin and injury margin are positive and significant. However, the dumping margin is de-minimis in the case of the only responding producer-exporter from Korea RP.

H.3.6 Injury Margin

99. The Authority has determined Non-Injurious Price (NIP) for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Rules read with Annexure III, as amended. The non-injurious price of the product under consideration has been determined by adopting the information/data relating to the cost of production provided by the domestic industry and duly certified by the practicing cost accountant for the period of investigation. The non-injurious price has been considered for comparing the landed price from the subject countries for calculating the injury margin. For determining the non-injurious price, the best utilisation of the raw materials by the domestic industry over the injury period has been considered. The same treatment has been carried out with the utilities. The best utilisation of production capacity over the injury period has been considered. It is ensured that no extraordinary or non-recurring expenses were charged to the cost of production. A reasonable return (pre-tax @ 22%) on average capital employed (i.e., average net fixed assets plus average working capital) for the product under consideration was allowed as pre-tax profit to arrive at the non-injurious price as prescribed in Annexure III of the Rules and being followed as per consistent practice of the Authority.
100. Landed price of imports for cooperative producers/exporters from the subject countries has been determined on the basis of their questionnaire responses. For all the non-cooperative producers/exporters from the subject countries, the Authority has determined the landed price based on facts available.
101. Based on the landed price and non-injurious price determined as above, the injury margin for producers/exporters has been determined by the Authority and the same is provided in the table below:

S.N.	Subject Countries	Non-Injurious Price	Landed Value	Injury Margin	Injury Margin	Injury Margin
		(US\$/MT)	(US\$/MT)	(US\$/MT)	(%)	(Range)
A	China PR					
1.	Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd.	***	***	***	***	20-30
2.	Wacker Chemicals Fumed Silica (Zhangjiagang) Co Ltd., Wacker Chemicals (China) Co Ltd. & Wacker Metroark Chemicals Pvt Ltd.	***	***	(***)	(***)	(0-10)
3.	All others	***	***	***	***	30-40
B	Korea RP					
1.	OCI Company Limited & UNID Global Corporation	***	***	***	***	10-20
2.	All Others	***	***	***	***	20-30

I. NON-ATTRIBUTION ANALYSIS

102. Having examined the existence of injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, the Authority has examined whether injury to the domestic industry can be attributed to any factor, other than the dumped imports, as listed under the Rules.

a. Imports from other sources

103. Imports above de-minimis levels have been reported from Belgium, China, Germany, Japan and Korea. The Authority examined the volume, average import price and share of each of these countries.

Volumes in Kgs

	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
Belgium	2,17,320	2,42,900	1,24,000	1,04,000
China	5,58,171	5,19,600	6,31,204	7,35,418
Germany	5,37,862	5,67,364	6,41,595	7,03,141
Japan	2,25,360	3,16,460	3,04,920	3,73,320
Korea	1,00,480	1,08,985	67,210	1,33,120

Average price Rs./Kgs

	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
Belgium	368	354	367	381
China	239	247	300	289
Germany	378	353	384	393
Japan	338	307	320	332
Korea	280	266	326	292

Share in %

	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20
Belgium	13.24	13.78	6.96	5.03
China	34.00	29.47	35.43	35.58
Germany	32.76	32.18	36.01	34.02
Japan	13.73	17.95	17.11	18.06
Korea	6.12	6.18	3.77	6.44

104. It is seen that:

- i. The import prices from each of the non-subject countries were higher than the import price from China and Korea.
- ii. Since significant increase in the imports occurred in the POI, the Authority examined the trend in prices from the subject and the non-subject countries between 2018-19 and POI. It is seen that whereas import prices declined in the POI (as compared to 2018-19) from the subject countries, the import prices increased from the non-subject countries.

b. Increase in demand

105. The demand of the product under consideration has increased over the injury period. Further, the domestic industry has lost market share to the subject imports in the POI, and its production, domestic sales and capacity utilisation declined in the POI. Thus, the injury is not on account of any possible contraction in demand.

c. Changes in the pattern of consumption

106. There is no evidence of any change in the pattern of consumption with regard to the product under consideration. Further, the demand for untreated fumed silica has shown increase over the injury period. The domestic industry has increased the capacities and significant imports are from non-subject countries as well. Therefore, there is no evidence of possible changes in the pattern of consumption that could have caused injury to the domestic industry.

d. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

107. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the domestic industry. The domestic industry is the sole domestic producer. Further, significant imports are from non-subject countries, that too from more than one source. Imports from different sources are at different prices. It is thus seen that there is enough competition within the domestic market. Imports from the subject countries have been found at dumped prices.

e. Developments in technology

108. None of the interested parties have furnished any evidence to demonstrate significant changes in the technology that could have caused injury to the domestic industry. The domestic industry has added significant capacities over the injury period.

f. Export performance

109. The injury information examined hereinabove relates only to the performance of the domestic industry in terms of its domestic market. In any case, barring 2018-19, the domestic industry does not have exports. Thus, the injury suffered cannot be attributed to the export performance of the domestic industry.

g. Performance of other products being produced and sold by the domestic industry

110. The Authority has only considered the data relating to the performance of the subject goods. Therefore, performance of the other products produced and sold is not a possible cause of the injury to the domestic industry.

J. EXAMINATION ON CAUSAL LINK

111. It is noted that other known factors listed under the Rules do not show that the domestic industry could have suffered injury due to these other known listed factors. It is also noted that the domestic industry has not suffered injury due to any other factor identified by the interested parties. The Authority examined whether the dumping of the product has caused injury to the domestic industry. The following parameters show that material injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

- a. Imports were undercutting the prices of the domestic industry. Further, the price undercutting is quite significant. Resultantly, the volume of imports has increased significantly over the period.
- b. Whereas the market share of the subject imports has increased, that of the domestic industry has declined. Further, the domestic industry has lost sales volumes in the POI. Thus, the decline in market share of the domestic industry is due to decline in domestic sales of the domestic industry.
- c. The domestic industry lost domestic sales in the POI. Consequently, its production and capacity utilization declined in the POI, while inventories increased significantly.

- d. The per unit profits of the domestic industry declined over the injury period. Resultantly, the ROI declined over the injury period.
- e. Growth of the domestic industry was negative in the POI in both volume and price factors.
- f. The increase in subject imports in the POI was far beyond the increase in demand for the product in the market. Resultantly, the domestic industry lost market share, sales volumes, and consequently production and capacity utilization.

K. POST DISCLOSURE COMMENTS

K.1 Views of the other interested parties

112. The following post-disclosure submissions have been made by the other interested parties:

- a. The dumping margin determined for OCI Company Limited and UNID Global Corporation is less than 2% and the Authority may confirm it in the final findings. If there is any change, the Authority should issue revised disclosure statement and provide opportunity to the interested parties to offer the comments.
- b. The dumping margin calculated for OCI is de minimis. Therefore, immediate termination of the investigation against OCI is warranted in the light of the Article 5.8 of the Anti-dumping Agreement & WTO Appellate Body in Mexico – Definitive anti-dumping measures on Beef and Rice.
- c. As per Section 9A (6A) of the Customs Tariff Act, 1975, the normal value shall be determined based on the records maintained by the producer/exporter. The Authority has disregarded the information for raw material Silicon Tetrachloride (“STC”) which OCI is captively producing. The actual records maintained by the company reflect benchmark prices prevailing in China PR, and prices of STC in China PR are suitable benchmark. Further, STC is not procured by them from China PR and, therefore, the raw material cost cannot be rejected on the ground that China PR is a non-market economy.
- d. The Authority may reconsider its decision regarding separate PCNs for pharma and non-pharma grades to ensure ‘apple-to-apple’ fair comparison of prices and adopt PCN methodology for fair comparison between pharma grade PUC and non-pharma grade PUC and determine the dumping margin and the injury margin for pharma grade PUC and non-pharma grade PUC separately. The observations of the Authority are inconsistent and irreconcilable with the import data of pharma grade and non-pharma grade
- e. The non-pharma grade cannot compete with the pharma grade PUC. The comparison of landed price of exports comprising only the non-pharma grade with the average non-injurious price of the domestic industry comprising pharma as well as non-pharma grade will show exaggerated injury margin and not reflective of the actual situation. The Authority may perform a segmented analysis (pharmaceutical and technical quality) of the injury to come to an accurate finding and not unduly punish fair imports. Such difference in the product mix leads to inaccuracy in (a) calculating and assessing an accurate normal value and consequently dumping margin, (b) calculating and assessing an accurate non-injurious price and injury margin, (c) assessing the volume and price effects and other injury parameters and (d) assessing and establishing a causal link between the allegedly dumped imports and the injury claimed.
- f. A significant increase in the fixed costs of the domestic industry has led to the decline of the profitability of the domestic industry. The Authority should note the impact of high fixed costs and depreciation while assessing causal link between the imports and the injury to the domestic industry. The imports cannot be blamed for losses caused due to sudden increase in the fixed and depreciation cost. The Authority has not examined that why losses caused cannot be attributed to sudden increase in the fixed cost and depreciation cost.
- g. The claim of applicant that Untreated Fumed Silica is different from other synthetic Silica has been proven to be untrue as Precipitated Silica is a direct substitute in the majority of the applications. Precipitated silica while different in nature, its production process and the end products have the same properties and provide the same benefits to downstream users with Precipitated Silica being significantly cost effective in comparison. These common features are important to high volume industries like agrochemicals, silicon rubber, food processing industry, etc.

- h. The applicant has falsely claimed that the indexed version of information is not made available. This is either because the actual data relating to the imports has been considered as non-confidential or as the information was not relating to costs or capacity utilization.
- i. The import CIF value of the PUC is at Rs. 355 from China PR in the current year which is higher than the normal value based on CIF of imports from Japan.
- j. There has been significant increase in the landed price for the imports from China PR from the period of investigation to date.
- k. The applicant would be the singular benefactor of any ADD and all downstream customers will face with an undue increase in price beyond what is already faced.
- l. A similar analysis should be made for all downstream customers who are currently facing additional pressures of an unsecure and uncertain supply and a widely varying demand month-on-month.
- m. The impact Analysis provided by the applicant clearly points out the additional burden on the already COVID stressed downstream customers. The supply chain costs have also increased significantly and the impact analysis is to ensure public interest for over downstream end users.
- n. The Authority should consider variable duty by notifying reference price. Thus, importers like Jay Chem Marketing would be allowed the opportunity to not pay anti-dumping duty but rather ensure and abide by an import price higher than the set reference price. The Authority may revise the prices to remove the dumping, or the injurious effect of dumping.
- o. Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd has exported total 24 transactions out of which 3 transactions are on FOB and rest are of CIF. The Authority shall compute landed value of these 3 FOB transactions after converting into CIF price by adding notional impact of ocean freight and insurance to FOB values as claimed in Appendix-3A of Shandong Dongyue filed with DGTR.
- p. The operating or running cost of a plant manufacturing pharmaceutical quality PUC is significantly higher due to the climate control, sanitation, and other manufacturing protocols which are in operation at all the times.
- q. Since normal value is based on the import data, the same should also be disclosed, along with the import prices from which countries have been included in determination of normal value. (Melamine from China PR case relied upon)
- r. The injury analysis must only contain an analysis of the 'dumped' imports and its effect on the domestic industry.
- s. The Authority should not recommend the imposition of any measures since the injury margin calculated for Wacker Chemicals (China) Co. Ltd, Wacker Chemicals Fumed Silica (Zhangjiagang) Co. Ltd and Wacker Metroark Chemicals Pvt. Ltd. is negative.

K.2 Views of the domestic industry

113. The following are the post-disclosure submissions made by the domestic industry:

- a. The imposition of anti-dumping measure on the imports of the product under consideration would be in the interests of the domestic manufacturers. Further, it is in the consumers' interest and the public at large to have a competitive domestic industry capable of supplying the product in competition to the fair priced imports.
- b. The objective of imposition of the anti-dumping duty is to establish a level playing field, by removing any trade distortion by the producers in the subject countries and allowing the Indian industry an opportunity for fair competition.
- c. The impact of the duty on the eventual end products are miniscule.
- d. OCI has sold the subject goods both in bulk and packed forms in the domestic market, while it has exported the subject goods to India in packed form only. The Authority has taken only the packed sales into account for determination of the normal value for OCI. No PCN has been framed in the present case and such being the case, different types of the product cannot be excluded.

- e. OCI and UNID are related entities. As the sales are made to a related exporter, the export price should be determined from the selling price of those goods by the exporter to the independent buyers after making appropriate additional adjustments such as SGA, reasonable profit and the interest incurred by the related exporter.
- f. India chose to adopt lesser duty law. This is the first disadvantage created against the domestic industry. The NIP has been determined in this case by (a) changing the apportionment methods for major items of expenses and (b) by ignoring the legitimate business expenses. This has resulted in unduly low NIP and resultantly injury margin.
- g. The non-injurious price determined by the Authority may be reviewed, as this is too low to protect legitimate interests of the domestic industry. The cost of production reported by the applicant has been modified by the Authority without giving the proper justification for the same. In spite, the fact that the allocation methods used by the company for calculating the COP for ADD purpose was as per the books of accounts maintained by the company and the same allocation method was used by company for inventory valuation and has been accepted by statutory auditors also.
- h. The selling price methodology will highly distort overhead allocation. There is no linkage between the price of the two products and the overhead expenses incurred.
- i. Special adhoc compensation is a component of salary paid to the employees and is the part of CTC of these employees.
- j. During November, 2019, some of the equipments were installed and capitalised in the books. However, remaining activities to increase the capacity to *** MT were completed in March, 2021 and were capitalised on 24.03.2021.
- k. The condensers are constructed with high end metals, and it takes long delivery period. Hence, this system was installed and commissioned in March, 2021.
- l. The duty should be imposed as fixed amount expressed in terms of US\$.

K.3 Examination by the Authority

114. The Authority has examined the post disclosure submissions made by the other interested parties and notes that though most comments are reiterations which have already been examined suitably and addressed adequately in the relevant paras of the findings, the Authority examines the issues raised in the post-disclosure comments/submissions by the interested parties and considered relevant by the Authority as below.
- a. With regard to the claim of domestic industry that related trader's expenses and profit should also be adjusted while calculating the ex-factory export price for OCI, it is noted that related trader's expenses and profit are required to be adjusted if the Authority adopts related trader's export price to Indian customers for working out the ex-factory export price. If the Authority adopts the price at which producer has sold the goods to the related trader for determination of ex-factory export price, then trader's expenses and profit are not required to be adjusted. The ex-factory price worked out by both the aforesaid methodologies would ultimately be same. In the present case, the Authority has adopted the sale price of OCI to UNID for determination of ex-factory export price and therefore no adjustment for expenses incurred by UNID and profit of UNID is required to be made while working out the ex-factory export price. The Authority has duly examined and noted that UNID has not incurred any loss with regard to exports of PUC to India and therefore there is no need for any adjustment on account of loss incurred by trader.
 - b. With regard to the claim of domestic industry that Authority should not make packed to packed comparison for calculation of dumping margin for OCI as NIP has not been determined separately for packed and bulk products, the Authority notes that NIP has no relevance or purpose in calculation of dumping margin. NIP is used for calculation of Injury Margin. Dumping margin is the comparison of normal value and export price to India. In the present case, OCI has sold subject goods both in bulk and packed forms in the domestic market, while it has exported the subject goods to India in packed form only. Therefore, keeping in mind the principles of fair comparison enshrined in AD Rules, it is incumbent upon the Authority to consider only the packed sales into account for determination of the normal value for OCI. This is also in accordance with the consistent practice of the Authority. In one of the recently concluded investigation on "Rubber Chemical PX-13" from China PR, Korea RP and USA, the Authority has adopted the same approach for calculation of dumping margin for the cooperating producer/exporter from Korea RP.

- c. As regards the contention that OCI has sold the subject goods both in bulk and packed forms in the domestic market while it has exported the subject goods to India in packed form only, the Authority reiterates that in order to have a fair comparison, it has taken only the packed sales into account for the determination of the normal value for OCI.
- d. As regards to the contention that the NIP determined is unduly low leading to very low margins, the Authority notes that the rules require the Authority to recommend ADD considering dumping margin and injury margin. If the injury margin determined is lower than the dumping margin, the Authority is required to consider such injury margin while recommending the duty.
- e. The non-injurious Price (NIP) based on the optimum cost of production and the cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Rules has been worked out so as to ascertain whether anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the domestic industry. Regarding the inconsistency in calculation of NIP, it is noted that the NIP has been calculated on the basis of principles laid down under the Rules. The non-injurious price of the product under consideration has been determined by adopting the information/data relating to the cost of production provided by the domestic industry, duly certified by the practising cost accountant and examined by the Authority.
- f. As regards to the contention that there should be separate PCNs for pharma and non-pharma grades, the Authority reiterates that there is no difference in the raw material used or the production/manufacturing process involved whether for pharma or non-pharma grade. The only major difference between the two is that pharma grade requires more stringent testing and higher specifications. However, this is not a result of any difference in the production process. It is only a result of quality testing. There is no material difference in the cost of the production of the pharma or the non-pharma grade.
- g. As regards to the contention that a significant increase in fixed costs of the domestic industry has led to decline of profitability of the domestic industry, the Authority notes that the causal link provision requires the investigating authorities, as part of their causation analysis, to examine all known factors other than dumped imports, which are causing injury to the domestic industry at the same time as the dumped imports. The Authority has ensured that injuries which are caused to the domestic industry by the known factors, other than dumped imports, are not 'attributed to the dumped imports'.
- h. As regards to the contention that precipitated silica is a direct substitute of the PUC in the majority of the applications, the Authority reiterates that "Precipitated silica" cannot replace "fumed silica" in many applications and the interested parties have not established that these two kinds of products are the same product in terms of their functionality, manufacturing process, raw materials, functions & uses, production technology, plant & equipment, costs and prices. While other synthetic silicas are made from silicate solution in a liquid phase, fumed silica is manufactured in a gas phase at a very high temperature. It is also seen from the import data that there are significant differences in the price of these two types of products. The product has no substitute. Precipitated silica has low purity and is less efficient than fumed silica. There is huge difference between the two.
- i. As regards to the contention that M/s Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd. has exported a total of 24 transactions, out of which 3 transactions are on FOB basis and rest on CIF basis, the Authority notes that it has appropriately converted the FOB transactions into the CIF prices, considering the adjustments claimed by the responding exporter.

L. INDIAN INDUSTRY INTERESTS AND OTHER ISSUES

115. The Authority recognizes that the imposition of the anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, the fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of the anti-dumping measures. On the contrary, the imposition of the anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by the dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain the availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and

fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

116. The Authority considered whether imposition of ADD shall have adverse public interest. For the same, the Authority examined whether the imposition of the anti-dumping duty on imports of the product under investigation would be against the larger public interest. This determination is based on the consideration of the information on record and interests of the various parties, including domestic industry, the importers and the consumers of the product.
117. The Authority issued gazette notification inviting views from all the interested parties, including the importers, the consumers and the other interested parties. The Authority also prescribed a questionnaire for the consumers to provide relevant information with regard to the present investigations, including possible effect of the ADD on their operations. The Authority sought information on, inter-alia, interchange ability of the product supplied by the various suppliers from different countries, ability of the domestic industry to switch sources, effect of the ADD on the consumers, factors that are likely to accelerate or delay the adjustment to the new situation caused by imposition of the ADD.
118. Three importers, namely, M/s Jay Chem Marketing, Mumbai, M/s CJS Specialty Chemicals Private Limited and M/s Wacker Metroark Chemicals Pvt Ltd have filed the questionnaire response in the manner prescribed by the Authority. The Authority has considered the arguments of all the interested parties in the present findings and questionnaire response filed by these parties. Though the parties have contended that there shall be adverse effect of proposed ADD on the public at large but none of these importers have provided any verifiable information to demonstrate the effect of the anti-dumping duty on the consumers. Further, in this regard, the Authority reiterates that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict the imports from the subject countries in any way and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.
119. Even though the Authority has prescribed formats for the users to quantify the impact of the ADD and elaborate how imposition of the ADD shall adversely impact them, it is noted that none of the interested parties have provided relevant information. It is, thus, noted that the interested parties have not established the impact of the ADD on the user industry with verifiable information. Further, the domestic industry has quantified the impact of the recommended anti-dumping duty on the consumer industry and submitted that the impact is meagre.
120. The Authority notes that the product is under free import category and, therefore, can be freely imported from various countries. The imposition of the anti-dumping measures would not restrict the imports from the subject countries in any way and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The imposition of the anti-dumping duties, therefore, would neither affect the availability of the product to the consumers nor create monopoly.
121. Further, the capacity utilization of the domestic industry is low in the period of investigation and declined as compared to the preceding year. The domestic industry had the potential to cater a much higher degree of demand in India. However, due to dumping of the product under consideration, the domestic industry was faced with unutilized capacity and had a lesser share in domestic market as compared to the subject imports.
122. It is noted that the interested parties have not demonstrated how the prices of subject goods have adversely impacted the consumers. On the other hand, the domestic industry has submitted quantified information showing that the impact of the proposed antidumping duty on the user industry would be miniscule. The domestic industry has submitted that the cost of the product under consideration in the final product is very minimal and will have almost no effect on the end-users. The product is mainly used in the production of Paracetamol (Dolo-650 mg), Resins - Gel coats, Enamel Paints (high gloss) and Garam masala / curry powders. The impact of anti-dumping evaluated on these end products is below 1%. From the information on record, it is also noted that the impact of anti-dumping duty is miniscule to the consumers of the product under consideration, and the Authority is of the view that the imposition of anti-dumping duty will be in public interest.

123. It is, thus, noted that while the interested parties have not established possible adverse impact of the proposed ADD on the user industry with verifiable information, even if it is considered that the imposition of the ADD might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods, the impact of the antidumping duty on the eventual product would be insignificant. Further, the fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measure, particularly if the levy of the ADD is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. The objective of the imposition of the anti-dumping measure is to remove the unfair advantages gained by the dumping practices to prevent the injury to the domestic industry and help maintain the availability of a wider choice to the consumers of the subject goods.

M. CONCLUSION & RECOMMENDATIONS

124. After examining the submissions made by the interested parties and the issues raised therein, and considering the facts available on record, the Authority concludes that:
- The product produced by the domestic industry is like article to the product under consideration imported from the subject country.
 - The application contained all the information relevant for the purpose of initiation of investigation and the application contained sufficient evidence to justify initiation of the investigation.
 - Considering the normal value and the export price for the subject goods, the dumping margins for the subject goods from the subject countries have been determined, and the margins are significant.
 - The domestic industry has suffered material injury. The examination of the imports of the subject product and the performance of the domestic industry clearly shows that the volume of the dumped imports from the subject countries has increased significantly in absolute terms and remained significant despite the significant capacity addition by the domestic industry and increase in its production. The imports from the subject country are undercutting the prices of the domestic industry. The imports are depressing the prices of the domestic industry. The capacity utilization declined and the inventories have increased in the period of investigation.
 - The material injury suffered by the domestic industry has been caused by the dumped imports.
 - Despite providing sufficient opportunity to the interested parties to quantify the impact of the ADD and elaborate on how imposition of the ADD will adversely impact them, none of the consumers have demonstrated possible adverse effect. The information on record shows that the non-imposition of the anti-dumping duty will adversely and materially impact the indigenous production, while imposition of the duty will not materially impact the consumer or the downstream industry or public at large. On the basis of the information provided by the interested parties and the investigation conducted, the Authority is of the considered view that the imposition of the anti-dumping duty will not be against the public interest.
125. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all the interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, the exporters, the importers and the other interested parties to provide positive information on the aspect of the dumping, the injury, the causal link and the impact of proposed measures. Having initiated and conducted the investigation into the dumping, the injury and the causal link in terms of the provisions laid down under the Anti-Dumping Rules, and having quantified the impact of non-imposition and imposition of the ADD, the Authority is of the view that the imposition of the anti-dumping duty is required to offset the dumping and the injury. The Authority considers it necessary to recommend the imposition of the anti-dumping duty on the imports of the subject goods from the subject countries.
126. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends the imposition of the anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the Authority recommends imposition of the antidumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, from the date of the notification to be issued in this regard by the Central Government, equal to the amount mentioned in Col. 7 of the duty table appended below. The landed value of imports for this purpose shall be assessable value as determined by the Customs under Customs Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

Duty Table

S.N.	Heading	Description	Country of Origin	Country of Export	Producer	Amount	Unit	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	28112200	Untreated fumed silica	China PR	Any country including China PR	M/s Shandong Dongyue Silicone Material Co., Ltd.	1,018	MT	US\$
2.	28112200	Untreated fumed silica	China PR	Any country including China PR	Wacker Chemicals Fumed Silica (Zhangjiagang) Co., Ltd.	NIL	MT	US\$
3.	28112200	Untreated fumed silica	China PR	Any country including China PR	Any producer other than SN 1. and 2.	1,296	MT	US\$
4.	28112200	Untreated fumed silica	Any country other than China PR and Korea RP	China PR	Any	1,296	MT	US\$
5.	28112200	Untreated fumed silica	Korea RP	Any country including Korea RP	OCI Company Limited	NIL	MT	US\$
6.	28112200	Untreated fumed silica	Korea RP	Any country including Korea RP	Any producer other than SN 5.	373	MT	US\$
7.	28112200	Untreated fumed silica	Any country other than Korea RP and China PR	Korea RP	Any	373	MT	US\$

N. FURTHER PROCEDURE

127. An appeal against the order of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the appropriate Forum.

ANANT SWARUP, Designated Authority